जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 47 संख्याः 166 प्रभात बीकानेर, गुरूवार 8 जनवरी, 2026 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

# ट्रंप की ''ग्रीनलैंड'' पर आधिपत्य जमाने की धमकी से यूरोप में खलबली

## वैनेज़ुएला पर सैनिक कार्यवाही के बाद, विश्व ट्रंप की ग्रीनलैंड की धमकी को केवल बड़बोलापन नहीं मान रहा। बल्कि, ट्रंप के गैर जिम्मेवारानापन व ''अनप्रैडिक्टिव सोच'' की निशानी मान रहा है

- ग्रीनलैंड, डेनमार्क के साम्राज्य का हिस्सा रहा है और डेनमार्क, नाटो का शुरु से सदस्य है, अब ''ग्रीनलैंड'' पर सैनिक कार्यवाही करना, नाटो के सदस्य के खिलाफ सैनिक आक्रमण है और नाटो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, यूरोप में अमेरिका की मदद से खड़ा किया गया संगठन है, जिसने यूरोप में शांति और सुरक्षा बनाए रखी, रूस की तथाकथित आक्रामक सोच की छाया में।
- नाटो के अन्य सदस्यों, जैसे टर्की व स्कैण्डिनेवियन देशों ने अमेरिका की धमकी के खिलाफ आवाज़ उठाई है।
- इन देशों व अन्य यूरोपीय देशों का तर्क है, अमेरिका का हित नाटो सदस्यों में आपसी सहयोग बढ़ाने में है, न कि उन्हें आपस में लड़ा कर नाटो का विघटन करने में।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 जनवरी। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के इस बयान पर, कि ग्रीनलैंड को हासिल करने के लिए सैन्य बल ''हमेशा एक विकल्प'' है, डेनमार्क ने कड़ी राजनयिक प्रतिक्रिया दी है और नाटो में चिंता की लहर दौड़ गई है। हालांकि वॉशिंगटन का कहना है कि वह सिर्फ सभी विकल्प खुले रख रहा है। ये टिप्पणियां आर्कटिक द्वीप को अमेरिका के नियंत्रण में लाने की ट्रंप की लंबे समय से चली आ रही इच्छा की अब तक की सबसे आक्रामक अभिव्यक्ति हैं। यह बयान वैनेज़ुएला में हाल ही में हुए अमेरिकी सैन्य अभियान के बाद आया है, जिससे सहयोगी देशों में अमेरिका की अनिश्चितता को लेकर चिंता और बढ़ गई है।

वाइट हाउस ने ग्रीनलैंड को एक रणनीतिक संपत्ति बताया है, जिसकी अहमियत रूस और चीन के साथ आर्कटिक क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण और बढ़ गई है। अधिकारियों का

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## 'मध्य प्रदेश के गाँवों में एक तिहाई पेयजल पीने योग्य नहीं है'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 जनवरी। मध्य प्रदेश के गांवों में, पेयजल चुपचाप सार्वजनिक स्वास्थ्य का हथियार बन गया है। केन्द्रीय सरकार के जल जीवन मिशन द्वारा जारी एक नई रिपोर्ट के अनुसार, राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में एक तिहाई से अधिक पेयजल मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त है, जिससे लाखों लोग अदृश्य, लेकिन जानलेवा प्रदूषण का शिकार हो रहे हैं।

4 जनवरी 2026 को जारी की गई कार्यक्षमता आकलन रिपोर्ट

- केन्द्र सरकार की जल जीवन मिशन रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है और कहा गया है कि लाखों लोग भारी प्रदूषण का शिकार हैं।

(फंक्शनलिटी असेसमैंट रिपोर्ट) के अनुसार, मध्य प्रदेश में पानी के केवल 63.3 प्रतिशत नमूने गुणवत्ता परीक्षणों में पास हुए, जबकि राष्ट्रीय औसत 76

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# 'चीन, रूस, क्यूबा और ईरान को बाहर निकालो'

## ट्रंप ने वैनेज़ुएला की नई अंतरिम सरकार के लिए निर्देश जारी किए

- ट्रंप ने नई अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रॉड्रिग्ज़ से कहा कि चीन, रूस, ईरान व क्यूबा से कोई आर्थिक संबंध नहीं रखें।
- ट्रंप ने यह भी कहा कि तेल उत्पादन में सिर्फ अमेरिका के साथ भागीदारी की जाए और ''हैवी क्रूड'' सिर्फ अमेरिका को बेचा जाए।
- ट्रंप के इन दो टूक आदेशों से यह स्पष्ट है कि वैनेज़ुएला का प्रशासन एक तरह से वे ही चला रहे हैं।

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 जनवरी। बताया जाता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने वैनेज़ुएला के नए शासन, जिसे अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज़ के नेतृत्व में स्थापित किया गया है, से कहा है कि वे चीन, रूस, ईरान और क्यूबा को बाहर निकालें तथा इनके साथ आर्थिक संबंधों को ''तोड़ें'', ताकि उन्हें अधिक तेल उत्पादन करने की अनुमति दी जा सके। एबीसी न्यूज़ ने सूत्रों के हवाले से कहा है, ट्रंप प्रशासन चाहता है कि वैनेज़ुएला केवल संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ तेल उत्पादन में साझेदारी करे और भारी कच्चे तेल को बेचते समय अमेरिका को प्राथमिकता दे।

वैनेज़ुएला पिछले हफ्ते अमेरिकी हमलों के बाद, जब वैनेज़ुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार कर बाहर भेज दिया गया था, राजनैतिक उथल-पुथल का सामना कर रहा है। इसके बाद, डेल्सी रोड्रिग्ज़ ने अंतरिम राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार संभाला है, जबकि ट्रंप का कहना है कि वे अब इस दक्षिण अमेरिकी देश को नियंत्रित कर रहे हैं।

अब, एबीसी ने रिपोर्ट किया है कि ट्रंप प्रशासन ने वैनेज़ुएला के नए नेतृत्व से कहा है कि उन्हें अपने तेल भंडार से अधिक तेल निकालने की अनुमति तभी दी जायेगी, जब वे उनकी शर्तों का पालन करेंगे।

सूत्रों ने कहा, ''सबसे पहले तो, वैनेज़ुएला को चीन, रूस, ईरान और क्यूबा से सम्बंध खत्म करने होंगे और आर्थिक संबंधों को तोड़ना होगा। दूसरे, वैनेज़ुएला को केवल संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ तेल उत्पादन में साझेदारी करने पर सहमत होना होगा और हैवी क्रूड बेचते समय अमेरिका को प्राथमिकता देनी होगी।''

ज्ञातव्य है कि चीन लंबे समय से वैनेज़ुएला का करीबी साथी है और यह वैनेज़ुएला का सबसे बड़ा तेल खरीदार है।

# 'ऑपरेशन वैनेज़ुएला बहुत साफ-सुथरी व सर्जिकल सैनिक कार्यवाही थी'

## पर, अब मालूम पड़ रहा है कि अमेरिका का यह दावा काफी थोथा व असत्य था, क्योंकि अब सब स्वीकार कर रहे हैं कि कम से कम 80 लोग मारे गए थे, कई सारे घर व मकान तहस-नहस हो गए थे, अमेरिकी बमबारी में

- जैसा कि अब अमेरिका ने भी स्वीकार किया है कि 150 अमेरिकी हवाई जहाजों ने आक्रमण में भाग लिया था, समुद्र के जहाजों, अन्य ट्रकों व टैंकों के अलावा। सभी को विशेषकर वैनेज़ुएला को आभास था कि अमेरिका आक्रमण करने वाला है तथा वैनेज़ुएला की आर्मी व वायु सेना तैयार थी लड़ाई के लिए। अतः आसमान में ''डॉग फाइट्स'' हुई व जमीन पर काफी गोलाबारी भी देखी गई थी।
- अमेरिका ने अब ''डिमांड'' रखी है, वैनेज़ुएला के समक्ष कि वह 50 मिलियन ऑयल दे, अमेरिका को, अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में बेचने के लिए तथा आमदनी अमेरिका के कोष में जमा होगी तथा थोड़ा बहुत अंश वैनेज़ुएला को भी मिलेगा।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 जनवरी। काराकस, वैनेज़ुएला में एक साफ़-सुथरा और सर्जिकल ऑपरेशन करने के अमेरिकी दावों के विपरीत, अब यह साफ हो गया है कि देश के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के अपहरण की पूरी कार्रवाई बेहद हिंसक और खून-खराबे वाली थी।

कम से कम 80 लोग मारे गए हैं। इनमें ड्यूटी पर तैनात वैनेज़ुएला और अन्य विदेशी भाड़े के सैनिकों के साथ-साथ वे आम नागरिक भी शामिल हैं, जो गोलीबारी की चपेट में आ गए। इसके अलावा बड़ी संख्या में लोग बेघर हो गए हैं, क्योंकि सैन्य हमलों में उनके घर तबाह हो गए। वैनेज़ुएला के अधिकारियों को आशंका है कि मरने वालों की अंतिम संख्या इससे कहीं अधिक हो सकती है।

डॉनल्ड ट्रंप ने पूरे अभियान को बेहद हिंसक, लेकिन प्रभावी बताया।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## 'गड़बड़ी सिद्ध हुए बिना पूरी भर्ती रद्द नहीं की जा सकती'

जयपुर, 7 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ में राज्य सरकार ने एसआई भर्ती-2021 भर्ती को एकलपीठ की ओर से रद्द करने को गलत बताया है। राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि यदि व्यक्तिगत स्तर पर गड़बड़ी हुई भी

- महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने एसआई भर्ती मामले में हाई कोर्ट में बहस पूरी की।

हो तो उसके चलते पूरे चयन तंत्र को दूषित मानकर भर्ती को रद्द नहीं किया जा सकता। राज्य सरकार की ओर से बहस पूरी होने पर अदालत ने मामले की सुनवाई गुरुवार तक टाल दी। एक्टिंग सीजे एसपी शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की खंडपीठ ने ये आदेश राज्य सरकार व अन्य की अपील पर दिए।

सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने वंशिका यादव के मामले में तय किया है कि जब तक किसी भर्ती में व्यापक और संगठित स्तर पर सिस्टमैटिक गड़बड़ी सिद्ध न हो तो

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# अमेरिका की आक्रामक वक्तव्यबाजी व हरकतों से ''अमेरिका विरोधी'' मंच तैयार हो गए हैं

## यूरोप, चीन, टर्की के अलावा विश्व भर में लगभग सभी देश अमेरिका द्वारा वैनेज़ुएला में की गई सैन्य कार्यवाही के खिलाफ खुलकर मुखरित हुए हैं

- इस मुद्दे पर ऐसे-ऐसे देश भी एक मंच पर नज़र आए जो आपस में काफी कटुता पाले हुए हैं।
- सब का एक ही मत है कि ग्रीनलैंड के बाशिंदों को ही अन्ततोगत्वा अधिकार प्राप्त है कि वे स्वतंत्र रहना चाहते हैं या किसी देश का आधिपत्य स्वीकार करना चाहते हैं।
- ग्रीनलैंड के निवासियों ने बड़े स्पष्ट शब्दों में अपना निर्णय सुनाया है कि वे स्वाधीन रहना चाहते हैं, किसी अन्य देश में शामिल होकर अपना अस्तित्व नहीं खोना चाहते। अतः इन लोगों पर इस मुद्दे पर जोर-जबरदस्ती व दबाव डालना गैर-कानूनी व गैर वाजिब है।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 जनवरी। वैनेज़ुएला पर डॉनल्ड ट्रंप की कार्यवाही और टिप्पणी की वजह से उन देशों ने एक एंटी अमेरिकन मोर्चा बना लिया है, जो अब तक बिखरे हुए थे। इनमें से सबसे महत्वपूर्ण एक बहुत ही चतुर और परोक्ष बयान वह है, जो प्रमुख यूरोपीय देशों ने ट्रंप के ग्रीनलैंड को ताकत से कब्जा करने की धमकी के खिलाफ दिया है।

ग्रीनलैंड पर ताकत से कब्ज़ा करना अब एक वास्तविक खतरा बन गया है, विशेष रूप से वैनेज़ुएला में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई और वहां के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो का अपहरण करने के बाद। इस कार्रवाई की दुनिया भर में, मित्र देशों और शत्रु देशों, दोनों द्वारा कड़ी निंदा की जा रही है।

अंतर्राष्ट्रीय कूटनीतिक तनाव को और बढ़ाते हुए, डॉनल्ड ट्रंप और उनके सहयोगी जानबूझकर ग्रीनलैंड पर अपना दावा दोहराकर अमेरिका के दखल देने की प्रवृति के खतरे को बढ़ा रहे हैं। इससे अमेरिका के नाटो सहयोगी गुस्से में हैं और सभी हैरान हैं।

यूरोपीय देशों ने स्पष्ट रूप से अपनी अस्वीकृति और निराशा व्यक्त की है, अमेरिका द्वारा देशों के बीच मुद्दों को सुलझाने के लिए कूटनीतिक व्यवहार के सभी मानदंडों की खुलकर निंदा भी की जा रही है। ग्रीनलैंड यूरोपीय महाद्वीप और अमेरिकी महाद्वीप के बीच स्थित है।

यूरोप ने विशेष रूप से कहा है कि ग्रीनलैंड वहाँ की जनता का है और किसी और देश का नहीं है और उसकी संप्रभुता और स्वतंत्रता का सम्मान किया जाना चाहिए। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया है कि अगर अमेरिका दुनिया के सबसे बड़े द्वीप पर हमला करने का प्रयास करता है तो क्या वे युद्ध में शामिल होंगे।

डॉनल्ड ट्रंप और उनके सहयोगियों ने बार-बार अमेरिकी राष्ट्रपति की इस बात को दोहराया है कि यह द्वीप स्वाभाविक रूप से अमेरिका का होना चाहिए। डॉनल्ड ट्रंप के एक प्रमुख सहयोगी की पत्नी ने ग्रीनलैंड का एक नक़्शा प्रकाशित किया था, जिसमें पूरे ग्रीनलैंड क्षेत्र पर अमेरिकी ध्वज लहराते हुए दिखाया गया था।

कुछ यूरोपीय देशों का कहना है कि डॉनल्ड ट्रंप का ग्रीनलैंड के बारे में बयान ''बेहद मूर्खतापूर्ण'' था।

डॉनल्ड ट्रंप ने बार-बार कहा है कि अमेरिका को अपनी सुरक्षा के लिए ग्रीनलैंड की आवश्यकता है। उन्होंने इस बात की ज़रा भी परवा नहीं की, वहां के लोगों ने स्पष्ट रूप से इस योजना का विरोध किया है। उनका कहना है कि ग्रीनलैंड को आत्मनिर्णय का अधिकार है, जैसे किसी अन्य देश को होता है।

वैनेज़ुएला पर अमेरिकी आक्रमण और राष्ट्रपति के अपहरण ने दुनिया भर में एंटी-अमेरिका मोर्चे को फिर से सक्रिय कर दिया है। इस कदम ने दुनिया के विभिन्न देशों को अमेरिका के खिलाफ कर दिया है और विभिन्न नेताओं ने इसके पड़ोसी देशों में अमेरिकी कार्रवाई की निंदा की है।

तुर्की के राष्ट्रपति, रेसेप तईप एर्दोगान, ने अमेरिकी कार्रवाई की निंदा

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## झारखंड में जंगली हाथी ने 7 को मारा

चाईबासा (पश्चिमी सिंहभूम), 07 जनवरी। नोवामुंडी प्रखंड के जेटेया थाना क्षेत्र अंतर्गत बाबरिया गांव में 6 जनवरी की रात जंगली हाथी के हमले से एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में पति-पत्नी और उनके दो मासूम बच्चे शामिल हैं। इसके अलावा दूसरे परिवार के एक सदस्य की भी हाथी

- एक परिवार घर पर सो रहा था, जब हाथी ने अचानक हमला किया।

के हमले में जान चली गई। घटना रात करीब 10 बजे की बताई जा रही है।

बताया गया कि सभी लोग अपने घर में सो रहे थे, तभी हाथी ने अचानक घर पर हमला कर दिया। इस दौरान परिवार का एक बच्चा किसी तरह जान बचाने में सफल रहा। बाबरिया गांव में मृतकों की पहचान सनातन मेराल, उनकी पत्नी जोंकों कुई, उनके दो मासूम बच्चों और मोगदा लागुरी (दूसरे परिवार से) के रूप में हुई है।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# ट्रंप के ''वैनेज़ुएला एक्ट'' पर भारतीय प्रतिक्रिया के गहरे मायने हैं

## भारत सरकार के कूटनीतिक बयान पर भारत में ही मिलीजुली प्रतिक्रिया मिल रही है

- कांग्रेस, वामपंथी दलों एवं राजद ने भारत सरकार की हल्की प्रतिक्रिया की कड़ी आलोचना की। कांग्रेस ने कहा, अमेरिका द्वारा अंतर्राष्ट्रीय नियमों के उल्लंघन पर भारत को कड़ा विरोध जताना चाहिए। राजद के मनोज झा ने कहा कि इस सतर्क भाषा के लिए इतिहास भारत को माफ नहीं करेगा। वामपंथी दलों ने भी भारतीय रूख की तीखी आलोचना की।
- लेकिन कांग्रेस के शशि थरुर ने अवश्य सरकार के रूख का बचाव किया और कहा कि भारत ना तो छोटा देश है ना ही कोई राजतंत्र और टूटते अंतर्राष्ट्रीय नियमों के इस दौर में भारत की प्रतिक्रिया लोक लुभावन भाषणों से नहीं बल्कि कूटनीति से प्रभावित होनी चाहिए।
- कुछ ऐसी ही प्रतिक्रिया कूटनीतिक विशेषज्ञ सुहासिनी हैदर ने दी,और कहा, जहाँ कहीं भी अमेरिका की भागीदारी होती है, उस पर हमारी प्रतिक्रिया बेहद सतर्क होती है। यह जरूरी भी है, क्योंकि इस समय भारत-अमेरिका ट्रेड डील संवेदनशील दौर से गुज़र रही है।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 जनवरी। अमेरिका द्वारा वेनेज़ुएला पर किए गए सैन्य हमले पर भारत की बेहद हल्की प्रतिक्रिया रही, जिसमें वॉशिंगटन की साफ निंदा करने के बजाय केवल शांति की अपील की गई है। इसे लेकर राजनीतिक विरोधियों, वाम दलों और विदेश नीति विशेषज्ञों ने कड़ी आलोचना की है। उनका कहना है कि भारत ने संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय कानून के अपने पुराने सिद्धांतों के बजाय, अमेरिका के साथ अपने रणनीतिक और आर्थिक रिश्तों को प्राथमिकता दी है। इसमें ऊर्जा आपूर्ति भी दांव पर है। भारत पूर्व में वेनेज़ुएला से कच्चे तेल का बड़ा खरीदार रहा है और 2024 की शुरुआत में, जब कुछ समय के लिए प्रतिबंधों में ढील दी गई थी, तब भारत रोज़ करीब 1.30 लाख बैरल तेल आयात करता था। वर्ष 2025 में यह घटकर बहुत कम रह गया और अमेरिकी प्रतिबंधों व अनुपालन के जोखिम के कारण लगभग बंद सा हो गया। हालांकि सरकार का कहना है कि 2025 में भारत के कुल कच्चे तेल आयात में वेनेज़ुएला की हिस्सेदारी केवल करीब 0.6 प्रतिशत थी। आलोचकों ने चेतावनी दी कि अमेरिका को खुलकर चुनौती न देने से भविष्य में वेनेज़ुएला से सस्ता क्रूड हासिल करना मुश्किल हो सकता है और बड़े पैमाने पर खरीद दोबारा शुरू करने पर वॉशिंगटन की ओर से दंडात्मक कार्रवाई का खतरा रहेगा।

कई देशों ने इस अमेरिकी कार्रवाई को एक संप्रभु देश पर एकतरफा सैन्य हमला बताते हुए खुली निंदा की, लेकिन भारत ने केवल बातचीत करने और स्थिरता बनाए रखने की सामान्य अपील तक खुद को सीमित रखा। वॉशिंगटन का नाम लेने या उसकी आलोचना करने से वह बचता रहा। इस तरह की चुप्पी से देश के भीतर राजनीतिक और बौद्धिक स्तर पर तीखी प्रतिक्रिया हुई है। आलोचकों का कहना है कि इससे वैश्विक दक्षिण की मुखर आवाज़ के रूप में भारत की साख कमज़ोर पड़ सकती है।

काराकस में अमेरिकी कार्रवाई के करीब 24 घंटे बाद विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर वेनेज़ुएला के लोगों की सुरक्षा और कल्याण के प्रति समर्थन जताया और सभी पक्षों से शांतिपूर्ण समाधान की अपील की। इस बयान में न तो अमेरिका का नाम था, न बमबारी और राष्ट्रपति मादुरो व उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस की गिरफ्तारी का ही कोई उल्लेख था। इससे एक दिन पहले भारत ने अपने नागरिकों को वेनेज़ुएला की गैर-जरूरी यात्रा से बचने की सलाह दी थी, जिसे व्यावहारिक कदम माना गया, लेकिन यह भी संकेत दिया गया कि भारत को पहले से हालात की जानकारी थी, फिर भी राजनीतिक रूप से स्पष्ट रुख नहीं अपनाया गया।

इस प्रतिक्रिया पर विपक्षी नेताओं ने तुरंत निशाना साधा। कांग्रेस

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## संसद का सत्र 28 से संभव

नई दिल्ली, 07 जनवरी। केंद्र सरकार एक फरवरी को आम बजट पेश कर सकती है। संसदीय मामलों की कैबिनेट समिति की बुधवार को हुई बैठक में संसद के आगामी बजट सत्र की तारीखों का प्रस्ताव रखा गया।

राजनीतिक मामलों पर कैबिनेट समिति ने संसद के बजट

- एक फरवरी को केन्द्रीय बजट पेश होगा।

सत्र की शुरुआत 28 जनवरी से करने और 1 फरवरी को केंद्रीय बजट पेश करने का प्रस्ताव रखा है।

सूत्रों के अनुसार, इन तारीखों पर अभी अंतिम फैसला लिया जाना बाकी है और जल्द ही इसकी औपचारिक घोषणा हो सकती है।

बजट सत्र दो हिस्सों में आयोजित किया जाता है। पहले और दूसरे हिस्से के बीच अवकाश रखा जाता है, ताकि संसदीय स्थायी समितियां विभिन्न मंत्रालयों की अनुदान मांगों की जांच कर सकें।

## विचार बिन्दु

**मुस्कान थके हुए के लिए विश्राम है, उदास के लिए दिन का प्रकाश है तथा कष्ट के लिए प्रकृति का सर्वोत्तम उपहार है। –अज्ञात**

# राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का आगाज़ : प्रदेश में हर 100 दुर्घटनाओं में 48 लोगों की मृत्यु होती है

राज्य सरकार ने प्रदेश में एक जनवरी से 31 जनवरी तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का आगाज़ किया है। सरकार के मुताबिक सीख से सुरक्षा, तकनीक से परिवर्तन थीम के साथ शुरू हुआ यह अभियान जीवन रक्षा का पावन संकल्प है। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने प्रदेशवासियों विशेषकर युवाओं से अपील की है, वे खतरनाक और लापरवाह ड्राइविंग से दूर रहे, हेलमेट एवं सीट बेल्ट अवश्य लगाएं। सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करें साथ ही दुर्घटना में घायल व्यक्ति की नि:संकोच सहायता करें।

भारत में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में हर साल लाखों की संख्या में लोग अपनी जान गवां देते हैं। सड़क दुर्घटनाओं के ग्राफ में तेजी से वृद्धि हो रही है। दुर्घटनाओं में मौतें और घायल होने के समाचार प्रतिदिन पढ़ने और देखने को मिल रहे हैं। सरकार के तमाम प्रयासों के बावजूद देश में सड़क हादसों में कमी नहीं आई है, बल्कि साल दर साल इसमें इजाफा हो रहा है। देशभर में हर साल लगभग डेढ़ लाख लोग सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जान गंवाते हैं, जबकि राजस्थान में यह आंकड़ा 10,000 से अधिक है। प्रदेश में हर 100 दुर्घटनाओं में 48 लोगों की मृत्यु होती है, जो राष्ट्रीय औसत 36 से काफी अधिक है। राजस्थान में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए परिवहन विभाग ने अपना नाम परिवहन विभाग और सड़क सुरक्षा जरूर रख लिया है मगर प्रदेश में आये दिन सड़क दुर्घटनाओं का ग्राफ लगातार बढ़ता ही जा रहा है। राजस्थान में प्रतिवर्ष तीस हजार से अधिक सड़क दुर्घटनाएं हो रही है जिनमें युवा सर्वाधिक शिकार हो रहे है। राज्य में इससे पूर्व 11 से 25 दिसंबर तक सड़क सुरक्षा जन जागृति अभियान अभियान चलाया गया था। वह अभियान कितना सफल हुआ यह हर कोई जानता है। पिछली मानसूनी वर्षा में प्रदेशभर की सड़कें जगह-जगह से टूट-फूट गई थी। उस दौरान सरकार ने ऐलान किया था कि दीपावली से पूर्व सड़कों को दुरस्त कर दिया जायेगा। सड़कें दुरस्त जरूर हुई मगर केवल वे सड़कें सुधारी गई जहाँ राज्यपाल, मुख्यमंत्री या वीवीआईपी का भ्रमण ज्यादा होता है। राजधानी के अंदरूनी स्थानों और गली, कॉलोनियां आज भी टूटी-फूटी पड़ी है। जान लेवा गड्ढे, वाहनों और पैदल चलने वालों की मुसीबत बने हुए है। इन स्थानों पर आये दिन सड़क हादसे हो रहे है। इन हादसों को रोकने की कोई कारगर व्यवस्था नहीं है।

राजस्थान की राजधानी जयपुर में इन दिनों सड़क हादसों के बादल मंडरा रहे है। प्रदेश की राजधानी हादसों का मुख्य केंद्र बनी हुई है। सड़क हादसों में जयपुर पूरे भारत में अग्रणी है। बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक प्रतिदिन इसकी चपेट में आ रहे है। यातायात मार्गों पर अराजकता की स्थिति उत्पन्न हो रही है। दो पहिया हो या चार पहिया किसी को भी जिंदगी की परवाह नहीं है। एक दूसरे से आगे निकलने की होड़ लगी है। यातायात नियमों की सरेआम धज्जियाँ उड़ रही है। नियमों की पालना नहीं होने से दुर्घटनाओं के अम्बार लग रहे है। सड़क दुर्घटनाओं से अखबार भरे रहते हैं। राजधानी के यातायात मार्ग तो जाने-अनजाने मौत के मार्ग बन गये हैं। सबसे बुरी स्थिति टोंक रोड पर बी-2 बाईपास, शिवदासपुरा, पावटा, जे.एल.एन. मार्ग पर ओ.टी.एस. चौराहा, जगतपुरा पुलिया, झालाना मार्ग, अजमेर रोड, न्यू सांगानेर रोड, सिरसी रोड, भांकरोटा, राजापार्क में गोविन्द मार्ग, अजमेरी गेट, विश्वविद्यालय मार्ग, घाट की गुणी की आदि की है।

**पिछली मानसूनी वर्षा में प्रदेशभर की सड़कें जगह जगह से टूट फूट गई थी। उस दौरान सरकार ने ऐलान किया था कि दीपावली से पूर्व सड़कों को दुरस्त कर दिया जायेगा। सड़कें दुरस्त जरूर हुई मगर केवल वे सड़कें सुधारी गई जहाँ राज्यपाल, मुख्यमंत्री या वीवीआईपी का भ्रमण ज्यादा होता है। राजधानी के अंदरूनी स्थानों और गली, कॉलोनियां आज भी टूटी-फूटी पड़ी है। जान लेवा गड्ढे, वाहनों और पैदल चलने वालों की मुसीबत बने हुए है।**

प्रदेश में सड़कों की बदहाल स्थिति में अतिक्रमण, अवैध कब्जों और यातायात की बिगड़ी व्यवस्था ने कोढ़ में खाज का काम किया है। विशेषकर प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में सड़कें अतिक्रमण के कारण सिकुड़ कर रह गई हैं। राजधानी जयपुर सहित इस समय प्रदेश के सभी मेट्रो सिटी यातायात की सुचारू व्यवस्था नहीं होने से आम आदमी परेशानी को झेल रहा है। राजधानी में परकोटे की स्थिति सबसे खराब है। परकोटे के मुख्य बाजारों किशनपोल, त्रिपोलिया, जौहरी बाजार, रामगंज बाजार, छोटी-बड़ी चौपड़ की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। वाहनों के बढ़ जाने के कारण और सड़कों पर अतिक्रमण के फलस्वरूप यहाँ ट्रैफिक की व्यवस्था बुरी तरह बिगड़ गई है। अतिक्रमण और अवैध कब्जों ने इन बाजारों की शांति का जैसे किसी ने हरण कर लिया है। ऑपरेशन पिंक के दौरान अवैध कब्जे और अतिक्रमण को हटाकर आम नागरिक को राहत दी गई थी मगर अब फिर से अतिक्रमण की पुरानी स्थिति बहाल होने से आम आदमी आहत है। एक बार फिर राजधानी अतिक्रमणकारियों के कब्जे में है। लोग चार पहिया वाहन लेकर जाने में डरने लगे हैं।

सड़क दुर्घटनाओं के ग्राफ में तेजी से वृद्धि हो रही है। सड़क दुर्घटनाओं से अखबार भरे रहते हैं। दुर्घटनाओं में मौतें और घायल होने के समाचार प्रतिदिन पढ़ने और देखने को मिल रहे हैं। भारत में सबसे अधिक लोग सड़क दुर्घटनाओं में मर रहे हैं। भारत में हर साल लगभग 1.5 लाख लोग सड़क दुर्घटनाओं में मारे जाते हैं, जबकि लाखों की संख्या में लोग घायल हो जाते हैं और हजारों जीवन भर के लिए विकलांग भी हो जाते हैं। इन दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों में 33 प्रतिशत 15 से 24 साल के आयु वर्ग के युवा हैं। सड़क हादसों के मामलों में राजस्थान का देश में आठवां तथा इन हादसों में मरने वालों की संख्या के लिहाज से पांचवें स्थान पर है। देश में सड़क हादसों में रोजाना 415 लोगों की जान जाती है। हर साल 4.50 करोड़ सड़क हादसे होते हैं। इनमें डेढ़ लाख लोगों की मौत हो जाती है और साढ़े चार लाख लोग घायल होते हैं। जानकारों का कहना है सड़क हादसों में होने वाली मौतों की तादाद सरकारी आंकड़ों के मुकाबले कहीं ज्यादा है। दूर-दराज के इलाकों में होने वाले हादसों की अक्सर खबर ही नहीं मिलती। देश में लॉकडाउन के दौरान सड़क हादसों में रिकॉर्ड कमी दर्ज की गई थी, पर अनलॉक के बाद से दोबारा सड़क हादसों में तेजी आ गई है।

सड़क सुरक्षा एक महत्वपूर्ण विषय है, आम जनता में खासतौर से नये आयु वर्ग के लोगों में अधिक जागरुकता लाने के लिये इसे शिक्षा, सामाजिक जागरुकता आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों से जोड़ा गया है। सड़क दुर्घटना, चोट और मृत्यु आज के दिनों में बहुत आम हो चला है। सड़क पर ऐसी दुर्घटनाओं की मुख्य वजह लोगों द्वारा सड़क यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा उपायों की अनदेखी है। गलत दिशा में गाड़ी चलाना, सड़क सुरक्षा नियमों और उपायों में कमी, तेज गति, नशे में गाड़ी चलाने आदि। सड़क हादसों की संख्या को घटाने के लिये उनकी सुरक्षा के लिये सभी सड़क का इस्तेमाल करने वालों के लिये सरकार ने विभिन्न प्रकार के सड़क यातायात और सड़क सुरक्षा नियम बनाये हैं। हमें उन सभी नियमों और नियंत्रकों का पालन करना चाहिये जैसे रक्षात्मक चालन की क्रिया, सुरक्षा उपायों का इस्तेमाल, गति सीमा को ठीक बनायें रखना, सड़क पर बने निशानों को समझना आदि। जान लेवा सड़क हादसों को रोकने के लिए जरूरी है कि सड़कों की स्थिति अच्छी हो, जन कल्याणकारी सरकार का यह दायित्व है कि वह उच्च गुणवत्ता युक्त सड़कों का निर्माण करें और क्षत-विक्षत सड़कों को दुरस्त करें ताकि वाहन किसी दुर्घटना का शिकार नहीं होवे। नगर निकायों और एजेन्सियों की जिम्मेदारी तय होनी चाहिये। घटिया निर्माण पर तुरन्त कार्यवाही हो तथा यातायात और ट्रैफिक की वर्तमान स्थिति में जनभावनाओं के अनुरूप सुधार हो। आम आदमी को राहत प्रदान करने के लिए निर्माण कार्यों में पारदर्शिता का होना अत्यावश्यक है।

**–अतिथि संपादक,**
**बालमुकुन्द ओझा,**
**वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार**

# पेटेंट महानियंत्रक की वार्षिक रिपोर्ट जारी

## बौद्धिक सम्पदा (आई.पी.) आवेदनों में अप्रत्याशित वृद्धि आई.पी प्रणाली अधिक सशक्त और सुव्यवस्थित संरचना की ओर बढ़ रही है

विकास आसावत

हाल ही में पेटेंट, डिजाइन, ट्रेडमार्क और भौगोलिक संकेतक महानियंत्रक (सीजीपीडीटीएम) ने वित्त वर्ष 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट जारी की है जो भारत में बौद्धिक सम्पदा/इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी (आई.पी.) प्रणाली की वर्तमान स्थिति का एक संक्षिप्त अवलोकन प्रस्तुत करता है। रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष में भारत में आई.पी. क्षेत्र में निरंतर गति, अभूतपूर्व वृद्धि और अटूट प्रदर्शन देखने को मिला है।

समीक्षाधीन वित्त वर्ष के दौरान, भारत के आई.पी.ऑफिस ने ऐतिहासिक वृद्धि हासिल की और बौद्धिक संपदा की सभी श्रेणियों में अभूतपूर्व संख्या में आवेदन दर्ज किए। देश में पेटेंट आवेदनों ने पहली बार एक लाख का आंकड़ा पार किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 20 प्रतिशत की महत्वपूर्ण वृद्धि दर्शाता है। यह घरेलू नवप्रवर्तकों की बढ़ती अनुसंधान क्षमता, जागरूकता और अंतर्निहित आत्मविश्वास की पुष्टि करता है। एक महत्वपूर्ण पहलु यह है कि भारतीय मूल के आवेदनों का पेटेंट आवेदनों में 60 प्रतिशत से अधिक हिस्सा रहा, जो नवाचार के प्रति जागरूकता, जुड़ाव, आत्मनिर्भरता की ओर स्पष्ट बदलाव और राष्ट्रीय अनुसंधान एवं विकास आधार के सुदृढ़ीकरण को दर्शाता है। रिपोर्ट के अनुसार पेटेंट फाइलिंग के मामले में तमिलनाडु, कर्नाटक, महाराष्ट्र टॉप थ्री राज्य रहे वही ट्रेडमार्क के लिए यह क्रम महाराष्ट्र, दिल्ली, गुजरात का रहा।

मार्च 2024 में उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी), वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा पेटेंट (संशोधन) नियम, 2024 की अधिसूचना जारी कर इनको तत्काल प्रभाव से लागु किया। इन संशोधन द्वारा - इन्वेंटर के योगदान को मान्यता देने के लिए "सर्टिफिकेट ऑफ़ इन्वेंटोरशिप" प्रदान करना, शोध-पत्र प्रकाशन के 12 माह के भीतर पेटेंट फाइलिंग के समय एक विशिष्ट फॉर्म का समायोजन, पेटेंट जाँच के अनुरोध की समयावधि को आवेदन के 31 माह के भीतर करना, नियंत्रक की विलंब को क्षमा करने या समय बड़ाने की शक्ति में वृद्धि, आदि महत्वपूर्ण बदलाव किये गए। समयानुसार हुए संशोधनों में स्टार्टअप, लघु उद्यमों (एमएसएमई) और शैक्षणिक संस्थानों को कार्यवाही के प्रत्येक चरण में 80 प्रतिशत सरकारी शुल्क छूट शामिल की गयी है।

**वित्त वर्ष 2024-25 बौद्धिक संपदा आवेदन के आंकड़े**

पेटेंट- नवीन, उत्पाद प्रक्रिया, तकनीकी उन्नत, नॉन-ऑब्वियस, आविष्कारशील, कुल 1,10,375 आवेदन प्राप्त हुए जो पिछले वर्ष के मुकाबले 20 प्रतिशत अधिक है (कैलेंडर वर्ष 2025 में लगभग 1.35 लाख पेटेंट फाइलिंग)।

**ट्रेडमार्क** - उत्पाद, सेवा की व्यापारिक पहचान, लगभग 5.5 लाख आवेदन प्राप्त हुए जो पिछले वर्ष के मुकाबले 16 प्रतिशत अधिक है।

कॉपीराइट- मौलिक रचना, 20 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 44,000 आवेदन प्राप्त से अधिक।

**डिज़ाइन-** आकृति विन्यास या आकार संरचना, सतह पैटर्न उत्पाद की सौंदर्य संबंधी विशेषताएं, फाइलिंग का आकड़ा 43,000 के पार पहुँचा, जो पिछले वर्ष के मुकाबले 42 प्रतिशत अधिक रहा।

**प्रमुख उपलब्धियां:**

भारत विश्व बौद्धिक संपदा संगठन द्वारा जारी ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स (जीआईआई) में 133 वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में 38 वे स्थान पर पहुंचा है जो देश के इनोवेशन इंडेक्स की उत्कृष्ट प्रगति का सूचक है। पेटेंट अटॉर्नी द्वारा दस्तावेजों को इलेक्ट्रॉनिक रूप से जमा करना अनिवार्य कर दिया गया है। आवेदकों पर प्रशासनिक बोझ और अनुपालन लागत को कम करने के लिए पेटेंट के कार्य विवरण दाखिल करने की आवृत्ति को साल में एक बार से घटाकर हर तीन साल में एक बार कर दिया गया है।

**प्रमुख पेटेंट आवेदन क्षेत्र:**

कंप्यूटर विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स और मैकेनिकल इंजीनियरिंग ने आविष्कार के क्षेत्र में अठाणी भूमिका निभाई। रैंकिंग में मुख्य रूप से वे वैश्विक कंपनियां शामिल हैं जो दूरसंचार और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में अपना दबदबा बनाए हुए हैं और भारत में अपने पेटेंट पोर्टफोलियो का विस्तार कर रही हैं।

**बौद्धिक सम्पदा का वर्तमान परिदृश्य:**

95 प्रतिशत से अधिक पेटेंट आवेदन ऑनलाइन दाखिल किए जा रहे है। वही डिजाइन आवेदनों की प्रक्रिया को भी अधिक सुव्यवस्थित किया गया है, ज्यादातर डॉक्यूमेंट की ऑनलाइन फाइलिंग पर्याप्त है। सॉफ्टवेयर के कॉपीराइट पंजीकरण के लिए अनुपालन संबंधी आवश्यकताओं को सरल कर दिया गया है और सोर्स कोड को पीडीएफ फॉर्मेट में अपलोड करना पर्याप्त होगा।

गत वर्ष कंप्यूटर रिलेटेड इन्वेंशंस (सीआरआई) एग्जामिनेशन के लिए संशोधित दिशानिर्देश, 2025 जारी किये है जो आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) व उसके सबसेट, ब्लॉकचेन और क्वांटम कंप्यूटिंग के लिए के लिए पृथक विस्तृत पेटेंटेबिलिटी व नॉन-पेटेंटेबिलिटी मानदंड को रेखांकित करता है। साथ ही आयुष संबंधी आविष्कारों के परीक्षण के दिशानिर्देश भी जारी किए है। ट्रेडमार्क के क्षेत्र में एआई और एमएल-आधारित ट्रेडमार्क सर्च तकनीक को लांच किया जिससे ट्रेडमार्क सर्च में अधिक निश्चितता आ रही है।

वित्त वर्ष 2024-25 और पिछले कैलेंडर वर्ष में प्रदर्शित बौद्धिक संपदा फाइलिंग में यह बड़ोतरी नवाचार के एक नए युग की सीड़ी है और घरेलू स्तर पर पेटेंट व अन्य आई.पी. के आवेदनों में वृद्धि बौद्धिक संपदा को महत्व देने की दिशा में एक सांस्कृतिक बदलाव को दर्शाती है। डिजिटलीकरण, ई-फाइलिंग में वृद्धि, मजबूत शिकायत निवारण तंत्र, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा सुनवाई और पारदर्शिता पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, भारत एक सशक्त बौद्धिक सम्पदा पारिस्थितिकी तंत्र की और अग्रसर है। यह सकारात्मक आईपी इकोसिस्टम जो नवाचार और रचनात्मक कार्यों की रक्षा करता है, भारत को उसके विकसित भारत 2047 विजन की ओर बड़ने में मदद करेगा जो भारत को विश्व आईपी परिदृश्य में अग्रणी पंक्ति में शामिल होने की आहट है।

**–विकास आसावत,**
**पेटेंट अटॉर्नी एवं एडवोकेट**

# जब विवेक जागा, तब बचपन सुरक्षित हुआ स्पर्श अभियान : मौन के विरुद्ध खड़ा हुआ समाज

हेमंत चंडीदान उज्जवल

**जब जब नाश मनुज पर छाता है,**
**पहले विवेक मर जाता है।**
**- रामधारी सिंह 'दिनकर'**

समाज में जब विवेक सो जाता है, तब सबसे पहले आघात बचपन पर होता है। डर, संकोच और चुप्पी की परतों में लिपटी बाल पीड़ा वर्षों तक अनसुनी रह जाती है। बाल यौन शोषण जैसे गंभीर विषय पर यही मौन बच्चों के लिए सबसे बड़ा खतरा बन जाता है। इसी मौन को तोड़ने, विवेक को जगाने और बच्चों को सुरक्षा का साहस देने के लिए जन्म हुआ - स्पर्श अभियान का।

बाल शोषण से जुड़ी लगातार सामने आती घटनाओं और समाज की चुप्पी से व्यथित होकर नवीन जैन, आईएएस (2001 बैच, राजस्थान) ने अगस्त 2019 में इस अभियान की शुरुआत की। उनका विश्वास स्पष्ट था- यदि बच्चों को सही समय पर, सरल भाषा में और संवेदनशील तरीके से समझाया जाए, तो वे स्वयं अपनी सुरक्षा की पहली दीवार बन सकते हैं।

**स्कूलों से शुरू हुआ सुरक्षा का संवाद**

जयपुर के कुछ स्कूलों से प्रारंभ होकर यह अभियान कक्षा 1 से 8 (आयु 4 से 12 वर्ष) के बच्चों तक पहुँचा। अच्छे स्पर्श और बुरे स्पर्श के अंतर को समझाना, डर को तोड़ना और बच्चों को बोलने का आत्मविश्वास देना-यही इसका मूल उद्देश्य रहा।

इस सामाजिक परिवर्तन की धुरी बने वे स्वयंसेवक, जिन्होंने अपने शनिवार समाज के नाम कर दिए। बिना किसी आर्थिक लाभ के, केवल मानवीय जिम्मेदारी के भाव से, वे स्कूल-दर-स्कूल पहुँचे, संवाद किए और बच्चों को यह विश्वास दिलाया कि उनकी आवाज़ मायने रखती है।

पिछले छह वर्षों में स्पर्श ने 8,800 से अधिक जागरूकता सत्रों के माध्यम से 19 लाख से अधिक छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को जागरूक किया। एक वर्ष में एक लाख बच्चों तक पहुँचने का लक्ष्य देखते-देखते यह अभियान राजस्थान से आगे कई अन्य राज्यों तक फैल गया।

**रचनात्मकता बनी सेतु**

स्पर्श ने बच्चों से संवाद के लिए पारंपरिक भाषणों की जगह अपनाए-

रोल प्ले, कहानी-कथन, खेल गतिविधियाँ और खुला संवाद।

इसी कारण बच्चे केवल श्रोता नहीं रहे, बल्कि अपनी बात कहने लगे।

एक महत्वपूर्ण सामाजिक बाधा तब टूटी, जब अभियान में लड़कों को भी शामिल किया गया। लंबे समय तक यह मान्यता रही कि शोषण का खतरा केवल लड़कियों तक सीमित है, लेकिन स्पर्श ने 4 से 12 वर्ष के लड़कों को भी जागरूकता सत्रों में शामिल किया। संदेश नामक एनिमेटेड फ़िल्म के माध्यम से यह स्पष्ट किया गया कि पीड़ा का कोई लिंग नहीं होता।

**चेतावनी देते आंकड़े**

भारत में बच्चों के विरुद्ध अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं।

कई घटनाएँ कभी दर्ज ही नहीं हो पातीं, क्योंकि अपराधी अक्सर परिचित या रिश्तेदार होते हैं। कोविड-19 महामारी और लॉकडाउन के दौरान यह खतरा और बढ़ा। ऐसे समय में स्पर्श ने स्वयं को बदला-ऑनलाइन सत्र शुरू किए, किशोरों और अभिभावकों को संवाद में शामिल किया और भौगोलिक सीमाओं को पार कर अन्य राज्यों तक पहुँचा।

**सरकारी सहयोग और ऐतिहासिक कीर्तिमान**

मई 2023 में नवीन जैन के राजस्थान स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव बनने के बाद अभियान को नया विस्तार मिला। सरकार के सहयोग से सुरक्षित स्कूल, सुरक्षित राजस्थान (एसएसएसआर) पहल शुरू हुई, जो 65,000 से अधिक सरकारी स्कूलों तक पहुँची। 26 अगस्त 2023 को एक ही दिन में 63 लाख से अधिक छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को बाल सुरक्षा पर शिक्षित किया गया। इस ऐतिहासिक प्रयास को लंदन स्थित वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने प्रमाणित किया।

**एक सादगीपूर्ण, पर सशक्त आंदोलन**

**स्पर्श की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सादगी है-**

न कोई भारी प्रशासनिक ढांचा,
न कोई पदानुक्रम,
न कोई आर्थिक बोझ।

यह अभियान पूरी तरह स्वयंसेवकों की निष्ठा और शनिवार समाज के लिए की भावना पर आधारित है। आज यह पहल राजस्थान से आगे बढ़कर जम्मू-कश्मीर, गुजरात, हरियाणा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, दिल्ली, उत्तराखंड सहित अनेक राज्यों में सक्रिय है।

**समापन : मौन से स्वर तक**

स्पर्श केवल एक अभियान नहीं, बल्कि बच्चों के भीतर दबी हुई पीड़ा को स्वर देने का प्रयास है-

नवीन जैन ( आई.ए.एस. )

ताकि डर टूटे,
ताकि चुप्पी बिखरे,
और बचपन सुरक्षित रह सके।

महान कवयित्री महादेवी वर्मा की पंक्तियाँ इस संवेदना को पूर्ण करती हैं-

**मैं नीर भरी दुःख की बदली,**
**विस्तृत नभ का कोई कोना।**
**स्पर्श उसी बदली को शब्द देता है,**
**ताकि दुःख बरसकर हल्का हो सके**
**और बचपन फिर मुस्कुरा सके।**

**-हेमंत चंडीदान उज्जवल,**
**वरिष्ठ लेखक**

# बीकानेर के 27 और चूरू के 30 सरकारी भवनों पर सोलर प्लेटें लगना शुरू

## राज्य सरकार ने सरकारी भवनों पर सोलर प्लेट लगाने के लिए "हाइब्रिड एन्युटी मॉडल योजना" शुरू की

**बीकानेर,** (निसं)। संभाग के चारों जिलों में जल्दी ही सरकारी भवनों के बिजली के बिलों में कटौती शुरू हो जाएगी। इन भवनों पर सोलर प्लेटें लगाकर बिजली बनाई जाएगी। पहले चरण में बीकानेर के 27 और चूरू के 30 सरकारी भवनों पर सोलर प्लेटें लगेंगी, उसके बाद श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ में काम शुरू होगा।

राज्य सरकार ने सरकारी भवनों पर सोलर प्लेट लगाने के लिए हाइब्रिड एन्युटी मॉडल योजना शुरू की है, जिसे राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लिमिटेड (आरआरईसीएल) संचालित कर रहा है। बीकानेर के 27 और चूरू के 30 सरकारी भवनों में बिजली की खपत के अनुसार डिमांड ली गई है और उसी के मुताबिक सोलर प्लेटें लगाने का काम शुरू कर दिया गया है। बीकानेर में सबसे ज्यादा आरएसी 10वीं बटालियन में 125 किलोवाट बिजली उत्पादन की सोलर प्लेटें लगेंगी। व्यास कॉलोनी पुलिस थाने पर 15 किलोवाट की सोलर प्लेटें लगा दी गई हैं और उनसे बिजली बनना भी शुरू हो गया है। महिला थाना, सदर थाना परिसर सहित चार भवनों पर भी सोलर प्लेटें लग चुकी, लेकिन उन्हें बिजली मिलने का काम शुरू नहीं हो पाया है। इसका कारण बिजली कंपनी में पूर्व का बकाया बिल बताया जा रहा है। बीकानेर-चूरू में सोलर प्लेटें लगाने के बाद श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ में काम शुरू होगा।

**■ योजना को राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लिमिटेड (आरआरईसीएल) संचालित कर रहा है**

हाइब्रिड एन्युटी मॉडल योजना एक सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल है, जिसे विशेष रूप से बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में निजी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। परियोजना की कुल लागत का 40 प्रतिशत सरकार 60 प्रतिशत निजी डेवलपर (ठेकेदार) द्वारा लगाया जाता है। निजी कंपनियां सोलर परियोजनाओं की डिज़ाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और 25 साल तक संचालन और रखरखाव के लिए जिम्मेदार हैं। सरकार की ओर से उन्हें 60 प्रतिशत लागत का भुगतान परियोजना चालू होने के बाद वार्षिक किस्तों में किया जाएगा। योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य के सरकारी भवनों की छतों का उपयोग सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए करना जिससे कि बिजली के बिलों में कमी आए और ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा मिले। सरकारी विभागों को बिना किसी खर्च के सौर ऊर्जा का लाभ मिलेगा और वे नेट-मीटरिंग के माध्यम से उत्पादित अतिरिक्त बिजली ग्रिड को भी दे सकते हैं।

## राशिफल

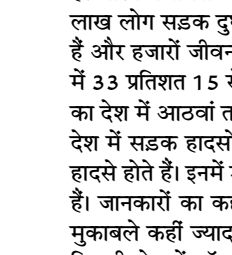

पंडित अनिल शर्मा

**गुरूवार 8 जनवरी, 2026**

माघ मास, कृष्ण पक्ष, षष्ठि तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2082, पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र दिन 12:24 तक, सौभाग्य योग सायं 5:26 तक, गर करण दिन 6:50 तक, चन्द्रमा आज सायं 6:39 से कन्या राशि में संचार करेगा।

**ग्रह स्थिति:** सूर्य-धनु, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-धनु, बुध-धनु, गुरू-मिथुन, शुक्र-धनु, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रवियोग दिन 12:24 से आरम्भ होगा।

**श्रेष्ठ चौघड़िया:** शुभ सूर्योदय से 8:39 तक, चर 11:13 से 12:30 तक, लाभ-अमृत 12:30 से 3:05 तक, शुभ 4:23 से सूर्यास्त तक।

**राहूकाल:** 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:45

**मेष**
परिजनों के व्यवहार के कारण दु:ख हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है।

**वृष**
परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**मिथुन**
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

**कर्क**
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिलेगी।

**सिंह**
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। आज व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**कन्या**
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। आज व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**तुला**
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

**वृश्चिक**
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी।

**धनु**
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

**मकर**
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

**कुंभ**
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

**मीन**
विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। आज व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

# अभिलेखों को स्कैन कर डिजिटल मोड में लाने की प्रक्रिया बताई

- स्वयंसेवकों को सभी गैलेरी तथा स्थानों का भ्रमण करवाया तथा उसके संबंध में सम्पूर्ण जानकारी दी

**बीकानेर, (कासं)।** राजस्थान राज्य अभिलेखागार में स्वयंसेवकों ने वहां स्थित शिवाजी गैलेरी, महाराणा प्रताप गैलेरी, समाचार पत्र गैलेरी, स्वतंत्रता सैनानी गैलेरी, कॉपर प्लेट गैलेरी, एल.पी. टेस्सीटोरी गैलेरी, पुस्तकालय तथा रिकॉर्ड रूम का अवलोकन किया।

भ्रमण के दौरान राजस्थान राज्य अभिलेखागार के वरिष्ठ सहायक डॉ. मनीष मोदी ने स्वयंसेवकों को सभी गैलेरी तथा स्थानों का भ्रमण करवाया तथा उसके संबंध में सम्पूर्ण जानकारी प्रदान की। स्वयंसेवकों को सम्बोधित करते हुए राजस्थान राज्य अभिलेखागार के सहायक निदेशक रामेश्वर बैरवा ने बताया कि किस प्रकार इन धरोहरों को आने वाली पीढियों के लिए संरक्षित रखने के लिए विभिन्न प्रकार के प्राचीन तथा आधुनिक प्रक्रियाओं की सहायता ली जाती है। साथ ही उन्होंने अभिलेखों को स्कैन कर उनको डिजिटल मोड में लाने की प्रक्रिया तथा उसमें काम आने वाले उपकरणों के बारे में स्वयंसेवकों को जानकारी दी।

बैरवा ने स्वयंसेवकों को बताया कि शिवाजी और औरंगजेब के मध्य सन् 1665 में जो पुरंदर की संधि हुई थी उसकी मूल कॉपी अभिलेखागार में सुरक्षित है जिसका स्वयंसेवकों ने अवलोकन किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के रासेयो के कार्यक्रम प्रभारी डॉ. रीतेश व्यास ने राजस्थान राज्य अभिलेखागार के पदाधिकारियों तथा कर्मचारियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। दिन के समापन पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बालमुकुन्द व्यास ने आगामी दिवस की रूपरेखा स्वयंसेवकों के समक्ष प्रस्तुत की।

इस दौरान स्वयंसेवकों का उत्साह देखते ही बन रहा था। साथ ही स्वयंसेवकों ने स्वच्छ परिसर हेतु शपथ ली कि सभी विद्यार्थी महाविद्यालय परिसर को स्वच्छ तथा स्वस्थ रखेंगे। आगामी सत्र में महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं युवा विषय पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में मोटिवेशनल स्पीकर एवं युवा पुरस्कार से सम्मानित डॉ. चन्द्रशेखर श्रीमाली थे। डॉ. श्रीमाली ने स्वयंसेवकों को रासेयो के महत्व एवं इससे स्वयंसेवकों को होने वाले फायदों के बारे में बताया। उन्होंने स्वयंसेवकों को बताया कि रासेयो स्वयंसेवकों के व्यक्तित्व विकास में बहुत सहायक है। रासेयो स्वयंसेवक होने के नाते वह राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकता है तथा उन्होंने स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाले युवा कार्यक्रमों के बारे में भी जानकारी देते हुए उनमें भाग लेने की प्रक्रिया एवं विभिन्न प्रकार के युवा पुरस्कारों के बारे में स्वयंसेवकों को अवगत करवाया। महाविद्यालय के स्वयंसेवकों को सम्बोधित करते हुए सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के उपनिदेशक डॉ. हरिशंकर आचार्य ने सभी स्वयंसेवकों से आव्हान किया कि वे सभी लोग समाज में इन योजनाओं का प्रचार करें ताकि सरकार की इन योजनाओं की पहुंच आम आदमी तक हो सके। डॉ. आचार्य ने स्वयंसेवकों को प्रेरित करते हुए कहा कि रासेयो एक सशक्त माध्यम है जिसके द्वारा एक स्वयंसेवक राष्ट्र निर्माण में अपनी महती भूमिका का निर्वाह कर सकता है। इस अवसर पर डॉ. आचार्य ने केन्द्र एवं राज्य सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान करने वाले पैम्पलेट्स तथा जागरूकता हेतु विभिन्न पोस्टरों का वितरण भी स्वयंसेवकों के मध्य किया ताकि स्वयंसेवक इन सभी कार्यक्रमों की जानकारी जन मानस तक पहुंचा सके।

अंतिम सत्र में स्वयंसेवकों ने कार्यक्रम प्रभारी डॉ. रीतेश व्यास एवं महाविद्यालय के व्याख्याता डॉ. शराफत अली, डॉ. पीयूष किराडू, श्रीमती सुनीता लूणिया, अन्जुमन उस्ता, राजश्री सुथार, चेतना ओझा, मोहिता सिंह एवं राकेश रंगा के नेतृत्व में राजस्थान राज्य अभिलेखागार का भ्रमण किया। जिसमें

राजस्थान राज्य अभिलेखागार में स्वयंसेवकों ने वहां स्थित शिवाजी गैलेरी, महाराणा प्रताप गैलेरी, समाचार पत्र गैलेरी, स्वतंत्रता सैनानी गैलेरी, कॉपर प्लेट गैलेरी, एल.पी. टेस्सीटोरी गैलेरी, पुस्तकालय तथा रिकॉर्ड रूम का अवलोकन किया। भ्रमण के दौरान राजस्थान राज्य अभिलेखागार के वरिष्ठ सहायक डॉ. मनीष मोदी ने स्वयंसेवकों को सभी गैलेरी तथा स्थानों का भ्रमण करवाया तथा उसके संबंध में सम्पूर्ण जानकारी प्रदान की।

स्वयंसेवकों को सम्बोधित करते हुए राजस्थान राज्य अभिलेखागार के सहायक निदेशक रामेश्वर बैरवा ने बताया कि किस प्रकार इन धरोहरों को आने वाली पीढियों के लिए संरक्षित रखने के लिए विभिन्न प्रकार के प्राचीन तथा आधुनिक प्रक्रियाओं की सहायता ली जाती है। साथ ही उन्होंने अभिलेखों को स्कैन कर उनको डिजिटल मोड में लाने की प्रक्रिया तथा उसमें काम आने वाले उपकरणों के बारे में स्वयंसेवकों को जानकारी दी। बैरवा ने स्वयंसेवकों को बताया कि शिवाजी और औरंगजेब के मध्य सन् 1665 में जो पुरंदर की संधि हुई थी उसकी मूल कॉपी अभिलेखागार में सुरक्षित है जिसका स्वयंसेवकों ने अवलोकन किया।

# नोखा अस्पताल में सोनोग्राफी मशीन बंद

**नोखा, (कासं)।** जिला अस्पताल में लम्बे समय से बंद पड़ी सोनोग्राफी मशीन को नियमित रूप से चालू करवाने की मांग की गई है। वरिष्ठ भाजपा नेता जेठू सिंह राजपुरोहित, जगदीश भार्गव और नरेंद्र सिंह राजपुरोहित ने नोखा उपखंड अधिकारी को चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के नाम ज्ञापन सौंपा है।

ज्ञापन में बताया गया कि बागड़ी जिला अस्पताल में सोनोग्राफी मशीन काफी समय से बंद है। इसके कारण मरीजों को विशेषकर गर्भवती महिलाओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्हें सोनोग्राफी जांच के लिए निजी अस्पतालों में जाना पड़ रहा है। जबकि अस्पताल में मशीन उपलब्ध है।

भाजपा नेताओं ने यह भी बताया कि बागड़ी जिला अस्पताल में दो योग्य स्त्री रोग विशेषज्ञ (गायनोकोलॉजिस्ट) डॉक्टर कार्यरत हैं। इसके बावजूद सोनोग्राफी सुविधा चालू नहीं होने से मरीजों को निजी अस्पतालों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। इस समस्या को पहले भी उच्च अधिकारियों के संज्ञान में लाया गया था, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। भाजपा नेताओं ने मांग की है कि जिला अस्पताल में सोनोग्राफी मशीन को तत्काल चालू कर नियमित रूप से संचालित किया जाए। इससे क्षेत्र के मरीजों, खासकर गर्भवती महिलाओं को राहत मिलेगी। और उन्हें अनावश्यक आर्थिक व मानसिक परेशानियों से बचाया जा सकेगा।

## विप्र सेना ने गोचर भूमि के अधिग्रहण के खिलाफ आंदोलन का किया समर्थन

**बीकानेर,** विप्र सेना बीकानेर जिलाध्यक्ष इन्द्र कुमार शर्मा के नेतृत्व में बीकानेर की गोचर भूमि के अधिग्रहण के विरोध में आगामी होने वाले आंदोलन को समर्थन दिया गया जिसमे बीकानेर राम झरोखा के महामंडलेश्वर संत श्री सरजुदास जी महाराज ने कहा की धर्म की रक्षा के लिए हम सभी को एकजुट होकर संघर्ष करना होगा आंदोलन समिति के कार्यकर्ता शिवकुमार गहलोत ने गोचर भूमि के सम्पूर्ण कागजात प्रस्तुत किए और गोचर भूमि के बारे में जानकारी दी इसके बाद विप्र सेना के संभाग अध्यक्ष हरिगोपाल उपाध्याय ने कहा कि गौ माता और गोचर भूमि की रक्षा के लिए ब्राह्मणों ने हमेशा लड़ाइया लड़ी है और जरूरत पड़ने पर पीछे नहीं हटेंगे विप्र सेना के प्रदेश प्रवक्ता रामावतार उपाध्याय ने कहा की हर समाज के लोगो से विप्र सेना की टीम संपर्क करेगी और गोचर भूमि का अधिग्रहण किसी सूरत में नहीं होने दिया जाएगा प्रदेश महामंत्री रविन्द्र जाजडा ने बताया कि सरकार को बीकानेर में हो रहे विरोध प्रदर्शन की जानकारी प्रशासन अच्छे से अवगत नहीं करा रहे है।

## सार-समाचार

### ऊंट उत्सव के लिए 3 लाख दिए

**बीकानेर, (कासं)।** ऊंट उत्सव-2026 के लिए एनएलसी इंडिया लिमिटेड द्वारा जिला प्रशासन को 3 लाख रूपए की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि को इससे जुड़ा चैक दिया गया। इस अवसर पर एनएलसी इंडिया लिमिटेड, बरसिंहसर परियोजना के परियोजना प्रमुख एस. विजय कुमार तथा मानव संसाधन विभाग के विभागाध्यक्ष (एचओडी) डॉ. एस. चंद्रशेखर भी उपस्थित रहे। जिला कलेक्टर ने कहा कि एनएलसी इंडिया लिमिटेड का यह सहयोग बीकानेर की कला, पर्यटन एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं प्रचार-प्रसार में सहायक सिद्ध होगा। कंपनी ने जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए ऊंट महोत्सव 2026 के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दी। एनएलसी इंडिया लिमिटेड ने कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के तहत सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में निरंतर सहयोग का विश्वास व्यक्त किया।

### जीतो महिला विंग ने कम्बल बांटे

**बीकानेर, (कासं)।** जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन की महिला विंग बीकानेर चैप्टर द्वारा टीबी हॉस्पिटल में कम्बल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। चैयरपर्सन ममता रांका ने बताया कि बीकानेर में बीते तीन-चार दिनों से कड़ाके की सर्दी पड़ रही है। हॉस्पिटल, रैन-बसेरे, फुटपाथ आदि स्थानों पर जरुरतमंदों को कम्बल वितरण किए जा रहे हैं। सेवा के इसी क्रम में मंगलवार को पीबीएम परिसर स्थित टीबी हॉस्पिटल में जीतो महिला विंग द्वारा 125 कम्बल वितरित किए गए। प्रियंका बैद ने बताया कि समय पर और सही पात्र को दी गई सेवा ही श्रेष्ठ धर्म है। इस दौरान रेणु गुजरानी, चांदनी सुराना, चंचल चौरडिया, सुनीता रांका, रंजना सुराना, प्रियंका बैद एवं तारा डागा उपस्थित रही।

### स्कूलों में 11 तक छुट्टी

**बीकानेर, (कासं)।** शीतलहर को देखते हुए कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने जिले के सभी राजकीय और गैर-राजकीय विद्यालयों में कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए 8 से 10 जनवरी 2026 तक अवकाश घोषित किया गया है। 11 जनवरी को रविवार है, ऐसे में अब स्कूल 12 जनवरी को खुलेंगे। पांचवीं और आठवीं बोर्ड के एग्जाम हैं। आदेश के अनुसार कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों की कक्षाएं 8 से 10 जनवरी तक सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक संचालित होंगी। यह आदेश जिले के सभी सरकारी, निजी, सीबीएसई, आंगनबाड़ी और मदरसों पर लागू होगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह अवकाश केवल विद्यार्थियों के लिए मान्य रहेगा, जबकि स्कूल स्टाफ और शिक्षक नियमित रूप से विद्यालय समय पर उपस्थित रहेंगे। साथ ही सभी संस्था प्रधानों को आदेशों की सख्ती से पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। यदि किसी विद्यालय द्वारा आदेशों की अवहेलना की जाती है, तो संबंधित संस्था के खिलाफ आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के तहत कार्रवाई की जायेगी।

### बेटियों ने मां की अर्थी को दिया कंधा

**नोखा, (कासं)।** नोखा क्षेत्र के हिमटसर गांव में बीती रात एक महिला का निधन हो गया। उनके परिवार में कोई पुत्र नहीं था। उनकी दो विवाहित बेटियों ने मां की अर्थी को कंधा दिया और मुखाग्नि देकर अंतिम संस्कार की रस्में पूरी की। गांव निवासी इंद्रा देवी (52) पत्नी सत्यनारायण सोमानी का मंगलवार रात निधन हो गया। उनके दो बेटियां हेमलता और सोनू हैं। बुधवार को इंद्रा देवी की अंतिम यात्रा निकाली गई। दोनों बेटियों ने मां की अर्थी को कंधा दिया। परिवार के सदस्य पवन राठी ने बताया कि सत्यनारायण सोमानी पुत्र न होने के कारण अपनी बेटियों को बेटों के समान ही मानते हैं। पत्नी के निधन के बाद बेटियों ने स्वयं आगे बढ़कर मां को मुखाग्नि देने की इच्छा जताई। परिवारजनों और रिश्तेदारों की सहमति से सभी आवश्यक तैयारियां की गई। अंतिम विश्राम गृह स्थल पर सैकड़ों ग्रामीणों की मौजूदगी में बेटियों ने सभी धार्मिक क्रियाएं पूरी की और अपनी मां को मुखाग्नि दी।

### डेनमार्क में खेती की तकनीक समझी

**बीकानेर, (कासं)।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार कृषि और कृषक कल्याण के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रही है। इसी श्रृंखला में बीकानेर के युवा किसान वीरेंद्र लुणू ने भी राज्य सरकार की अभिनव योजना के तहत डेनमार्क का दौरा कर वहां की खेती तकनीकों को जाना एवं समझा। बीकानेर जिले के बेलासर गांव का युवा किसान लुणू पिता की देखरेख में पारंपरिक तरीके से कृषि कार्य करने के अलावा भेड़-बकरियों की देखरेख करता है। परंपरागत ढंग से कृषि कार्य करते हुए वीरेंद्र आशातीत आर्थिक लाभ नहीं ले पा रहा था। इस कार्य में समर्पण को देखते हुए उसका चयन राज्य सरकार के नॉलेज एनहांसमेंट प्रोग्राम के तहत हुआ। कृषि और पशुपालन से जुड़ी नई तकनीकों का प्रशिक्षण राज्य सरकार द्वारा उसे निःशुल्क डेनमार्क से भेजा गया। डेनमार्क में गत 8 से 15 अक्टूबर तक आयोजित प्रशिक्षण के दौरान लुणू ने उन्नत डेयरी फार्म, ग्रीन हाउस खेती, जर्सी गाय पालन और फूलों की आधुनिक खेती प्रणाली का अध्ययन किया।

# 13.600 किग्रा. गांजा सहित गिरफ्तार

- नोखा रोड पर हंसा गेस्ट हाउस के पीछे आचार्य तुलसी समाधि स्थल रोड पहुंचे तो एक युवक हाथ में प्लास्टिक का कट्टा लिए दिखा जो संदिग्ध लगा

**बीकानेर, (कासं)।** पश्चिम बिहार के कूचबिहार जिले से बीकानेर में बड़े पैमाने पर गांजे की सप्लाई हो रही है। गंगाशहर थाना पुलिस ने एक अभियुक्त से 13.600 किग्रा गांजा बरामद कर उसे गिरफ्तार किया है।

देर रात को गंगाशहर पुलिस थाने की कार्यवाहक एसएचओ मोनिका पुलिस जाब्ते के साथ गश्त कर रही थी। नोखा रोड पर हंसा गेस्ट हाउस के पीछे आचार्य तुलसी समाधि स्थल रोड पहुंचे तो एक युवक हाथ में प्लास्टिक का कट्टा लिए दिखा जो संदिग्ध लगा। पुलिस की गाड़ी को देखकर वह भागने लगा। पुलिस ने उसे पकड़कर पूछताछ की तो उसने अपना नाम पश्चिम बंगाल के कूचबिहार जिले में तूफानगंज थाना स्थित बलरामपुर निवासी नारायण बर्मन बताया। वर्तमान में वह हंसा गेस्ट हाउस में काम करता है। उसके पास मिले कट्टे की तलाशी ली तो उसमें भरा 13.600 किग्रा गांजा बरामद हो गया। यह गांजा उसने गंगाशहर में पुराना बस स्टैंड के पास रहने वाले श्याम पंचारिया से लिया था। श्याम कूचबिहार से गांजा मंगाकर सप्लाई करता है। हंसा गेस्ट हाउस में काम करने के दौरान दोनों की जान-पहचान हो गई।

## नवजात शिशु का ऑपरेशन कर जान बचाई

**बीकानेर, (कासं)।** गंगाशहर रोड पर स्थित डॉ. एल.सी. बैद चिल्ड्रन अस्पताल में एक दिन के नवजात शिशु का दुर्लभ एवं जटिल ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया गया। बच्चा जन्म के बाद अत्यधिक लार टपकने और सांस लेने में कठिनाई की समस्या से पीड़ित था। जांच में पता चला कि बच्चा एसोफेजियल एट्रेसिया नामक जन्मजात बीमारी से ग्रस्त था। यह एक दुर्लभ स्थिति है जिसमें भोजन नली (एसोफेगस) पूरी तरह विकसित नहीं होती और मुंह से पेट तक जुड़ी नहीं होती एवं सांस की नली से असामान्य जुड़ी होती है। अस्पताल के बच्चों के सर्जन डॉ. तुषार आहूजा एवं अस्पताल की ओटी एंड एनआईसीयू टीम ने बच्चे का सफल ऑपरेशन कर भोजन नली को जोड़ा व गंभीर समस्या को ठीक किया।

# बीकानेर ट्रेड फेयर एक्सपो आज से शुरू, तैयारियों का जायजा लिया

- बीकानेर ट्रेड फेयर एक्सपो का उद्घाटन केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल करेंगे

**बीकानेर, (कासं)।** बीकानेर व्यापार उद्योग मंडल द्वारा पॉलिटेक्निक कॉलेज ग्राउंड में 8 से 11 जनवरी तक आयोजित होने वाले विशाल ट्रेड फेयर एक्सपो की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं।

मंडल अध्यक्ष जुगल राठी और सचिव संजय सांड के नेतृत्व में टीम ने साइट का दौरा कर स्टॉल वितरण, सुरक्षा, पानी, बिजली सहित सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। बीकानेर ट्रेड फेयर एक्सपो का उद्घाटन केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल के कर कमल द्वारा किया जायेगा तथा विशेष अतिथि के रूप में जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि, जिला पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सागर सिंह, भंवरलाल कुलरिया, बीकाजी इंटरनेशनल के दीपक अग्रवाल उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम व्यवस्था संभाल रहे दर्शन जैन ने बताया कि यह आयोजन बीकानेर के लिए विशेष होने जा रहा है और शहरवासियों को इसका बेसब्री से इंतजार है। अध्यक्ष जुगल राठी ने कहा कि मेले में स्थानीय स्तर के व्यापारियों को विशेष प्राथमिकता दी गई है, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'लोकल फॉर वोकल' योजना का धरातल पर क्रियान्वयन है। मेले में हर क्षेत्र से जुड़े उत्पाद उपलब्ध होंगे। बच्चों के लिए विशेष गेम जोन और चारों दिन लोक राग फाउंडेशन द्वारा विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे, जिसमें युवा कलाकार, कॉलेज और स्कूल के छात्र भाग लेंगे। अध्यक्ष जुगल राठी, सचिव संजय जैन सांड, उपाध्यक्ष वेद प्रकाश अग्रवाल, शांतिलाल कोचर, शिव सिंह शेखावत, जनक हर्ष, जयनारायण डागा, पवन राज पुरोहित, पवन पेड़ीवाल, ज्योति रंगा, दर्शन जैन सांड, नरेन्द्र खत्री, मोहित माथुर और विकास पंचारिया व्यवस्थाओं के निरीक्षण के दौरान उपस्थित रहे।

# 230 किलो डोडा-पोस्त व 19 लाख नकद जब्त

- रतिया जाट के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया

**बीकानेर, (कासं)।** मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए मुक्ताप्रसाद थाना पुलिस ने बंगला नगर क्षेत्र से 2.30 क्विंटल डोडा-पोस्त जब्त किया। इस दौरान अवैध कारोबार से जुड़े 19 लाख रूपए नकद भी बरामद किए गए।

थानाधिकारी विजेन्द्र सिला ने बताया कि बंगला नगर में चुंगी चौकी के पास रहने वाला रतीराम जाट मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त में लिप्त था। पुलिस टीम ने उसके मकान पर दबिश दी, जहां से भारी मात्रा में डोडा-पोस्त बरामद हुआ। तलाशी के दौरान मौके से 19 लाख रूपए नकद भी मिले। पुलिस ने बताया कि यह रकम आरोपी ने डोडा-पोस्त की बिक्री और नया माल खरीदने के लिए रखी थी।

पुलिस ने आरोपी रतीराम उर्फ रतिया जाट के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी रतीराम मूल रूप से लूणकरनसर के शुभलाई गांव का निवासी है, लेकिन वर्तमान में वह शहर में रहकर डोडा-पोस्त का अवैध कारोबार चला रहा था। उसकी करमीसर तिराहे पर एक दुकान भी है, जहां से डोडा-पोस्त चूरा बेचने की आशंका जताई जा रही है। इस मामले की आगे की जांच गंगाशहर थाना पुलिस के एसएचओ परमेश्वर सुथार को सौंपी गई है।

## घना कोहरा व शीतलहर का कहर

**लूणकरनसर, (कासं)।** कालू में पिछले पांच दिनों से धूप नहीं निकलने के कारण कड़ाके की ठंड पड़ रही है। सुबह से घना कोहरा छाए रहने से सामान्य जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

बढ़ती ठंड के कारण लोग ठिठुर रहे हैं, जिससे विशेषकर बच्चों और बुजुर्गों को अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शाम होते ही बाजार भी जल्दी बंद हो रहे हैं। कुछ दिन पहले हुई मावठ की पहली बारिश ने सर्दी में और इजाफा किया है। रात का तापमान दस डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच गया है और शीतलहर चल रही है। दोपहर तक सूरज नहीं निकलने से लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है। ठंड बढ़ने के कारण सर्दी, जुकाम और बुखार के मामलों में भी बढ़ोतरी देखी जा रही है।

# यूरिया खाद की किल्लत से किसान परेशान

- गेहूं की फसल के लिए यूरिया की आवश्यकता के समय खाद नहीं मिलने से किसान चिंतित

**हनुमानगढ़, (कासं)।** जिले में यूरिया खाद की किल्लत से किसान परेशान हैं। रबी सीजन में गेहूं की फसल के लिए यूरिया की आवश्यकता के समय खाद नहीं मिलने से किसान चिंतित हैं।

राष्ट्रीय युवक परिषद ने सोमवार को जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर यूरिया की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने और खाद माफियाओं पर सख्त कार्रवाई की मांग की। परिषद ने आरोप लगाया कि जिले में बड़े व्यापारी और स्टॉकिस्ट यूरिया खाद का अवैध भंडारण कर रहे हैं। इसके कारण वास्तविक जरूरतमंद किसानों को सरकारी दर पर खाद नहीं मिल पा रहा है। किसान सुबह से शाम तक सहकारी समितियों और निजी विक्रेताओं के बाहर कतारों में खड़े रहते हैं, लेकिन अक्सर उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ता है। किसानों का कहना है कि इससे उनका समय, श्रम और डीजल बर्बाद हो रहा है। साथ ही उन्हें मानसिक तनाव का भी सामना करना पड़ रहा है। कई विक्रेताओं पर स्टॉक न होने का बहाना बनाने या अनावश्यक दस्तावेजों की मांग करने का आरोप है।

किसानों ने यह भी शिकायत की कि जहां यूरिया उपलब्ध होता है, वहां बैग देने से पहले कीटनाशक, दवाईयां या अन्य कृषि उत्पाद खरीदने की शर्त रखी जाती है। इस टैगिंग प्रथा से किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता है, जबकि सरकारी दिशा निर्देशों के अनुसार यह प्रतिबंधित है।

राष्ट्रीय युवक परिषद ने मांग की है कि जिले के सभी खाद विक्रेताओं और स्टॉकिस्टों के गोदामों की सघन जांच कर जमाखोरी और कालाबाजारी पर रोक लगाई जाए। उन्होंने खाद वितरण में राजनीतिक दबाव और सिफारिश संस्कृति को समाप्त कर पारदर्शी ऑनलाइन व्यवस्था लागू करने की भी अपील की। परिषद ने चेतावनी दी कि समय पर यूरिया नहीं मिलने से गेहूं की बढ़वार रूक सकती है, जिससे उत्पादन और गुणवत्ता दोनों प्रभावित होंगे और किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पायेगा।

# टैक्सी लेकर भागा चोर गिरफ्तार

**बीकानेर, (कासं)।** रेलवे स्टेशन रोड पर लालजी होटल के पास चालक सवारियों को लेने के लिए आवाज लगा रहा था। इस दौरान पीछे से कोई शख्स टैक्सी चुरा ले गया। चालक ने कोटगेट पुलिस थाने में केस दर्ज कराया। पुलिस ने मशक्कत कर टैक्सी लेकर भागे शख्स को गिरफ्तार कर लिया।

घड़सीसर में आदर्श विद्या मंदिर स्कूल के पीछे रहने वाले जगदीशचंद बिश्नोई ने कोटगेट थाना पुलिस को सूचना दी थी कि वह लालजी होटल के पास सवारियां मिलने का इंतजार कर रहा था। इस दौरान कोई शख्स उसकी टैक्सी लेकर फरार हो गया। पुलिस ने टैक्सी लेकर भागे मुक्ताप्रसाद नगर निवासी हाल करणी इंडस्ट्रियल एरिया में ख्वाजा कॉलोनी निवासी देवीसिंह को नामजद किया और उसे गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्त से चोरी की टैक्सी बरामद कर ली गई है। एसआई गौरव बोहरा, हैड कांस्टेबल हेतराम, गिरधारीदान, प्रवीण ने मशक्कत कर चोर को पकड़ा।

**कबाडियों को नशेड़ी बेच रहे चोरी का सामान :** गजसिंहपुर, पदमपुर रोड पर निर्माणाधीन बस स्टैंड का लोहे का सामान चोरी हो गया। इसमें लोहे के सरिए वगैरह व अन्य सामान था। इसी तरह घरों के बाहर सड़कों पर पौधों की सुरक्षा के लिये लगाये लोहे के गमले गायब हो रहे हैं। कुछ जगहों पर पानी की पाइप, टूटियां, मोटरें तक गायब हो रहे हैं। यहां तक कि पानी की टंकियों के लोहे के ढक्कन तक गायब हो रहे हैं। लोग परेशान हो रहे हैं कि ये लोहे की छुटपुट चोरियां कौन कर रहा है। छोटी-मोटी चोरियां का शक नशा करने वाले नशेड़ियों पर जाता है जो नशे की पूर्ति के लिये सामान उठा ले जाते हैं।

# निगम ने कहा ड्रेनेज सिस्टम के पांच काम 59 करोड़ में हो जायेंगे

- वित्त विभाग ने एक दिन पहले ही निगम को पत्र लिखकर पूछा था कि जो 59 करोड़ से जो काम सुझाए गए हैं, क्या उस राशि से ये काम पूरे हो जायेंगे
- निगम ने जवाब दिया और कहा कि हां, जो काम हाथ में लिए गए हैं, वे इतने पैसे में हो जायेंगे

**बीकानेर, (कासं)।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की ओर से बीकानेर को दिए गए 100 करोड़ ड्रेनेज वाले मामले में अब कुछ आगे तो बढ़ा है मगर सवाल अभी भी पूछे ही जा रहे हैं। वित्त विभाग ने निगम को पत्र भेजकर सवाल पूछा है कि जो 59 करोड़ रूपए दिए जायेंगे, क्या उसमें काम पूरा हो जायेगा। निगम ने जवाब में कहा है कि जो काम हाथ में लिया गया है, वह हो जायेगा।

दरअसल सीएम ने अपने पहले बजट में बीकानेर शहर को 100 करोड़ रूपए ड्रेनेज ठीक करने के लिए दिए थे। बाद में वित्त विभाग ने इसे काटकर 59 करोड़ कर दिया। पांच महीने पहले टेंडर हो गए लेकिन फाइल यूडीएच और वित्त विभाग के ही चक्कर लगा रही है। मुद्दा उठा तो जयपुर के एक विधायक और कैबिनेट मंत्री सुमित गोदारा ने सीएम के सामने इसका मामला रखा। उसके बाद ही सीएम के प्रमुख सचिव अखिल अरोड़ा ने भी इसमें संज्ञान लिया। तब जाकर जयपुर में सक्रियता आई।

वित्त विभाग ने एक दिन पहले ही निगम को पत्र लिखकर पूछा था कि जो 59 करोड़ से जो काम सुझाए गए हैं, क्या उस राशि से ये काम पूरे हो जायेंगे। निगम ने जवाब दिया और कहा कि हां, जो काम हाथ में लिए गए हैं, वे इतने पैसे में हो जायेंगे, मगर पूरे शहर का अगर ड्रेनेज ठीक करना है तो उसके लिए 222 करोड़ की डीपीआर बनी है। मगर 59 करोड़ से पांच काम ही हाथ में लिए गए हैं और ये काम इस राशि से हो जायेंगे।

गंगाशहर में एक पंपिंग स्टेशन बनेगा, जिससे नाले का पानी एसटीपी पर जायेगा और पानी साफ होकर दूसरे कामों में उपयोग होगा। इससे सुजानदेसर में जमा होने वाले गंदे पानी की समस्या का स्थायी समाधान होगा। दूसरा काम वल्लभ गार्डन में एकत्रित होने वाले गंदे पानी के समाधान का होगा। यहां हर साल बारिश में पाल टूटने से कई कॉलोनियों में पानी भर जाता है। हालात ऐसे होते हैं कि लोगों को रेस्क्यू करना पड़ता है। कई सालों से यह समस्या है और निगम ने यह काम अपने हाथ में लिया है। इसके अलावा और भी छोटे काम हैं।

मयंक मनीष, कमिश्नर नगर निगम का कहना है कि वित्त विभाग ने जो भी जानकारी मांगी थी, उसका जवाब दे दिया गया है। हमने आश्वस्त कर दिया है कि जो काम हाथ में लिए हैं, जिनका टेंडर किया गया है, उसके लिए कोई अतिरिक्त राशि नहीं मांगी जायेगी।

## युवक पानी की टंकी पर चढ़ा

**नोखा,(कासं)।** नोखा कस्बे के मोहनपुरा क्षेत्र में बुधवार को एक व्यक्ति घरेलू विवाद के चलते पानी की टंकी पर चढ़ गया। लगभग तीन घंटे की समझाइश के बाद पुलिस ने उसे सुरक्षित नीचे उतारा।

थानाधिकारी अरविन्द भारद्वाज ने बताया कि मोहनपुरा निवासी नरेन्द्र सिंह (45) पारिवारिक झगड़ों के कारण मानसिक तनाव में था। इसी परेशानी के चलते उसने यह कदम उठाया। युवक के टंकी पर चढ़ने की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर नोखा पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों और स्थानीय लोगों ने लगातार नरेन्द्र सिंह से बातचीत की और उसे शांत करने तथा सुरक्षित नीचे उतरने के लिए समझाया।

पुलिस ने बताया कि यह मामला पूरी तरह घरेलू विवाद से जुड़ा है। पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने नरेन्द्र सिंह से संपर्क कर उसके पारिवारिक विवाद की जानकारी ली और कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद युवक को सुरक्षित टंकी से नीचे उतारा गया और उसे थाने ले जाया गया। युवक लगभग तीन घंटे तक टंकी पर रहा।

# ऑर्थो बायोलॉजिकल रिजनरेटिव केयर लैब शुरू

- ओबीआरसी तकनीक से मरीजों का इलाज बिना ऑपरेशन, बिना चीर-फाड़ के किया जा सकेगा

**बीकानेर, (कासं)।** पीबीएम अस्पताल से संबद्ध ट्रॉमा सेंटर ने चिकित्सा क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है। यहां प्रदेश की पहली अत्याधुनिक ऑर्थो बायोलॉजिकल रिजनरेटिव केयर (ओबीआरसी) लैब की शुरूआत की गई है। इस तकनीक के जरिए अब घुटनों के दर्द, जोड़ों की बीमारी और स्पोर्ट्स इंजरी का इलाज बिना ऑपरेशन संभव हो सकेगा।

इस लैब में पांच मरीजों के घुटनों के आस्टियो आर्थराइटिस (ग्रेड-2) का उपचार सफलतापूर्वक शुरू किया गया। पीबीएम अधीक्षक डॉ. बी.सी. घीया ने लैब के शुभारंभ पर कहा कि यह तकनीक बीकानेर ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में चिकित्सा अनुसंधान और स्पोर्ट्स मेडिसिन के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगी। उन्होंने बताया कि ओबीआरसी तकनीक से मरीजों का इलाज बिना ऑपरेशन, बिना चीर-फाड़ और बिना बाहरी रसायनों के किया जा सकेगा। जिससे इलाज अधिक सुरक्षित और प्रभावी बनेगा।

इस तकनीक का उपयोग स्पोर्ट्स इंजरी, शोल्डर समस्याएं (रोटेटर कफ, फ्रोजन शोल्डर, आर्थराइटिस), टेनिस एल्बो, गोल्फर एल्बो, हिप और घुटने की कार्टिलेज व मेनिस्कस इंजरी, आस्टियो आर्थराइटिस (ग्रेड 1, 2 और 3), एंकिल इंजरी, प्लास्टर फेशियाइटिस, हड्डियों के डिलेड या नॉन यूनियन और डिस्क प्रोलैप्स जैसी जटिल बीमारियों में किया जायेगा।

बुजुर्गों से खिलाड़ियों तक, सबके लिए राहत की नई उम्मीद है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले समय में यह तकनीक स्पोर्ट्स पर्सन, बुजुर्गों और कामकाजी युवाओं के लिए बेहद कारगर साबित होगी।

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जोड़ों की समस्या आम होती जा रही है। ऐसे में बिना ऑपरेशन, कम दर्द और न्यूनतम जोखिम वाला इलाज मरीजों के जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनायेगा।

SBI

भारतीय स्टेट बैंक

केन्द्रीय भर्ती एवं पदोन्नति विभाग, कॉरपोरेट केंद्र, मुंबई

फोन: 022-22820427

आवेदन के लिए क्यूआर स्कैन करें

**संविदा आधार पर विशेषज्ञ संवर्ग अधिकारियों की भर्ती**

संविदा आधार पर निम्नलिखित पद के लिए भारतीय नागरिकों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं.

**विज्ञापन सं.: CRPD/SCO/2025-26/21 (संविदा पद)**

| पद का नाम | रिक्ति | अधिकतम आयु (कट ऑफ 31.12.2025) |
| --- | --- | --- |
| मुख्य वित्तीय अधिकारी | 1 | 57 साल |

पात्रता मानदंड (आयु, अनुभव, जॉब प्रोफाइल आदि), रिक्ति विवरण, आवश्यक शुल्क एवं अन्य विवरण के लिए बैंक की वेबसाइट https://sbi.bank.in/web/careers/current-openings पर लॉग ऑन करें, जहाँ आवेदन तथा आवेदन शुल्क ऑनलाइन जमा किया जा सकता है. आवेदन करने और शुल्क भेजने से पहले अपनी पात्रता सुनिश्चित करने एवं अन्य विवरणों के लिए विस्तृत विज्ञापन पढ़ें. कोई अन्य पूछताछ करने के लिए कृपया "CONTACT US"→ "Post Your Query" लिंक के माध्यम से हमें लिखें, जो बैंक की अधिकृत वेबसाइट (https://sbi.bank.in/web/careers/post-your-query) पर उपलब्ध है.

- **आवेदन ऑनलाइन जमा करने और शुल्क का भुगतान करने की तिथि : 05.01.2026 से 27.01.2026 तक.**

स्थान: मुंबई

दिनांक: 05.01.2026

महाप्रबंधक (आरपी एंड पीएम)

# किसान महापंचायत में राठीखेड़ा में एथेनॉल फैक्टरी नहीं लगने की चेतावनी दी

## किसान महापंचायत में हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर व हरियाणा-पंजाब से भी किसान शामिल हुए

- महापंचायत में किसानों ने एथेनॉल फैक्टरी का एमओयू रद्द करने और आंदोलन के दौरान किसानों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने की मांगें रखी
- किसान महापंचायत को देखते हुए सरकार ने इंटरनेट बंद कर दिया और इलाके में धारा 163 लागू कर दी

**हनुमानगढ़,** (निसं)। राठीखेड़ा में ड्यून एथेनॉल प्राइवेट लिमिटेड फैक्टरी के विरोध में बुधवार को महापंचायत हुई। किसानों ने महापंचायत में राठीखेड़ा में एथेनाल फैक्ट्री नही लगने देने की चेतावनी दी। किसान नेता जोगिंदर सिंह उग्राहां के नेतृत्व में किसानों का जत्था हनुमानगढ़ के संगरिया स्थित धान मंडी पहुंचा। किसानों के हाथों में संघर्ष समिति के झंडे और सिर पर पीली पगड़ी रही। महापंचायत में हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर के साथ ही हरियाणा-पंजाब से भी किसान शामिल हुए। इसको देखते हुए सरकार ने इंटरनेट बंद कर दिया और इलाके में धारा 163 लागू की गई। हनुमानगढ़ के संगरिया में हुई महापंचायत में किसानों ने एथेनॉल फैक्टरी का एमओयू रद्द करने और आंदोलन के दौरान किसानों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने की मांगें रखी गई। साथ ही 11 फरवरी को टिब्बी के तलवाड़ा गांव में फिर से महापंचायत करने का ऐलान किया।

संगरिया की धानमंडी में महापंचायत से पहले किसानों ने नगर परिषद कार्यालय में बने किसान स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। किसान नेता जोगिंदर सिंह उग्राहां के नेतृत्व में बड़ी संख्या में किसान हनुमानगढ़ के संगरिया स्थित धान मंडी महापंचायत के लिए पहुंचे। महापंचायत को लेकर प्रशासन अलर्ट मोड में रहा। कस्बे में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिस ने मंगलवार रात से संगरिया कस्बे में प्रवेश के चारों प्रमुख मार्गों पर बैरिकेडिंग कर दी थी। इसके साथ ही बाहर से आने वालों को जांच के बाद ही प्रवेश दिया गया। पुलिस और प्रशासन टिब्बी की घटना से सबक लेते हुए हर संभव सावधानी बरती।

भादरा के पूर्व विधायक बलवान पूनिया ने कहा कि राठीखेड़ा में फैक्टरी नहीं लगेगी। सरकार किसी ओर जगह फैक्टरी लगाए, लेकिन किसान की उपजाऊ जमीन पर एथेनॉल फैक्टरी नहीं लगने देंगे। फैक्टरी का एमओयू कैंसिल होने का लेटर नहीं दिए जाने से प्रशासन और सरकार पर भरोसा नहीं है। उग्राहां ने प्रस्तावित नए बिजली नियम का विरोध किया। कहा कि इसकी आड़ में सब्सिडी खत्म करने की साजिश की जा रही है। किसान नेता मंगेज चौधरी ने कहा कि इस बार प्रशासन ने ट्रैक्टर को आने से नहीं रोका। हमारी 2 ही मांगें है, एक एथेनॉल फैक्टरी का एमओयू रद्द करो और दूसरी मांग है कि आंदोलन के दौरान किसानों पर दर्ज मुकदमे वापिस लो।

मंगेज चौधरी ने कहा कि टिब्बी का घटनाक्रम कलैक्टर और राज्य सरकार ने करवाया। किसान हनुमानगढ़ में शांत रहा। आज शांत है, लेकिन आखिरकार सब्र का बांध टूटेगा। सिर्फ दो कागज संघर्ष समिति को भेज दो, नहीं तो हर जगह आंदोलन होगा। एथेनॉल फैक्टरी का मुद्दा घर-घर जाएगा। महंगा सिंह सिद्धू ने किसान महापंचायत को संबोधित करते हुए कहा कि प्रशासन हिरासत में लेकर शर्मिंदा करता है। इनको पता है कि ये लोग पिटाई, मुकदमों से नहीं डरते हैं, इनको जलील करो। उन्होंने कहा कि प्रशासन को जो पसंद है, सरकार को जो पसंद है कर लें, लेकिन हम प्रशासन से डरेंगे नहीं, ऐसे ही प्रशासन के खिलाफ बोलेंगे। महंगा सिंह सिद्धू को 18 नवंबर 2025 को गिरफ्तार किया गया था। उस दौरान रात के समय धरनास्थल से आंदोलनकारियों को उठाया गया था। भाना सिंह सिद्धू ने एथेनॉल फैक्टरी के कारण होने वाले प्रदूषण को लेकर विरोध जताया। उन्होंने कहा कि पानी पीने लायक नहीं रहेगा, हवा सांस लेने के लिए शुद्ध नहीं होगी। राजनीति के चलते आम लोगों पर इसका बुरा प्रभाव पड़ेगा। इस दौरान एडीएम उम्मेदीलाल मीणा, एएसपी अरविंद बिश्नोई, एसडीएम संगरिया जय कौशिक, तहसीलदार मोनिका बंसल समेत कई अधिकारी भी व्यवस्थाओं को संभाले रहे।

# दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

**भीलवाड़ा,** (निसं)। पुलिस को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। पुलिस ने पांच साल से फरार चल रहे गैंगरेप और पॉक्सो एक्ट के 15 हजार के इनामी आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह आरोपी अपनी पहचान छुपाकर लगातार पुलिस को चकमा दे रहा था।

भीलवाड़ा जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव के निर्देशन में काछौला थाना पुलिस और डीएसटी टीम ने पांच साल से फरार 15 हजार के इनामी आरोपी देवीलाल उर्फ देवीनाथ कालबेलिया को बापर्दा गिरफ्तार किया है। मामला जून 2022 का है, जब काछौला थाना क्षेत्र में एक खेत पर सो रहे परिवार पर हमला किया गया था। बदमाशों ने न केवल परिवार के साथ मारपीट कर लूटपाट की, बल्कि नाबालिग बेटी का अपहरण कर हरपुरा के जंगल में उसके साथ गैंगरेप जैसी घिनौनी वारदात को अंजाम दिया था। इस मामले में पुलिस ने पहले ही एक आरोपी नारायण लाल को गिरफ्तार कर लिया था, जिसे सितंबर 2025 में कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी, लेकिन दूसरा आरोपी देवीलाल लगातार फरार चल रहा था। चूंकि आरोपी खानाबदोश था और मोबाइल का इस्तेमाल नहीं करता था, इसलिए पुलिस के लिए यह एक बड़ी चुनौती थी। डीएसटी और सायबर सेल की विशेष टीम ने मुखबिर तंत्र और पारंपरिक पुलिसिंग का सहारा लिया। सूचना मिली कि आरोपी एक गांव में समाज की बैठक में आने वाला है। इसी सूचना पर टीम ने घेराबंदी कर आरोपी को रेलवे स्टेशन से दबोच लिया। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

## बस पलटने से 30 जने घायल

**मदनगंज-किशनगढ़,** (निसं)। जयपुर हाइवे मार्ग पर बड़गांव चौराहे के पास ट्रेलर की टक्कर से सोलर प्लांट में कार्यरत कर्मचारियों से भरी बस में सवार करीब 30 कर्मचारी घायल हो गये। इनमे पांच कर्मचारियों को अजमेर रेफर कर दिया। पुलिस के अनुसार पाटन स्थित सोलर प्लांट में नाइट शिफ्ट करने के बाद श्रमिक बस से अपने घर जा रहे थे, इसी दौरान यू टर्न लेते समय तेज गति से आ रहे ट्रेलर चालक ने लापरवाही से वाहन चलाकर बस के टक्कर मार दी, जिससे बस पलटी खा गई। किशनगढ़ थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।


**CHIEF BLOCK EDUCATION OFFICE SAMAGRA SHIKSHA BARAN**
Sr. No. :- 1689 Date : 02/01/2026
**NOTICE INVITING BID**
NIT No.- 03/2025-26
Bids for AAWAS, BHOJAN, CHAI- NASTA ,WITH TRAINING PLACE AND TENT FACILITY are invited from interested bidders upto 12pm,Dated 16/01/2026. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.rajasthan.gov.in) of the state. The approximate value of procurement is Rs 6.00 Lacs. UBN No.- EED2526SSRC01440, NIB CODE- EED2526A1134
Raj.Samwad/C/25/17286 Chief Block Education Officer, Baran

राजस्थान सरकार
**कार्यालय जिला रसद अधिकारी, जालोर**
**(जिला उपभोक्त संरक्षण अधिकारी)**
क्रमांक-रसद/लेखा/निविदा/2025/ दिनांक-
**NOTICE INVITING BID**
e-Bids for Selection of Transporter for the Transportation of Food grains Under MDM from FCI Depots in Disrict JALORE are invited from interested bidders up to 12.01.2026 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in or http://sppp.rajasthan.gov.in/ www.food.rajasthan.gov.in) of the state. The approximate value of the procurement is 20 Lakhs for One yar.
UBN- FCC2526SLOB00185, NIB CODE- FCC2526A0149
(आलोक झरवाल)
जिला रसद अधिकारी
(उपभोक्ता संरक्षण अधिकारी) जालोर
DIPR/C/113/2026


# कोटा में 70 लाख की स्मैक सहित दो तस्करों को पकड़ा

- रानपुर पुलिस टीम ने दो कार्रवाई में 298 व 47 ग्राम स्मैक जब्त की

**कोटा,** (निसं)। अवैध मादक पदार्थ की तस्करी व तस्करों की धरपकड़ के लिये पुलिस द्वारा चलाये जा रहे ऑपेशन गरूड् व्यूह के तहत रानपुर पुलिस टीम ने दो अलग-अलग कार्रवाई को अंजाम देते हुए 298 ग्राम स्मैक व 47 ग्राम स्मैक सहित दो तस्करो को गिरफ्तार किया है, पकड़े गए अवैध मादक पदार्थ की अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 70 लाख रूपये है।

पुलिस टीम ने रोडवेज बस में चैकिंग के दौरान अवैध मादक पदार्थ 298 ग्राम स्मैक सहित एक तस्कर को पकड़ा, वहीं नाकाबन्दी के दौरान अवैध मादक पदार्थ 47 ग्राम स्मैक सहित तस्कर को गिरफ्तार किया। रानपुर पुलिस टीम ने दो अलग-अलग कार्रवाई में कुल 345 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक बरामद की है। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि रानपुर के आरपीएस (प्रो.) वीरेन्द्र सिंह मय जाप्ता जगपुरा पुलिस चौकी के सामने झालावाड़ से कोटा आने वाले रोड़ पर नाकाबंदी कर वाहनों की चैकिंग कर रहे थे। चैकिंग के दौरान पुलिस टीम ने रोडवेज बस को रोककर चैकिंग की तो पीछे की सीट पर बैठा एक व्यक्ति जिसने काले रंग की प्लास्टिक की थैली पकड़ी हुई थी, पुलिस टीम ने संदेह होने पर उस व्यक्ति को डिटेन कर उसकी थैली की तलाशी ली। थैली से अवैध मादक पदार्थ 298 ग्राम स्मैक बरामद की, पुलिस टीम ने मौके पर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए मध्यप्रदेश के गांव लालखेड़ी निवासी बजरंग सिंह को गिरफ्तार किया है।

शहर एसपी ने बताया कि वहीं रानपुर थाने के उप निरीक्षक भीमसिंह मय जाप्ता नाकाबंदी कर वाहनों की चैकिंग कर रहे थे, चैकिंग के दौरान एक व्यक्ति पैदल आता हुआ दिखाई दिया, जिस पर संदेह होने पर पुलिस टीम ने मौके पर व्यक्ति को डिटेन कर उसकी तलाशी ली तो उसके पास से 47 ग्राम स्मैक बरामद की। पुलिस टीम ने मौके पर ढाका की ढाणी नयागांव निवासी पप्पू राम उर्फ रवि को गिरफ्तार किया है।

# बीकानेर में सर्दी के तेवर तेज, तापमान 7.4 डिग्री दर्ज

- तापमान में आई गिरावट से लोग ठिठुरे

**बीकानेर,** (निसं)। तेज सर्दी के बीच प्रदेश के 25 जिलों में स्कूली बच्चों की छुट्टी घोषित कर दी गई है। सुबह के समय ठंड और कम तापमान के कारण छोटे बच्चों को स्कूल जाने में परेशानी हो रही है। स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति पचास फीसदी रह गई है। मौसम विभाग के अनुसार आगामी दिन में न्यूनतम तापमान में और गिरावट की संभावना है। सुबह के समय कोहरा और शीतलहर का असर बना रह सकता है, जिससे ठंड और तेज महसूस होगी। रात का तापमान और नीचे जा सकता है।

गौरतलब है कि सर्दी ने अचानक तेवर तीखे कर लिए हैं। पिछले 24 घंटे में शहर का अधिकतम तापमान 16.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 7.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। हालांकि बुधवार सुबह ठंडक का अहसास पांच डिग्री सेल्सियस जैसा रहा। इससे पहले बीते दिनों में अधिकतम तापमान 20 से 22 डिग्री और न्यूनतम तापमान 9 से 11 डिग्री के आसपास बना हुआ था। ऐसे में एक ही दिन में तापमान में आई यह गिरावट लोगों को ठिठुरने पर मजबूर कर रही है। पिछले कुछ दिनों में बीकानेर में दोपहर के समय सर्दी का असर कम महसूस हो रहा था, लेकिन अब सुबह और रात दोनों समय ठंड तेज हो गई है। न्यूनतम तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है, जिससे सर्द हवाओं के साथ ठिठुरन बढ़ गई है। मौसम के जानकारों के अनुसार यह बदलाव शीतलहर के सक्रिय होने का संकेत है।

## कोहरे की चादर में लिपटा रहा पाली शहर

**पाली,** (नि.सं.)। पिछले चार दिनों से गोड़वाड़ मारवाड़ सर्दी की चपेट में है। मंगलवार सुबह से ही पाली शहर में कोहरा छाया रहा। ऐसे में वाहन चालक लाइट लगाकर चल रहे थे, वहीं ठंडी हवाओं से शहरवासी बेहाल हो रहे थे। लोग सुबह और शाम को अलाव जलाकर ठंड से निजात पाने का जतन कर रहे हैं। सर्दी का सितम अभी जारी रहेगा। इसके चलते छोटे बच्चों की छुट्टियां हो गई है। लोग गर्म कपड़े में लिपटे हुए नजर आ रहे हैं। दोपहर करीब बारह बजे बाद सूर्य के दर्शन हुए।


**Rajasthan Water Grid Corporation Limited**
(Formerly known as "Eastern Rajasthan Canal Project Corporation Limited")
Sinchai Bhawan, JLN Marg, Jaipur 302017, Tel: 0141-2700669 Email: ceercpc@gmail.com
No. :- 7363 Date :- 06/01/2026
**Short Term NIB No. – RWGCL/49/2025-26**
Managing Director, RWGCL invites bid for "Supply and installation of IT Equipment's under ERCPCL Jaipur with 3 year Comprehensive Warranty of Balance item " from interested bidders up to 12.01.2026 (06.00 PM). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://sppp.rajasthan.gov.in/sppp/ and http://eproc.rajasthan.gov.in) of the state. The approximate value of the procurement is Rs 41.45 Lacs. NIB Code: ERP2526A0056
UBN No: ERP2526GLOB00063 Managing Director
Raj.Samwad/C/25/17279 RWGCL, Jaipur

**राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड**
उत्पादन वृत्त, राजभवन मार्ग, कोटा-324001, फोन: 0744-2327613
**निविदा आमंत्रण सूचना**
निम्नलिखित कार्यों/सामग्री की आपूर्ति/वार्षिक अनुबंध हेतु ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती है:- 25(RVU2526WSOB01963) पेयजल आपूर्ति प्रणाली के दैनिक संचालन, सफाई एवं रखरखाव, 23(RVU2526GSOB01960) 15 एचपी के 2 सबमर्सिबल मोटर पंप सेट की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण एवं चालू करण, 24(RVU2526GSOB01961) जनरेटर, ट्रांसफॉर्मर, एलटी/एचटी स्विचगियर हेतु उपभोग्य सामग्री एवं 27(RVU2526GSOB01962) ब्रेक एयर कंप्रेसर तथा सहायक उपकरणों की आपूर्ति। निविदा विवरण वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in (ई-निविदा हेतु), www.energy.rajasthan.gov.in/rvunl एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।
राज.संवाद/सी/25/17271 RVUN/PR-4320 अधीक्षण अभियंता (उत्पादन वृत्त)

**OFFICE OF THE MUNICIPAL CORPORATION, PALI**
ENVIRONMENT AND SOLID WASTE MANAGEMENT CELL
Sr.no. -MCP/Env. & SWM/NIT 05/STP /2025-26/338 Date:- 02.01.2026
**Short-Term Notice Inviting Tender (NIT)**
Online Proposal are invited on behalf of Municipal Corporation Pali from the reputed, experience and technically eligible Contractor firm for the work of "Annual Rate Contract work for Operation and maintenance As well as Repair, Renovation , Renewal & Replacement of sewage collection & conveyance system laid under the UIDSSMT Scheme For the period of one year " the further detailed regarding to bid Documents can be downloaded from the e-tendering portal https://eproc.Rajasthan.gov.in And https://sppp.rajasthan.gov.in Estimate cost of work are 75.00 lakhs.
UBN – DLB2526WSRC29287
Commissioner
Raj.Samwad/C/25/17174 Municipal Corporation Pali


## हत्या के आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई

**उदयपुर,** (निसं)। आपसी रंजिश के चलते चाकू से हमला कर व्यक्ति की हत्या करने वाले को न्यायालय ने दोषी को आजीवन कारावास एवं पच्चीस हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई।

प्रकरण के अनुसार 27 मई 2022 को परिवादी तकरीर अहमद ने एमबी चिकित्सालय वार्ड 116 में पुलिस थाना अम्बामाता के थानाधिकरी सुनील कुमार को एक इत्तला दी कि सांय में अपने बड़े पिता अहमद हुसैन के साथ कनिका पैलेस अम्बावगढ़ से बाइक पर अमराई की तरफ जा रहा था, जहां बीच स्वरूप विलास होटल के सामने से गुजरते समय पिछे से आए अयूब खां पुत्र अल्लानूर निवासी महावत वाड़ी घंटाघर ने रोक कर बड़े पिता पर चाकू से हमला कर फरार हो गया। घायल बडे पिता को चिकित्सालय में भर्ती करवाया जहां उसकी मौत हो गई। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने के बाद न्यायालय में चालना पेश किया गया। इस पर न्यायालय अपर सेशन न्यायाधीन क्रम संख्या-2 उदयपुर के पीठासिन अधिकारी दमयन्ती पुरोहित ने मामले मौके से मिले साक्ष्यों को देखने के बाद एवं गवाहनों की सूनने के बाद आरोपी अयूब खान उर्फ मटुरिया को दोषी पाए जाने पर आवजीन कारावास एवं 25 हजार रूपये अर्थदंड का आदेश पारित किया।

## घायल युवती ने दम तोड़ा

**कोटा,** (निसं)। देहीखेड़ा थाना इलाके के लबान के समीप गत दिनों ट्रक पलटा खाने से घायल हुए श्रद्धालुओं में से एक घायल युवती ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

पुलिस ने बताया कि गोहाटा निवासी लक्ष्मी पैदल परिवार के अन्य सदस्यों व अन्य लोगों के साथ पैदल चौथ का बरवाड़ा जाते समय लबान के समीप एक ट्रक अनियंत्रित होकर श्रद्धालुओं पर पलट गया था। हादसे में लक्ष्मी घायल हो गई थी, जिसने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। मृतका के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। हादसे में मृतकों की संख्या चार हो गई है।

# अस्सी लाख का डोडा-चूरा से भरी कार जब्त

**उदयपुर,** (निसं)। गोगुन्दा थाना पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान अस्सी लाख का अवैध अफीम डोडा-चूरा से भरी कार जब्त की।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उप अधीक्षक गोपाल चंदेल के सुपरविजन में गोगुन्दा थानाधिकारी श्यामसिंह मय टीम ने गोगुन्दा से सायरा जाने वाली रोड़ पर नाकाबंदी के दौरान तरपाल की तरफ से आई कार को रूकने का इशारा किया। चालक द्वारा कार भगा ले जाने पर पिछा कर टायर बर्स्ट किए। इसके बावजूद झाड़ोली गांव से आगे हाईवे के पास रोड़ पर चालक गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। इस पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर तलाशी ली तो कार में 17 प्लास्टिक के कट्टे में 361.947 किलोग्राम अवैध अफीम डोडा-चूरा पाया गया। इस पर कार मय डोडा-चूरा जब्त कर प्रकरण दर्ज किया।

**अवैध शराब से भरी कार जब्त :** उदयपुर शहर के प्रतापनगर थाना पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान अवैध शराब से भरी कार जब्त कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक सूर्यवीरसिंह के सुपरविजन में प्रतापनगर थानाधिकारी राजेन्द्रसिंह चारण मय टीम एवं डीएसटी टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए अवैध 12 कर्टन शराब मय कार व दो फर्जी नंबर प्लेटें जब्त कर तस्कर नारायण पुत्र इन्द्रमल निवासी दरोली डबोक तथा रामनिवास पुत्र रतनाराम निवासी वाड़ा भाढवी थाना बागड़ों जालोर को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज किया।


**कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति, गोविन्दगढ़ (अलवर)**
क्रमांक :- 400 - 411 दिनांक :- 07/01/2026
**Notice Inviting Bid (NIB 06/2025-26)**
Single stage, two-envelopes unconditional e-bids are invited from manufacturers/direct importers/Authorized Dealer on behalf of the Krishi Upaj Mandi Samiti Govindgarh for the procurement of Oil Testing Machine /NIR Grain Analyser. Details may be seen in the Bidding Document at the office of the Krishi Upaj Mandi Samiti, Govindgarh or State Public Procurement Portal website https://sppp.rajasthan.gov.in. or on departmental website https://agriculture.rajasthan.gov.in/dam or https://eproc.rajasthan.gov.in. The bidding document may be downloaded from either of the above websites and uploaded duly filled in with payment of Rs. 1180/- through banker's cheque/demand draft in favour of Secretary, Krishi Upaj Mandi Samiti, Govindgarh payable at Govindgarh, Details of bid are following:-

| Sr. No. | Bid Title | Estimated Cost (In Lakhs) | UBN No. |
|---|---|---|---|
| 1 | Supply and Installation of Oil Testing Machine-NIR/Grain Analyser | 15.00 | DAM2526GLRC01124 |

Raj.Samwad/C/25/17288 Administrator Secretary


# भीलवाड़ा के रायसिंहपुरा स्थित फैक्टरी में दो युवकों की संदिग्ध मौत

## घटना की निष्पक्ष जांच की मांग, परिजनों और समाज के लोगों में आक्रोश

**भीलवाड़ा,** (निसं)। जिले के रायसिंहपुरा में एक फैक्टरी में दो युवकों की संदिग्ध मौत से हड़कंप मच गया है। घटना के बाद से ही परिजनों और समाज के लोगों में भारी आक्रोश है। महात्मा गांधी अस्पताल की मोर्चरी के बाहर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गय और निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं।

मामला जिले के रायसिंहपुरा क्षेत्र स्थित सीताराम फैक्टरी का है। यहां काम करने वाले दो युवकों नानोदिया निवासी कमलेश गुर्जर और जिंद्रास निवासी गजानंद गाडरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सुबह जब दोनों के शव महात्मा गांधी अस्पताल लाए गए, तो खबर आग की तरह फैल गई। सूचना मिलते ही गुर्जर और गाडरी समाज के सैकड़ों लोग अस्पताल और फैक्टरी के बाहर जमा हो गए। परिजनों

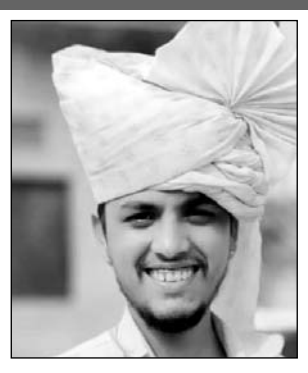

मृतक युवकों कके फाइल फोटो।

का आरोप है कि फैक्टरी प्रबंधन की गंभीर लापरवाही के चलते यह हादसा हुआ है। उन्होंने मौत को संदिग्ध बताते हुए इसे हत्या या बड़ी साजिश की आशंका जताई है। मोर्चरी के बाहर माहौल काफी तनावपूर्ण बना हुआ है। इधर, स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस और प्रशासन के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। वहीं,

- परिजनों का आरोप है कि फैक्टरी प्रबंधन की लापरवाही से हादसा हुआ है, मौत को संदिग्ध बताते हुए हत्या या साजिश की आशंका जताई

मांडल विधायक भी मोर्चरी पहुंचे और पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उन्हें न्याय का भरोसा दिलाया। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारणों का खुलासा हो पाएगा। तब तक प्रशासन लोगों से संयम बरतने की अपील कर रहा है।

## चोरी का आरोपी गिरफ्तार

**कोटा,** (निसं)। बोरखेड़ा थाना इलाके के प्रताप नगर में एक मकान में रोशनदान से चोरी करने की नियत से घुसे चोरी के दर्ज मामले में पकड़े गये आरोपी के फरार साथी आरोपी को पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार किया है। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि बोरखेड़ा इलाके के प्रताप नगर में एक मकान में चोरी करने की नियत से रोशनदान के जरिये घुसने के प्रयास के दौरान चोर के रोशनदान में फंसने की सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर चोर को गिरफ्तार किया और मौके से उसका साथी फरार हो गया था।

शहर एसपी ने बताया कि मामले में 5 जनवरी को फरियादी ने थाने में रिपोर्ट दी थी। रिपोर्ट के बाद मामला दर्ज किया एवं फरार मुख्य आरोपी के साथी की तलाश के लिये बोरखेड़ा थानाधिकारी अनिल कुमार टेलर के नेतृत्व में टीम गठित की गई। गठित टीम ने कार्रवाई करते हुए फरार आरोपी बोरखेड़ा निवासी लालबीर सिंह उर्फ दीपू को गिरफ्तार किया।


**जयपुर विकास प्राधिकरण**
इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004
क्रमांकः जविप्रा/व.उ.वि./2025-26/43-49 दिनांक : 05.01.2026
**पूर्णकालीन बिड सूचना सं.-जविप्रा/व.उ.वि./2025-26/43-49**
आयुक्त, जयपुर विकास प्राधिकरण की ओर से प्राधिकरण के उद्यानिकी प्रवर्ग की उचित श्रेणी में पंजीकृत बोलीदाताओं एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के सभी विभागों में 'अअ' व 'अ' श्रेणी में पंजीकृत बोलीदाताओं से ई-बिड (E-Procurement) निम्न विवरणानुसार आमंत्रित की जाती है:-

| S. N. | NIB No. | Name of Work | Tender Amount (In Lakh) | Sale/Download Date and End Date | Open Date | Job. No. |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 43 | Development and Maintenance of Narayan Vihar sector Road Medians (Narayan Sagar A to Vande Matram road & Narayan Vihar Police Station to Vande Matram road & sector road for 2 year in H.Zone-II UBN No. : JDA2526WSOB00573 | 85.01 | 07.01.26 16.01.26 | 21.01.26 | 291/ 2025-26 |
| 2 | 44 | Maintenance of Jawahar Circle in H.Zone-I for 2 year. UBN No. : JDA2526WSOB00574 | 131.21 | 07.01.26 16.01.26 | 21.01.26 | 293/ 2025-26 |
| 3 | 45 | Maintenance of Jawahar Circle outer ring with 2 year maintenance UBN No. : JDA2526WSOB00575 | 43.28 | 07.01.26 16.01.26 | 21.01.26 | 302/ 2025-26 |
| 4 | 46 | Maintenance of Nilay Kunj 3 Nos. park with 2 year. UBN No. : JDA2526WSOB00576 | 24.94 | 07.01.26 16.01.26 | 21.01.26 | 303/ 2025-26 |
| 5 | 47 | Development and maintenance of Sultan Nagar Greenbelt under HT line with 2 year maintenance. UBN No. : JDA2526WSOB00577 | 78.32 | 07.01.26 16.01.26 | 21.01.26 | 304/ 2025-26 |
| 6 | 48 | Maintenance of existing park and development of new parke in H.Zone III with 2 years maintenance. UBN No. : JDA2526WSOB00578 | 168.43 | 07.01.26 16.01.26 | 21.01.26 | 307/ 2025-26 |
| 7 | 49 | Development and Maintenance of New Sanganer road SFS Chauraha to Kisan Dharam Kanta for 2 years in H-Zone-II. UBN No. : JDA2526WSOB00579 | 191.89 | 07.01.26 16.01.26 | 21.01.26 | 312/ 2025-26 |

नोट :-
1. बिड को बिना कारण बताये निरस्त किया जा सकता है।
2. बिड E-Procurement के जरिए प्राप्त की जायेगी। बोलीदाता द्वारा पंजीयन प्रमाण-पत्र की प्रति प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
3. बिड से सम्बन्धित शर्तें वेबसाईट www.jda.rajasthan.gov.in, http:/eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in पर अथवा वरिष्ठ उद्यानविज्ञ के कार्यालय (कमरा नं. NB SF-204) में देखी जा सकती है।
राज.संवाद/सी/25/17294 वरिष्ठ उद्यानविज्ञ


# जोधपुर शहर में बर्फीली हवाओं से आमजन प्रभावित

- कलैक्टर के आदेश हवा हुए, कई निजी स्कूलें दस बजे से पहले खुली, शीतलहर के बीच कंपकंपाते हुये बच्चे स्कूल पहुंचे

**जोधपुर,** (कासं)। उत्तरी भारत में छाई ठंड का असर अब जोधपुर में भी देखने को मिल रहा है। कड़ाके की सर्दी और कोल्ड वेव के कारण शहर का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। जहां पहले सूर्योदय सवेरे हुआ करता था, वहीं अब सूर्य निर्धारित समय से एक से डेढ़ घंटे बाद नजर आ रहे हैं। ठंड के कहर ने स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों की कार्यप्रणाली को भी प्रभावित किया है। शहर में ठंड के कारण बच्चों को राहत देने के लिए जिला प्रशासन ने सरकारी और निजी स्कूलों का समय बदला है। अब ये स्कूल सुबह 10 बजे से शुरू होंगे, जबकि आंगनबाड़ी केंद्रों को अगले आदेश तक बंद रखने का फैसला लिया गया है। हालांकि, इन आदेशों का पालन सभी स्कूलों में नहीं हो रहा है। कई बड़े निजी स्कूलों ने कलैक्टर के आदेशों की अवहेलना की है।

शहर में बुधवार का अधिकतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ जबकि न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस रहा। सर्दी का यह सितम फिलहाल जारी रहने की संभावना है। जिला कलैक्टर गौरव अग्रवाल ने इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए सभी सरकारी और निजी स्कूलों को सुबह 10 बजे से संचालित करने के आदेश दिए हैं, लेकिन परीक्षा पूर्व निर्धारित समय पर ही होगी। हालांकि इन आदेशों की कई निजी स्कूलों ने अवहेलना की। कई निजी स्कूलों ने आदेशों को ताक पर रखकर बच्चों को सुबह नौ बजे व साढ़े नौ बजे ही बुला लिया। इसका सोशल मीडिया पर विरोध देखने को मिला। कुछ स्कूलों ने पैरेंट्स को मैसेज कर बच्चों को सुबह 8.15 बजे स्कूल बुलाया है तो कुछ ने नर्सरी, केजी व प्रेप कक्षाओं के बच्चों को 9.45 बजे बुलाया।

# फायर टेक्नीशियन कोर्स के फर्जी प्रमाण-पत्र जारी करने वाली संस्था का निदेशक गिरफ्तार

**जयपुर।** स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भर्ती परीक्षाओं में अभ्यर्थियों को फर्जी डिग्रियां उपलब्ध कराने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। एसओजी ने फायर टेक्नीशियन, फायरमैन और लाइब्रेरियन कोर्स की बैक डेट में फर्जी डिग्रियां जारी करने वाली निजी संस्था भारत समाज सेवक (बीएसएस) इंस्टीट्यूट, चेन्नई के निदेशक अरुल ग्नाना मोइसन को गिरफ्तार किया है। आरोपी को एसओजी की टीम चेन्नई से गिरफ्तार कर जयपुर लाई है।

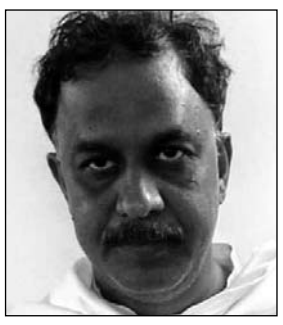

निदेशक अरुल ग्नाना मोइसन

- फायरमैन और लाइब्रेरियन कोर्स की बैक डेट में फर्जी डिग्रियां जारी करने वाली निजी संस्था भारत समाज सेवक (बीएसएस) इंस्टीट्यूट, चेन्नई के निदेशक अरुल ग्नाना मोइसन को गिरफ्तार किया

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि राजस्थान की विभिन्न भर्ती परीक्षाओं, विशेषकर फायरमैन और लाइब्रेरियन भर्ती में फर्जी डिग्रियों की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। जांच के दौरान भारत समाज सेवक (बीएसएस) संस्थान संदिग्ध पाया गया। प्रारंभिक स्तर पर पटवारी भर्ती से जुड़ी शिकायतों की भी जांच की गई, लेकिन वहां गड़बड़ी नहीं मिली। इसके बाद जांच का फोकस फायरमैन भर्ती पर किया गया, जहां बीएसएस संस्थान से बैकडेट में डिग्रियां जारी होने के ठोस सबूत सामने आए।

एसओजी ने पहले एक आरोपी को गिरफ्तार किया। पूछताछ के आधार पर हिंडौन (करौली) स्थित एएस फायर सेफ्टी इंस्टीट्यूट के संचालक श्यामवीर को गिरफ्तार किया गया। तलाशी में सामने आया कि यह संस्थान बीएसएस से एफिलिएटेड है। इसके बाद एसओजी ने बीएसएस के चेन्नई और दिल्ली स्थित कार्यालयों की तलाशी ली, जहां बड़ी संख्या में बैकडेट में जारी की गई डिग्रियों और प्रमाण-पत्रों से जुड़े दस्तावेज बरामद हुए। सबूत जुटाने के बाद कोर्ट से वारंट प्राप्त कर बीएसएस के निदेशक अरुल ग्नाना मोइसन को चेन्नई से गिरफ्तार किया गया।

एसओजी के डीआईजी परिस देशमुख ने बताया कि जांच में स्पष्ट हुआ है कि भारत समाज सेवक (बीएसएस) संस्थान को यूजीसी या किसी भी वैधानिक संस्था से कोई मान्यता प्राप्त नहीं है। इसके बावजूद यह संस्थान वॉकेशनल कोर्स के नाम पर फायरमैन, फायर टेक्नीशियन, लाइब्रेरियन सहित कई कोर्सेज की डिग्रियां जारी कर रहा था।

जांच में सामने आया कि बीएसएस ने फ्रेंचाइजी मॉडल पर काम करते हुए देशभर में अपने नेटवर्क का विस्तार किया। संस्था से करीब 10 हजार इंस्टीट्यूट जुड़े, जिनमें से लगभग 7 हजार अभी सक्रिय हैं। इन संस्थानों और दलालों के माध्यम से हजार से अधिक कोर्सेज की डिग्रियां ऑन-डिमांड जारी की जाती थीं।पड़ताल में यह भी सामने आया कि हर इंस्टीट्यूट का एक दलाल होता था, जो अभ्यर्थियों को झांसे में लेकर उनकी जानकारी बीएसएस कार्यालय भेजता था। इसके बाद मांगी गई तारीख के अनुसार बैक डेट में डिग्री और प्रमाण-पत्र जारी कर दिए जाते थे।एसओजी अधिकारियों के अनुसार आरोपी से पूछताछ जारी है और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है। आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां संभव हैं।

एसओजी ने आमजन और नियोजक संस्थाओं से अपील की है कि किसी भी डिग्री या प्रमाण-पत्र के आधार पर चयन से पहले उसका पूर्ण और विधिवत सत्यापन अवश्य करें।

# आरपीएससी सचिव बताए नोटिस तामील के बाद भी पक्ष रखने के लिए कोई उपस्थित क्यों नहीं : हाईकोर्ट

**जयपुर।** राजस्थान हाईकोर्ट ने सहायक अभियोजन अधिकारी भर्ती-2024 से जुड़े मामले में आरपीएससी सचिव को 8 जनवरी को सुनवाई के दौरान वीसी से जुडने के आदेश दिए हैं। अदालत ने कहा कि इस दौरान सचिव सभी जरूरी दस्तावेज भी साथ रखे। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश सृष्टि सिंघल व अन्य की ओर से दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि मामले में नोटिस जारी करने के बाद उनकी तामील में हो चुकी है, लेकिन आयोग की ओर से कोई पेश नहीं हुआ और केस के ओआईसी भी हाजिर नहीं हुए। ऐसे में आयोग सचिव इस संबंध में अपना उचित स्पष्टीकरण दें।

- आरपीएससी सचिव को 8 जनवरी को सुनवाई के दौरान वीसी से जुडने के आदेश दिए

याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने अदालत को बताया कि आरपीएससी ने सहायक अभियोजन अधिकारी के 180 पदों भर्ती निकाली थी। जिसमें मुख्य परीक्षा में करीब तीन हजार अभ्यर्थी शामिल हुए। वहीं आयोग ने इनमें से सिर्फ 4 अभ्यर्थियों को ही सफल घोषित किया और आयोग के परिणाम के अनुसार अन्य अभ्यर्थी न्यूनतम अनिवार्य चालीस फीसदी अंक भी नहीं ला सके। याचिका में कहा गया कि भर्ती परीक्षा में शामिल कई अभ्यर्थी ऐसे भी हैं, जिन्होंने राजस्थान न्यायिक सेवा परीक्षा में चालीस फीसदी से अधिक अंक हासिल किये थे। आरजेएस परीक्षा सहायक अभियोजन अधिकारी भर्ती परीक्षा से कहीं अधिक कठिन परीक्षा मानी जाती है। इसके बावजूद ऐसे अभ्यर्थियों को इस परीक्षा में असफल कर दिया गया।

याचिका में कहा गया कि आयोग की ओर से जारी यह परिणाम मनमाना, अव्यावहारिक और संविधान के मूल अधिकारों के खिलाफ है। याचिका में आशंका जताई गई है कि परीक्षा के मूल्यांकन में त्रुटिपूर्ण मॉडल उत्तर और अत्यधिक कठोर अंकन कर मषीनी अंदाज में कॉपियां जांची गई है। ऐसे में परीक्षा परिणाम को रद्द कर नए सिरे उत्तर पुस्तिकाओं की जांच कर संशोधित परिणाम जारी किया जाए।

## 1.25 लाख की अवैध शराब जब्त

**जयपुर।** ब्रह्मपुरी थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तस्करी के जरिए उदयपुर से आनंद (गुजरात) भेजी जा रही करीब 1 लाख 25 हजार रुपये मूल्य की अवैध शराब जब्त की है। तस्कर शराब को कलर पेंट की बाल्टियों पर पशु आहार का लेबल लगाकर सील पैक कर ट्रांसपोर्ट कंपनी के माध्यम से भेज रहे थे। फिलहाल पुलिस जांच पड़ताल मे जुटी है।पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करन शर्मा ने बताया कि पुलिस को जयपुर गोल्डन ट्रांसपोर्ट कंपनी में संदिग्ध सामग्री की सूचना मिली थी। इस पर अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर प्रथम नीरज पाठक के सुपरविजन और सहायक पुलिस आयुक्त आमेर सुरेंद्र सिंह राणावत के निर्देशन में त्वरित कार्रवाई की गई। इसके बाद थानाधिकारी राजेश गौतम के नेतृत्व में उप निरीक्षक जगदीश नारायण के साथ हैड कांस्टेबल संजय जाखड़, उमेश चंद , प्रदीप , सुरेश और कांस्टेबल रलीराम की टीम गठित की गई।

## पांच आरोपित गिरफ्तार

**जयपुर।** चित्रकूट थाना पुलिस ने ऑनलाइन सट्टेबाजी के एक मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि इन आरोपियों को दुबई से संचालित नंबरों के माध्यम से सट्टेबाजी के लिए आईडी (लाइन) उपलब्ध करवाई जा रही थी। पुलिस अब इस मामले में दुबई कनेक्शन की भी गहन जांच कर रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम हनुमान प्रसाद मीणा ने बताया कि चित्रकूट थाना पुलिस ने ऑनलाइन सट्टेबाजी के एक मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए

अजमेर निवासी साहिल खान के साथ नागौर निवासी इब्राहिम खान, दौलत अली, इमरान खान और जाकिर हुसैन को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इनके साथ एक नाबालिग को भी निरुद्ध किया गया है। पुलिस कार्रवाई में आरोपियों के पास से 50 से अधिक बैंक खाते मिले हैं। जिनमें सट्टेबाजी की रकम ट्रांसफर की जा रही थी। पुलिस ने इन खातों में करीब दो लाख रुपये की रकम होल्ड भी करवा दी है।

# मनरेगा पर आलाकमान की भाषा बोल रहे सीएम : टीकाराम जूली

**जयपुर।** नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने मनरेगा को लेकर सीएम भजनलाल शर्मा के बयान पर पलटवार किया है। जूली ने कहा कि सीएम का मनरेगा के बदले हुए प्रावधानों का समर्थन करना राजस्थान के ग्रामीण परिवेश और गरीब वर्ग की पीठ में छुरा घोंपने जैसा है। यह विडंबना है कि जिस पंचायती राज व्यवस्था से अपना राजनीतिक सफर शुरू करने वाले भजनलाल शर्मा से गांवों को उम्मीद थी, वे आज ग्राम सभाओं के अधिकारों का गला घोंटने वाली योजना के ब्रांड एंबेसडर बन गए हैं।

- जूली ने कहा कि, जिस व्यवस्था ने उन्हें पहचान दी, आज उसे ही कमजोर करने में वे केंद्र का सक्रिय हिस्सा बन रहे हैं। यह सिर्फ राजनीतिक अवसरवाद नहीं, बल्कि ग्रामीण लोकतंत्र के साथ ऐतिहासिक विश्वासघात है। यह राजस्थान का दुर्भाग्य है कि मुख्यमंत्री स्वयं ग्रामीण परिवेश से होने के बावजूद दिल्ली के आलाकमान की भाषा बोल रहे हैं

जूली ने कहा कि, जिस व्यवस्था ने उन्हें पहचान दी, आज उसे ही कमजोर करने में वे केंद्र का सक्रिय हिस्सा बन रहे हैं। यह सिर्फ राजनीतिक अवसरवाद नहीं, बल्कि ग्रामीण लोकतंत्र के साथ ऐतिहासिक विश्वासघात है। यह राजस्थान का दुर्भाग्य है कि मुख्यमंत्री स्वयं ग्रामीण परिवेश से होने के बावजूद दिल्ली के आलाकमान की भाषा बोल रहे हैं। वे राजस्थान के हितों की रक्षा करने के बजाय केवल दिल्ली के संदेशवाहक बनकर रह गए हैं।

जूली ने कहा कि, अब तक मनरेगा का खर्च केंद्र सरकार उठाती थी, लेकिन अब इसे 60:40 के अनुपात में बांटकर राज्यों पर 40 प्रतिशत फंड का बोझ डालना तानाशाही है। इससे राजस्थान के विकास पर प्रतिकूल असर पड़ेगा और राज्य का खजाना खाली होगा। यह सीधे तौर पर संघीय ढांचे को नष्ट करने की साजिश है।

जूली ने कहा- वीबी जी राम जी केवल नाम बदलना नहीं, बल्कि मनरेगा के मूल सिद्धांतों पर हमला है। मनरेगा एक कानूनी अधिकार था, जबकि नई योजना इसे केंद्र की मर्जी पर निर्भर बनाना चाहती है। मनरेगा ने गांवों में रोजगार देकर पलायन रोका और महिलाओं को आर्थिक संबल दिया। भाजपा को गांधी और मनरेगा, दोनों खटकते हैं, इसलिए इस हक को छीनने की साजिश रची गई है।जूली ने सवाल किया कि क्या मुख्यमंत्री दिल्ली की कुर्सी बचाने के लिए प्रदेश के गरीब मजदूरों के हक की बलि चढ़ा देंगे? उन्होंने चेतावनी दी कि कांग्रेस पार्टी इस जनविरोधी नीति का सदन से लेकर सड़क तक कड़ा विरोध करेगी।

## ड्रोन व पतंग उड़ाने पर प्रतिबंध

**जयपुर।** राजस्थान पुलिस अकादमी शास्त्री नगर में 10 जनवरी 2026 को प्रस्तावित वीवीआईपी के आगमन कार्यक्रम को लेकर जयपुर पुलिस कमिश्नरेट ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। वीवीआईपी की सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावित होने की आशंका को देखते हुए पुलिस अकादमी क्षेत्र के आसपास ड्रोन और पतंग उड़ाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है।धारा 163 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह आदेश जारी किया है।

# सरकार के प्रार्थना पत्र पर निचली अदालत करे फैसला

**जयपुर।** राजस्थान हाईकोर्ट ने एकल पट्टा प्रकरण में कहा है कि निचली अदालत राज्य सरकार के उस प्रार्थना पत्र पर फैसला करे, जिसमें उसने अभियोजन वापसी के आवेदन में कार्रवाई नहीं चाहते हुए यह केस आगे चलाने की मंजूरी मांगी है। अदालत ने कहा कि राज्य सरकार ने इस संबंध में निचली कोर्ट के समक्ष एक औपचारिक प्रार्थना पत्र दायर किया है। इसलिए इस मुद्दे पर निर्णय निचली कोर्ट की ओर से कानूनी प्रावधानों के अनुसार किया जाएगा। एक्टिंग सीजे एसपी शर्मा ने यह आदेश शांति धारीवाल व अन्य की ओर से दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से पैरवी एएसजी एसवी राजू व एएजी शिवमंगल शर्मा ने और विशेष अभियोजक अनुराग शर्मा ने की। एएजी शिवमंगल शर्मा ने बते गाया कि हाईकोर्ट के इस निर्देश के बाद यह भी स्पष्ट हो चुका है कि अब निचली कोर्ट के आदेश के बाद ही तत्कालीन एसीएस जीएस संधू, उपायुक्त निष्काम दिवाकर और जोन उपायुक्त रहे ओंकारमल सैनी की रिवीजन याचिकाओं पर सुनवाई होगी। गौरतलब है कि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एक दिसंबर 2025 के आदेश से पूर्व मंत्री शांति धारीवाल को राहत देते हुए राज्य सरकार को कहा था कि जब तक ट्रायल कोर्ट में क्लोजर रिपोर्ट के खिलाफ पेंडिंग प्रोटेस्ट पिटिशन में फैसला नहीं हो तब तक उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई नहीं करे। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने धारीवाल की एसएलपी को खारिज कर दिया था।

# महिंद्रा की एक्सयूवी7एक्सओ और एक्सईवी9एस का अनावरण

**जयपुर।** महिंद्रा एंड महिंद्रा ने राजस्थान की राजधानी जयपुर में होटल जयपुर मैरियट में अपनी दो नई दमदार एक्सयूवी7एक्सओ और एक्सईवी9एस का भव्य लॉन्च किया। यह कार्यक्रम बेहद शानदार रहा, जिसमें मौजूदा और नए ग्राहकों की बड़ी संख्या ने हिस्सा लिया।

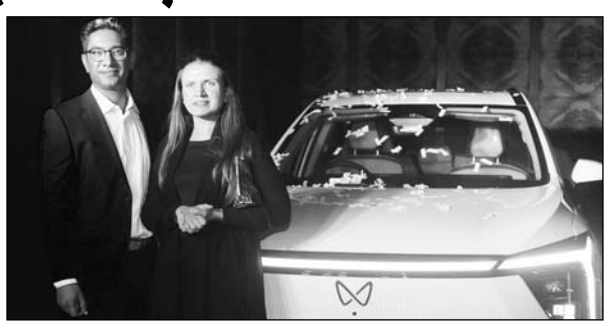

लॉन्च समारोह का उद्घाटन के एस मोटर्स के डीलर प्रिंसिपल के एस गहलोत, आराधना गहलोत ने किया ।

- इच्छुक ग्राहक इसे 14 जनवरी से बुक कर सकते हैं

लॉन्च समारोह का उद्घाटन के एस मोटर्स के डीलर प्रिंसिपल के एस गहलोत, करण गहलोत व आराधना गहलोत, ऑटोवर्ल्ड के अनुपम सांखला तथा निकित शाह, आरएसएम महिंद्रा एंड महिंद्रा व अन्य वरिष्ठ सदस्यों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम में दोनों वाहनों का अनावरण किया गया, जिसके बाद ग्राहकों ने इनकी विशेषताओं को करीब से देखा और आनंद लिया।

एक्सयूवी7एक्सओ के इस नए मॉडल की शुरुआती क़ीमत पेट्रोल वेरीएंट के लिए 13.66 लाख रुपए और डीज़ल वेरीएंट के लिए 14.96 लाख रुपए रखी गई है। ये क़ीमतें पहले 40,000 ग्राहकों के लिए इंट्रोडक्टरी एक्स-शोरूम हैं। नई एक्सयूवी7एक्सओ को पहले से ज़्यादा प्रीमियम डिज़ाइन, अपडेटेड केबिन और कई नए फीचर्स के साथ पेश किया गया है। इच्छुक ग्राहक इसे 14 जनवरी से बुक कर सकते हैं।

नई एक्सयूवी7एक्सओ को ग्राहक छह वेरीएंट्स में से चुन सकते हैं, जिसमें , 3, 5, 7, 7 और 7 शामिल हैं, जो चार इंजन ऑप्शन में आते हैं। इसके अलावा, इसे भारत एनकैप क्रैश टेस्ट में 5-स्टार रेटिंग मिली है।

महिंद्रा की ई-एसयूवी लाइनअप में 9, 6 और 400 के साथ शामिल हो गया है। क़ीमत 19.95 लाख रुपए (एक्स-शोरूम) से शुरू होती है।

महिंद्रा एक्सईवी9एस का डिज़ाइन इसे बाकी एसयूवीज़ से अलग बनाता है। इसमें एक ब्लैंक्ड-आउट ग्रिल, एल आकार के एलईडी डीआरएल्स, वर्टिकल प्रोजेक्टर हेडलैम्प्स और फ्रंट फेशिया पर एक पिक्सल स्टाइल एलईडी लाइट बार मिलता है।

# मनरेगा का नाम बदलने पर छिड़ा सियासी संग्राम

**जयपुर।** देश की सबसे बड़ी ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना "मनरेगा" को लेकर केंद्र और विपक्ष के बीच सियासी जंग तेज हो गई है। बीजेपी सरकार द्वारा योजना का नाम बदलकर वीबी-जी-राम-जी करने और इसमें किए गए बदलावों के विरोध में कांग्रेस ने देशव्यापी आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। राजस्थान में कांग्रेस ने 8 जनवरी से लेकर 25 फरवरी तक के विरोध प्रदर्शनों का पूरा कैलेंडर जारी कर दिया है।

कांग्रेस नेतृत्व का कहना है कि मनरेगा ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी है। पार्टी का आरोप है कि केंद्र सरकार नाम बदलकर और नियमों में बदलाव कर इस ऐतिहासिक योजना को कमजोर करना चाहती है। राजस्थान कांग्रेस ने इस मुद्दे को गांव-गांव तक ले जाने की रणनीति बनाई है।

जहां एक तरफ कांग्रेस मनरेगा बचाओ के नारे के साथ सड़कों पर उतर रही है। वहीं बीजेपी ने भी वीबी-जी-राम-जी के पक्ष में माहौल बनाने के लिए एक विशेष कमेटी का गठन किया है।

आने वाले दिनों में राजस्थान की राजनीति में यह मुद्दा शहर से लेकर गांव की चौपालों तक चर्चा का केंद्र बना रहेगा। विपक्ष के हमलों का जवाब देते हुए राजस्थान बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि मनरेगा में लंबे समय से फर्जीवाड़ा और भ्रष्टाचार फल-फूल रहा था। फर्जी जॉब कार्ड सरपंचों के पास मिलते थे और मजदूरों के हक का पैसा बिचौलिए खा रहे थे।

- राजस्थान में 10 जनवरी से कांग्रेस का हल्लाबोल

नए कानून के जरिए भ्रष्टाचार पर रोक लगाए हुए पारदर्शिता लाई गई है। सरकार ने रोजगार के दिन 100 से बढ़ाकर 125 दिन कर दिए हैं। राठौड़ ने कहा कि आजीविका मिशन के शब्दों को जोड़ने से यदि राम नाम बन गया, तो इस पर आपत्ति करना कांग्रेस की मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने दावा किया कि 2004 से अब तक खर्च हुए कुल 11.74 लाख करोड़ रुपये में से 8.53 लाख करोड़ रुपये अकेले बीजेपी सरकार ने खर्च किए हैं।

## उपमुख्यमंत्री ने कलश यात्रा का किया शुभारंभ

**जयपुर।** विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के निंदड़ में आयोजित होने जा रही जगद्गुरु परम आदरणीय स्वामी रामभद्राचार्य जी की दिव्य श्रीराम कथा एवं 1008 कुंडीय श्री हनुमान महायज्ञ से पूर्व बुधवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई। इस ऐतिहासिक और आध्यात्मिक यात्रा में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सहभागिता निभाते हुए विधिवत पूजा-अर्चना के बाद कलश यात्रा को रवाना किया। कलश यात्रा कुकरखेड़ा मंडी से प्रारंभ होकर निंदड़ स्थित यज्ञ स्थल तक पहुंची। इस दौरान महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर भक्ति और श्रद्धा के साथ यात्रा में भाग लिया। मार्ग में जगह-जगह भव्य स्वागत द्वार बनाए गए, वहीं जय श्रीराम के गगनभेदी जयघोष से पूरा क्षेत्र धर्ममय वातावरण से सराबोर हो गया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि भक्ति, श्रद्धा और उत्साह से परिपूर्ण इस कलश यात्रा में मातृशक्ति की अभूतपूर्व सहभागिता ने आयोजन को और भी दिव्य बना दिया है।उन्होंने इस भव्य एवं अनुकरणीय आयोजन के लिए समस्त आयोजक मंडल को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

## सार-समाचार

### विकसित भारत में पुलिसिंग विषय पर राज्य स्तरीय पुलिस सम्मेलन आज से

**जयपुर ।** विकसित भारत में पुलिसिंग विषय पर राज्य स्तरीय पुलिस सम्मेलन 8 व 9 जनवरी को राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर में आयोजित किया जाएगा। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एवं निदेशक संजीव कुमार नार्जरी राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर ने बताया कि इस कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार भजनलाल शर्मा होंगे। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम, मुख्य सचिव राजस्थान वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह विभाग भास्कर ए.सावंत, उद्घाटन सत्र में शामिल होंगे। इस सम्मेलन में पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा व जयपुर मुख्यालय पर पदस्थापित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी तथा सभी रेंज आईजी, सभी जिला पुलिस अधीक्षक व अन्य पुलिस अधिकारी शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि पहले राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन देश के प्रथम गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा 12 जनवरी 1950 को नई दिल्ली में किया गया। इसी क्रम में 60 वॉ राष्ट्रीय डीजी/आईजी पुलिस सम्मेलन नवम्बर 2025 को माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मुख्य आतिथ्य में रायपुर छत्तीसगढ़ में आयोजित हुआ। जिसकी सिफारिशों के अनुक्रम में आयोजित होने वाले इस राज्य स्तरीय पुलिस सम्मेलन में 02 दिन में दस सत्र आयोजित होंगे। जिनमें विकसित भारत में पुलिसिंग सम्बन्धी विषयों पर महत्वपूर्ण व्याख्यान होंगे।

### जयपुर केंद्रीय कारागार में फिर मिला मोबाइल फोन

**जयपुर।** घाटगेट स्थित केंद्रीय कारागार में एक बार फिर सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। जेल प्रशासन द्वारा किए गए औचक निरीक्षण के दौरान जेल परिसर से मोबाइल फोन बरामद होने से हड़कंप मच गया। सूचना पर मौके पर पहुंची लाल कोठी थाना पुलिस ने मोबाइल फोन जब्त कर उसके ईएमआई नंबर और सिम नंबर के आधार पर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार जेल प्रशासन ने वार्ड नंबर-7 की बैरक नंबर-3 में स्थित टॉयलेट का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान टॉयलेट में छुपाकर रखा गया एक की-पैड मोबाइल फोन और सिम कार्ड बरामद हुआ। इसके बाद जेल प्रशासन ने तत्काल इसकी सूचना लालकोठी थाना पुलिस को दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जेल कारापाल अशोक कुमार की रिपोर्ट पर अज्ञात बंदी के खिलाफ मामला दर्ज किया। पुलिस अब बरामद मोबाइल फोन के ईएमआई नंबर और सिम कार्ड के माध्यम से यह पता लगाने में जुटी है कि मोबाइल किस बंदी का है और जेल के भीतर यह कैसे पहुंचा।

# 'कार्यकर्ता सुनवाई में आने वाले परिवादों के निस्तारण के लिए की जा रही है कार्यवाही'

**जयपुर।** भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय में बुधवार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर द्वारा कार्यकर्ता सुनवाई आयोजित की गई। इस कार्यकर्ता सुनवाई में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं ने अपनी समस्याएं, सुझाव एवं परिवाद मंत्री के समक्ष रखे।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर द्वारा कार्यकर्ता सुनवाई आयोजित का

- मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने बताया कि परिवादों में से लगभग 66 प्रतिशत मामले चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग से संबंधित रहे

कार्यकर्ता सुनवाई के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने बताया कि आज प्राप्त कुल परिवादों में से लगभग 66 प्रतिशत मामले चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग से संबंधित रहे, जबकि शेष परिवाद अन्य विभागों से जुड़े थे। अन्य विभागों से संबंधित परिवादों को संबंधित मंत्रियों को भेज दिया गया है, ताकि उनका शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार का स्पष्ट उद्देश्य है कि किसी भी कार्यकर्ता की समस्या लंबित न रहे। मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने बताया कि आज की सुनवाई में करीब 150 परिवाद प्राप्त हुए, जिनमें से अधिकांश तबादलों से संबंधित थे। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता सुनवाई जैसे कार्यक्रम सरकार और संगठन के बीच सेतु का कार्य करते हैं और जमीनी स्तर की वास्तविक समस्याओं को सामने लाते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार कार्यकर्ताओं की भूमिका को सर्वोपरि मानते हुए ऐसी सुनवाइयों के माध्यम से पारदर्शी एवं संवेदनशील प्रशासन देने के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं संगठन स्तर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ द्वारा कार्यकर्ताओं की समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता देने और संगठन को मजबूत करने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। कार्यकर्ता सुनवाई में प्रदेश मंत्री नारायण मीणा भी उपस्थित रहे।

## बकाया नगरीय विकास कर की वसूली के लिये टीम अलर्ट मोड पर

**जयपुर।** नगर निगम जयपुर के आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार मानसरोवर जोन में नगरीय विकास कर की बकाया राशि की वसूली को लेकर सख्त कार्रवाई की गई। इस क्रम में बुधवार को सिविल लाइंस जोन क्षेत्र में स्थित कुल 6 संपत्तियों पर बकाया नगरीय विकास कर की राशि की वसूली की कार्रवाई की गई। ये कार्रवाई जोन उपायुक्त लक्ष्मीकांत कटारा के नेतृत्व में राजस्व अधिकारी, प्रशासनिक एवं राजस्व विभाग की टीम द्वारा संयुक्त रूप से की गई।

कार्रवाई के दौरान संपत्तियों पर बकाया राशि जमा कराने हेतु कुर्कअ की प्रक्रिया अपनाई गई। जोन उपायुक्त लक्ष्मीकांत कटारा ने बताया कि कार्रवाई के दौरान राजस्व टीम द्वारा बकायदारों पर कुर्कअ की कारवाई की गई जिसमें दो संपत्तियों पर कुर्कअ की गई तथा शेष चार प्रकरणों में वारंट/कुर्कअ से पूर्व ही समझाइश के दौरान 11 लाख 71 हजार 998 रूपये बकाया नगरीय विकास कर जमा करवाया गया।

इसके अतिरिक्त झोटवाडा, वैशाली नगर जोन में भी राजस्व शाखा द्वारा 6 सम्पत्तियों पर नगरीय विकास कर राशि 79 लाख 84 हजार 390 रूपये की बकाया वसूली की गई।

- चार प्रकरणों में वारंट/कुर्कअ से पूर्व ही समझाइश के दौरान 11 लाख 71 हजार 998 रूपये बकाया नगरीय विकास कर जमा करवाया

नगर निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने कहा कि नगर निगम के बकाया नगरीय विकास कर की वसूली को लेकर किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी समय पर नगरीय विकास कर जमा नहीं करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कुर्कअ एवं सीज की कार्रवाई जारी रहेगी। शहर के विकास कार्यों के लिए राजस्व वसूली अत्यंत आवश्यक है।

नगर निगम जयपुर द्वारा स्पष्ट किया गया है कि आगामी दिनों में भी बकाया नगरीय विकास कर करदाताओं के विरुद्ध इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

# जल जीवन मिशन घोटाले में जांच का दायरा सीमित क्यों

**जयपुर।** राजस्थान हाईकोर्ट ने जल जीवन मिशन घोटाले से जुड़े मामले में की जा रही जांच को सिर्फ दो फर्मों तक सीमित रखने के मामले में ईडी और राज्य सरकार से जवाब देने को कहा है। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश पब्लिक अगेंस्ट करप्शन की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

- याचिकाकर्ता ने कई अन्य लोगों व फर्म के खिलाफ भी शिकायत दी थी

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता पीसी भंडारी और अधिवक्ता टीएन शर्मा ने कहा कि जल जीवन मिशन में हजारों करोड रुपए का घोटाला हुआ था।

इसके बावजूद भी केवल दो ठेका फर्म के खिलाफ ही एफआईआर दर्ज कर जांच की गई है। याचिकाकर्ता ने कई अन्य लोगों व फर्म के खिलाफ भी शिकायत दी थी, लेकिन केवल दो फर्मों के अलावा अन्य की ओर से किए गए फर्जीवाड़े की न तो जांच की गई और ना ही अब तक एफआईआर दर्ज की गई। याचिका में आरोप लगाया गया कि मामले में प्रभावशाली लोगों को बचाया जा रहा है। ईडी की ओर से एएसजी भरत व्यास ने कहा कि ईडी ने कुछ लोगों के खिलाफ कार्रवाई कर उन्हें गिरफ्तार भी किया है। याचिकाकर्ता की ओर से लगाए जा रहे आरोप बेबुनियाद हैं।

जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने याचिकाकर्ता के आरोपों का जवाब देने के लिए मामले की सुनवाई तीन सप्ताह बाद करना तय किया है।

# भरतपुर में बीएसएनएल ऑफिस में आग लगी, ट्रांसमिशन रूम जलने से नेटवर्क ठप

## बीएसएनएल के ट्रांसमिशन रूम में शार्ट सर्किट होने की वजह से आग लगना बताया जा रहा है

**भरतपुर,** (निसं)। शहर के कृष्णा नगर स्थित बीएसएनल ऑफिस में बुधवार दोपहर अचानक आग लगने से हड़कम्प मच गया। आग लगने से विभाग को काफी नुकसान हुआ है। आग लगने की सूचना मिलते ही अफरा-तफरी मच गई। विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी नीचे उतरकर सुरक्षित स्थान पर आ गये। आग से किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। हालांकि नुकसान काफी हुआ है। आग लगने की सूचना मिलने के बाद भी दमकल गाड़ियां काफी देरी से पहुंची। बाद में भरतपुर की चार दमकल गाड़ियों के अलावा उच्चैन एवं नदबई नगर पालिका से दमकलें बुलाई गई। आगजनी से बीएसएनल का नेटवर्क ठप्प हो गया और एक लाख से अधिक मोबाइल नेटवर्क और बैंक लाइन सीज़ हो गई।

भरतपुर में बीएसएनल ऑफिस में आग लगने से धुआं ही धुआं हो गया।

- आगजनी से बीएसएनल का नेटवर्क ठप हो गया और एक लाख से अधिक मोबाइल नेटवर्क और बैंक लाइन सीज़ हो गई

आग लगने की सूचना मिलने पर तहसीलदार अजय पारीक, संजय गुर्जर, नगर निगम के आरओ तेजराम मीणा, मथुरा गेट थाना अधिकारी देरावर सिह सहित पुलिस बल भी मौके पर पहुंचा। आग इतनी विकराल थी कि तीनों मंजिलों से धुआं ही धुआं निकल रहा था। करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। बताया गया कि बीएसएनल के ऑफिस में दो तीन साल पहले भी आग लगने की बड़ी घटना घटित हो चुकी है। बताया गया कि बीएसएनल के पास न तो फायर एनओसी थी, साथ ही आग बुझाने के यंत्र भी एक्सपायर थे, इसलिए नगर निगम ने बिल्डिंग सीज करने के नोटिस दिए थे। वहीं बीएसएनल के अधिकारियों का कहना है कि आग लगने के करीब 45 मिनट बाद दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची।

बीएसएनएल सब डिविजनल इंजीनियर प्रकाश शेखर एवं ब्रजभूषण पाराशर ने बताया कि बीएसएनएल के ट्रांसमिशन रूम में शार्ट सर्किट होने की वजह से आग लगी है। आग लगने के बाद दमकल विभाग को सूचना दी गई थी, लेकिन, दमकल की गाड़ियां एक घंटे की देरी से ही आई। उसमें भी पानी पर्याप्त नहीं था। आग से विभाग को काफी नुकसान हुआ है। बिल्डिंग के अंदर जाकर सभी चीजें देखी जाएगी उसके बाद ही नुकसान का अंदाजा लगाया जा सकेगा। नगर निगम के राजस्व अधिकारी तेजराम मीणा ने बताया कि फायर स्टेशन पर 2 बजे करीब आग लगने की सूचना मिली थी। बिल्डिंग में फायर इक्विपमेंट की जानकारी की गई तो, वह भी एक्सपायरी डेट के थे। फायर एनओसी नहीं होने के कारण नगर निगम ने बिल्डिंग सीज के नोटिस बीएसएनल को दिए थे। इसके साथ ही बीएसएनल ऑफिस की तरफ से यूडी टैक्स भी जमा नहीं करवाया गया था।

पूर्व मंत्री एवं विधायक डॉ. सुभाष गर्ग ने कहा कि भरतपुर के बीएसएनएल आफिस में लगी आग की घटना की जाँच कर यह पुख्ता व्यवस्था की जाए कि इस तरह की घटना दुबारा ना हो। जिला प्रशासन को तत्काल संज्ञान लेकर जांच कराई जाए जैसे कि मुझे जानकारी मिली कि भवन में फायर सेफ्टी का कोई सिस्टम ही नहीं था। यह अधिकारियों की बड़ी लापरवाही है। ऐसे जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जानी चाहिए।

बीएसएनएल सलाहकार समिति सदस्य एवं कांग्रेस पार्टी के जिला प्रवक्ता अशोक ताम्बी ने आग लगने के कारण एवं नुकसान की जांच की मांग की है। टेलीकॉम कंपनी बीएसएनएल में इस तरह की अप्रत्याशित घटना से सेवाओं में रुकावट (फ़ोन, इंटरनेट, ब्रॉडबैंड), ज़रूरी सेवाओं पर असर होने से अफरा-तफरी जैसे हालात बन सकते हैं। अशोक ताम्बी ने ग्राहकों के डाटा, जानकारी नष्ट होने पर चिंता जताई है।

# केकड़ी में दिनदहाड़े फायरिंग, प्रिंटिंग प्रेस संचालक गंभीर घायल

- आपसी रंजिश के चलते एक युवक ने साथियों के साथ मिलकर फायरिंग की, पेट और हाथ में गोली लगने से प्रिंटिंग प्रेस संचालक गंभीर रूप से घायल
- पुलिस ने मुख्य आरोपी अजय साहू को घटनास्थल के पास से गिरफ्तार किया

**केकड़ी,** (निसं)। शहर के सबसे व्यस्त व्यावसायिक क्षेत्र अजमेरी गेट पर बुधवार शाम उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब आपसी रंजिश के चलते एक युवक ने अपने साथियों के साथ मिलकर एक प्रिंटिंग प्रेस संचालक पर खुलेआम गोलियां चला दी। घटना में व्यापारी के पेट और हाथ में गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। फायरिंग की वारदात के बाद बाजार में दहशत फैल गई और भयभीत व्यापारियों ने आनन-फानन में अपनी दुकानें बंद कर दीं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अजमेरी गेट स्थित अम्बिका प्रिन्टर्स के संचालक महेन्द्र साहू (50) पुत्र दुर्गालाल साहू का केकड़ी निवासी अजय साहू के साथ लंबे समय से पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद चल रहा था। बुधवार शाम करीब चार बजे अजय साहू अपने कुछ साथियों के साथ महेन्द्र की दुकान पर पहुंचा। वहां दोनों के बीच कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते उग्र हो गई। इसी दौरान अजय ने पिस्टल निकालकर महेन्द्र पर फायर कर दिया। गोली लगते ही महेन्द्र लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से भागने लगे, लेकिन पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी अजय साहू को घटनास्थल के पास ही घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। उसके दो अन्य साथियों को बाद में पुलिस ने डिटेन कर लिया।

घायल व्यापारी को आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल राजकीय अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे अजमेर रेफर कर दिया। सूचना मिलते ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मील और पुलिस उप अधीक्षक हर्षित शर्मा पुलिस जाब्ते के साथ अस्पताल पहुंचे और घटनाक्रम की जानकारी ली।

एएसपी राजेश मील ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से आर्थिक लेनदेन को लेकर रंजिश चली आ रही है। पूर्व में भी दोनों ओर से मारपीट के मामले दर्ज हैं। सूत्रों के अनुसार विवाद पिछले कुछ दिनों से और गहराता जा रहा था तथा कुछ समय पहले पीड़ित के छोटे पुत्र पर भी हमला किया गया था। पूर्व घटनाओं के बावजूद विवाद का स्थायी समाधान नहीं हो सका, जिसके चलते मामला बुधवार को हिंसक रूप ले बैठा। फरार आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस ने विशेष टीमें गठित कर संभावित ठिकानों पर दबिश देना शुरू कर दिया है। साथ ही पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि आरोपी के पास हथियार कहां से आया और वारदात में उसके साथ कौन-कौन शामिल था। घटना के बाद क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ा दी गई है।

# डीडवाना कलैक्टर ने 70 चिकित्सा केंद्रों को पट्टे दिये

**डीडवाना,** (निसं)। जिला कलैक्टर डॉ.महेंद्र खड़गावत ने बुधवार को जिले में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रो के 70 पट्टे स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सा अधिकारियों को प्रदान किये। अतिरिक्त जिला कलैक्टर मोहन लाल खटनावलिया ने बताया कि जिला कलैक्टर डॉ. खड़गावत ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के कुल 70 पट्टे प्रदान किये हैं।

उन्होंने बताया कि जिला कलैक्टर द्वारा जिले के स्वास्थ्य संस्थानों की भूमि के पट्टे जारी करने के निर्देश दिए प्रदान किये थे। पूर्व में जिला कलैक्टर द्वारा जिले के 13 चिकित्सा संस्थानों व कार्यालयों को पट्टे प्रदान किये गए थे, इसी क्रम में बुधवार को जिले के 70 चिकित्सा केंद्रों को पट्टे जारी किये गए हैं। अतिरिक्त जिला कलैक्टर ने बताया कि चिकित्सा केंद्रों को पट्टे मिलने से स्वास्थ्य संस्थानों के भवन निर्माण एवं क्रमोंनत होने पर उनके विस्तार में किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी। उन्होंने बताया कि कलैक्टर के निर्देशन में जिला प्रशासन द्वारा भूमि आवंटन के साथ- साथ त्वरित अग्रिम कार्यवाही कर पट्टे जारी करने का कार्य प्राथमिकता से किया जा रहा है।

# टोंक में कोहरे से दो वाहन भिड़े

**टोंक,** (निसं)। निवाई उपखंड से गुजर रहे नेशनल हाईवे-52 पर स्थित आशाराम गौशाला के पास बुधवार सुबह घने कोहरे के कारण एक सड़क हादसा में खड़ी पिकअप गाड़ी को पीछे से तेज रफ्तार डंपर ने टक्कर मार दी। घटना में दोनों वाहन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए, हालांकि मौके पर कोई किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। इस दौरान गुजरे रहे राहगीरों ने बताया कि डेयरी की पिकअप सड़क किनारे खड़ी थी और उसके कार्मिक पास की एक दुकान पर दूध के कैरेट उतार रहे थे, तभी जयपुर से टोंक की ओर जा रहे डंपर ने घने कोहरे के कारण सड़क किनारे खड़ी पिकअप को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी।

# डीडवाना : ग्राम पंचायत कोयल को पंचायत मुख्यालय बनाए जाने का विरोध जारी

- ग्राम बादेड़ व बेड़ के सैकड़ों लोग कलैक्ट्रेट पहुंचे और पंचायत मुख्यालय ग्राम बादेड़ को बनाने की मांग की
- बादेड़ को मुख्यालय नहीं बनाने पर भूख हड़ताल करने तथा मतदान का बहिष्कार की चेतावनी दी
- पिछले चार दिन से उपखंड अधिकारी कार्यालय के सामने ग्रामीणों का धरना जारी है

**डीडवाना,** (निसं)। डीडवाना जिले में ग्राम पंचायतों के नए सिरे से पुनर्गठन और परिसीमन को लेकर जगह-जगह विरोध हो रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के लोग नई पंचायत समितियां और ग्राम पंचायतों के पुनर्गठन का विरोध जता रहे हैं। इसी क्रम में लाडनूं उपखंड की ग्राम पंचायत कोयल को ग्राम पंचायत मुख्यालय बनाए जाने का विरोध होने लगा है। इसके तहत बुधवार को ग्राम बादेड़ व बेड़ के सैकड़ों लोग जिला कलैक्ट्रेट पहुंचे और पंचायत मुख्यालय ग्राम बादेड़ को बनाने की मांग की।

इस दौरान बादेड़ ग्राम की महिलाओं ने जिला कलैक्टर कार्यालय के सामने महिलाओं ने राजस्थानी गीत गाकर विरोध प्रदर्शन किया। वहीं बादेड़ को मुख्यालय नहीं बनाने पर भूख हड़ताल करने तथा मतदान का बहिष्कार करने की चेतावनी दी। इस दौरान ग्रामीणों ने जिला कलैक्टर को बताया कि राज्य सरकार ने नवसृजित ग्राम पंचायत कोयल का गठन किया है, जिसमें ग्राम बेड़ व बादेड़ को भी शामिल किया गया है, लेकिन ग्राम पंचायत मुख्यालय कोयल को बनाया जाने से ग्राम बादेड़ व बेड़ के आम नागरिकों में भारी विरोध है।

उन्होंने बताया कि ग्राम बादेड़, ग्राम पंचायत मुख्यालय कोयल से जनसंख्या की दृष्टि से बड़ा गांव है। आबादी घनत्व एवं वोटर लिस्ट के अनुसार भी ग्राम बादेड़ में मतदाता संख्या भी ज्यादा है। इसके अलावा नवसृजित ग्राम पंचायतों में जनसंख्या की दृष्टि से बड़े गांव ही पंचायत मुख्यालय बनने के कानूनी दृष्टि से हकदार भी है। इसी प्रकार ग्राम बादेड़ मेघा हाईवे व आस-पास के गांवों के सम्पर्क सड़कों से भी जुड़ा हुआ है। गांव में सरकारी भूमि की भी पर्याप्त उपलब्धता है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में आधुनिक सुविधाओं से लेस सामुदायिक भवन भी बना हुआ है, जो गांव के बीच आबादी में पर्याप्त जगह पर बना हुआ है। इसके अलावा भी गांव शिक्षा, चिकित्सा, बिजली, पानी, सड़क जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध है। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम बादेड़ से कोयल की दूरी करीब 8 किमी है और ग्राम बादेड़ से कोयल की सीधी सड़क की कोई कनेक्टीविटि नहीं है। ग्राम बादेड़ पहले बाकलिया ग्राम मुख्यालय से जुड़ा हुआ था जो करीब 1.5 किमी दूर था और अब कोयल मुख्यालय बना देने से बादेड़ अब 8 किमी दूर हो गया है।

ग्रामीणों ने बताया कि पूर्व में सरकार को जो पत्र भेजा गया था, उसमें ग्राम पंचायत मुख्यालय बादेड़ को रखने की अनुशंसा की गई थी, लेकिन ग्राम पंचायत मुख्यालय कोयल को केवल मात्र राजतैनिक द्धषेता से बनाया गया है। जिसमें राज्य सरकार से जारी नियमों को पूर्णतया ताक में रखा गया है, जिसमें केवल आनन-फानन में मुख्यालय कोयल ट्रांसफर किया गया है, जबकि ऐसी कोई भी अर्हता ग्राम कोयल पूरी नहीं कर रहा है और मजबूरन ग्रामवासियों को सारे ज्ञापन देने के उपरांत और कोई कार्रवाई नहीं होने पर 4 जनवरी से उपखण्ड कार्यालय के सामने धरना देने को विवश होना पड़ रहा है।

# चोरी के आरोप में दो गिरफ्तार

**भीलवाड़ा,** (निसं)। जिले की रायपुर थाना पुलिस ने धार्मिक स्थलों पर चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने बोराणा के भैरूजी मंदिर में हुई चोरी के मामले में एक महिला और एक पुरुष को गिरफ्तार किया है।

रायपुर पुलिस ने मंदिर में हुई चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को दबोचा है। गिरफ्तार आरोपियों में मोहनदास वैष्णव और पुष्पा देवी शामिल हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से मंदिर से चुराया गया गैस सिलेंडर भी बरामद कर लिया है। जानकारी के अनुसार 23 दिसंबर 2025 की रात को चोरों ने बोराणा गांव के कोयड़ स्थित भैरूजी मंदिर और माताजी मंदिर को निशाना बनाया था। चोरों ने ताला तोड़कर वहां से चांदी के दो छत्र, एक नथ और गैस सिलेंडर चोरी कर लिया था। इस संबंध में 1 जनवरी को परिवादी घीसू गुर्जर ने मामला दर्ज करवाया था। जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव के निर्देश पर रायपुर थानाधिकारी शंभू दयाल की टीम ने तकनीकी साक्ष्य और मुखबिरों की मदद से इस कार्रवाई को अंजाम दिया।

# गुड़ामालानी को बाड़मेर और बालोतरा जिलों में बांटने से लोगों में आक्रोश

- गुड़ामालानी विधानसभा क्षेत्र की कुछ पंचायत समितियों को बाड़मेर में रखा गया है, जबकि कुछ को बालोतरा जिले में जोड़ा गया है
- कांग्रेस के पूर्व राजस्व मंत्री हेमाराम चौधरी सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों द्वारा धोरीमन्ना उपखण्ड मुख्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया जा रहा है

**गुड़ामालानी,** (नि.सं.)। गुड़ामालानी विधानसभा क्षेत्र की कुछ पंचायत समितियों को बाड़मेर में रखा गया है, जबकि कुछ को बालोतरा जिले में जोड़ा गया है। इस फैसले से विपक्षी दलों और लम्बी दूरी के मतदाताओं में भारी रोष है। कांग्रेस के पूर्व राजस्व मंत्री हेमाराम चौधरी सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों द्वारा धोरीमन्ना उपखण्ड मुख्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया जा रहा है। उनका कहना है कि यह फैसला जल्दबाजी में लिया गया है, इससे लोगों को परेशानी होगी। वहीं सरकार ने यह फैसला राजनीतिक लाभ के लिए लिया है। गुड़ामालानी विधानसभा क्षेत्र के लोगों को दो जिलों में बांटना यह न्याय संगत नहीं है। बालोतरा जिले से लम्बी दूरी तय करने वाले मतदाताओं का कहना है कि सरकार इस फैसले पर पुनर्विचार करे और गुड़ामालानी विधानसभा क्षेत्र को एक ही जिले में रखा जाए।

गुड़ामालानी विधानसभा क्षेत्र को दो भागों में बांटने के फैसले ने जनता को असमंजस में डाल दिया है। एक तरफ भाजपा नेताओं का कहना है कि यह फैसला प्रशासनिक व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए लिया गया है। वहीं विपक्ष का आरोप है कि यह फैसला राजनीतिक लाभ के लिए लिया गया है। जनता के लिए यह फैसला दो धारी तलवार साबित हो रहा है। एक तरफ उन्हें अपने कामों के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ेगी, वहीं दूसरी तरफ उन्हें दो जिलों में बांटने से परेशानी भी होगी। लोगों का कहना है कि उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि यह फैसला उनके हित में है या नहीं, इसको लेकर भी चर्चाएं तेज होती नजर आ रही है।

गौरतलब है कि गुड़ामालानी विधानसभा क्षेत्र को पूरा बालोतरा जिले में नहीं लेकर कुछ ग्राम पंचायतों को हटाकर बालोतरा जिले में शामिल किया है। बालोतरा जिले से कम दूरी वाली ग्राम पंचायतों को बाड़मेर जिले में जोड़ना जबकि धोरीमन्ना बालोतरा से लम्बी दूरी है, उसको बालोतरा जिले में शामिल करना इसको लेकर भी चर्चाएं तेज हो रही है। धोरीमन्ना उपखण्ड मुख्यालय पर पांचवें दिन भी धरना जारी रहा। वहीं लगातार चल रहे धरने में दिनों-दिन लोगों की भीड़ बढ़ती नजर आ रही है।

# वाहनों में तोड़फोड़ करने वाला बदमाश गिरफ्तार

**उदयपुर,** (निसं)। शहर पुलिस ने सूरजपोल थाना क्षेत्र में वाहनों में तोड़फोड़ करने वाले शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया व विधी से संघर्षरत दो बाल अपचारियों को डिटेन किया।

प्रकरण के अनुसार 6 जनवरी रात में सूरजपोल थाना क्षेत्र स्वराजनगर माछला मगरा क्षेत्र में गली में रोड़ किनारे खड़ी करीब 2 दर्जन गाड़ियों में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा तोड़फोड़ करने की शिकायत पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक सूर्यवीरसिंह के सूपरविजन में सूरजपोल थानाधिकारी रतनसिंह चौहान मय टीम ने मामले में नवाज पुत्र जावेद खान उर्फ लाला निवासी दिवानशाह कॉलोनी व साथियों द्वारा करने की जानकारी जुटाई। इस मामले में आरोपियों के ठिकाने पर दबीश दी तो तीनों माछला मगरा से पुलिस को देख भागने के लिए पहाड़ी से कूद पड़े, जिससे नवाज के दोनों पांव व एक हाथ टूट गया तथा शेष दोनों के पैर टूटे है। जिन्हें डिटेन करने के बाद चिकित्सा में उपचार करवाया तथा नवाज को गिरफ्तार किया।

# पांच लाख की फिरौती के लिए बदमाशों ने कार में आग लगाई

- आरोपियों ने 23 दिसंबर को व्हाट्सअप मैसेज कर 5 लाख की फिरौती मांगी थी

**बीकानेर,** (निसं)। बाइक पर सवार होकर मुक्ताप्रसाद नगर के सेक्टर 10 में पहुंचे बदमाशों ने पांच लाख रुपए की फिरौती के लिए घर के आगे खड़ी एक कार में आग लगा दी और धमकी देकर फरार हो गए। सोमवार की रात को करीब 2.30 बजे बाइक पर सवार होकर मुक्ताप्रसाद नगर के सेक्टर 10 में पहुंचे बदमाश रेलवे कर्मचारी श्यामसुन्दर सोनी के घर पहुंचे। घर के आगे खड़ी कार पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। इस दौरान शोर सुनकर घर के लोग बाहर आए तो बदमाशों ने पांच लाख रुपए नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी और फरार हो गए। आग लगने से कार पूरी तरह से जल गई। इत्तला मिलने पर मुक्ताप्रसाद थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली।

श्यामसुन्दर सोनी की ओर से पुलिस को दी गई रिपोर्ट में बताया गया है कि लुकमान व 3-4 अन्य ने 5 लाख रुपए की फिरौती के लिए उसके घर के आगे खड़ी कार को जला दिया और जान से मारने की धमकी दी है। श्यामसुन्दर सोनी ने बताया कि आरोपियों ने 23 दिसंबर को मोबाइल पर व्हाट्सअप मैसेज कर 5 लाख रुपए की फिरौती मांगी थी। उसने रकम नहीं दी और मुक्ताप्रसाद पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज करा दिया था जिसकी जांच चल रही है। आरोपियों के खिलाफ पुलिस थानों में और भी मुकदमे दर्ज हैं।

# छह लाख रुपये का डोडा-चूरा सहित दो तस्कर गिरफ्तार

**कोटा,** (निसं)। कनवास पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान 47 किलो डोडा-चूरा बरामद कर दो तस्करो को गिरफ्तार किया है। पुलिस कार्रवाई में पकड़े गये अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा की अन्तर्राष्ट्रीय कीमत करीब 6 लाख रूपये बताई गई है, पुलिस टीम ने घटना में प्रयुक्त बोलेरो को भी जब्त किया है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि अवैध मादक पदार्थों की तस्करी व तस्करों की धरपकड़ के लिये विशेष अभियान चलाया जा रहा है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि अभियान के तहत कनवास थाने के उपनिरीक्षक सुरेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में टीम गठित की गई। ग्रामीण एसपी ने बताया कि विशेष टीम ने कोटा-झालावाड़ राष्टीय राजमार्ग पर नाकाबंदी कर वाहनों की चैकिंग की, पुलिस चैकिंग के दौरान एक बोलेरो पिकअप को रोककर तलाशी ली तो बोलेरो पिकअप से अवैध मादक पदार्थ 47 किलो डोडा-चूरा तस्करी के लिये ले जाते हुए बरामद किया। पुलिस टीम ने एनडीपीएस एक्ट में हिमाचल प्रदेश के गणजी निवासी शबीर खान एवं जिला पंजाब के जमालपुरा बस्ती निवासी लियाकत अली को गिरफ्तार किया। पकड़े गये दोनों आरोपियों से अनुसंधान जारी है।

# उदयपुर : भूपाल नोबल्स वि.वि. के दीक्षांत समारोह में 99 पीएचडी धारकों को डिग्री बांटी

**उदयपुर,** (कासं)। औपनिवेशिक नीतियों के कारण देश शिक्षा और स्थानीय उद्योगों से दूर हुआ, जिससे समाज में गरीबी और विसंगतियां बढ़ीं। इन चुनौतियों का समाधान केवल शिक्षा के माध्यम से ही संभव है। विद्यार्थियों को निरंतर प्रयास, बड़ी सोच, एकाग्रता और गहन अध्ययन को जीवन का मूल मंत्र अपनाने का आव्हान करते हुए भारतीय ज्ञान परंपरा के माध्यम से भारतीय शिक्षा व्यवस्था की उत्कृष्टता को स्थापित किया जा सकता है। यह विचार राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने बुधवार को भूपाल नोबल्स संस्थान के दूसरे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने अंकिता भंडारी को पीएचडी की डिग्री प्रदान की।

- जनजाति बाहुल्य को देश की मुख्यधारा से जोड़ने की जरूरत : राज्यपाल बागड़े

राज्यपाल बागड़े ने 99 पीएचडी धारकों को उपाधि एवं स्नातक एवं स्नातकोत्तर में 47 उत्कृष्ट विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल से नवाजा। बागड़े ने संस्थान परिसर में लगी महाराणा भूपाल सिंह की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। राज्यपाल बागड़े ने जनजातीय बाहुल्य जिलों में विद्यार्थियों की शैक्षिक स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पिछड़े, घुमंतू और जनजातीय वर्ग से जुड़े विद्यार्थियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए उनकी प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा को मजबूत करना होगा, तभी सामाजिक स्तर पर समानता संभव हो पाएगी।

बागडे ने महाराणा भूपाल सिंह को नमन करते हुए कहा कि आजादी से पूर्व 1923 में वंचित वर्ग को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से दो छात्रों से प्रारंभ होकर आज वटवृक्ष रूप खड़ी है जहां 10 हजार नियमित छात्र अध्ययनरत है। बागड़े ने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने और उसके स्वर्णिम गौरव को पुन: स्थापित करने में विश्वविद्यालयों की निर्णायक भूमिका है, जिससे शिक्षा के क्षेत्र में देश फिर से विश्व में नेतृत्वकारी स्थान प्राप्त कर सके। उन्होंने शिक्षा के माध्यम से मुख्यधारा से जोड़ने का आव्हान किया।

विशिष्ट अतिथि पूर्व कुलपति एवं राज्यपाल राजस्थान के उच्च शिक्षा सलाहकार प्रो. कैलाश सोडाणी ने कहा कि आत्मनिर्भर और आधुनिक मेवाड़ के निर्माण में शिक्षण संस्थानों की अहम भूमिका है। उन्होंने शोध, डिजिटल आधारित शिक्षा और डिजिटल अपग्रेड को समय की जरूरत बताते हुए मानसिक गुलामी से मुक्ति के लिए देश के अपने सोशल प्लेटफॉर्म विकसित करने का आव्हान किया। उन्होंने विदेशी सोशल मीडिया के विकल्प तलाशने, शिक्षा में परिवर्तन, शिक्षकों की भूमिका में सुधार तथा विद्यार्थियों से समय का सदुपयोग कर समाज को आगे बढ़ाने का आग्रह किया। कार्यवाहक अध्यक्ष प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत ने कहा कि दीक्षांत भारतीय शिक्षा परंपरा का वह विशिष्ट क्षण है, जब शिक्षा केवल बौद्धिक उपलब्धि न रहकर जीवन मूल्यों और संस्कारों का आधार बनती है। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों को शिक्षार्थी से जिम्मेदार नागरिक बनने तथा साधना से कर्मयोग की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा देता है। प्रबंध निदेशक मोहब्बत सिंह राठौड़ ने बताया कि 7 हजार से अधिक विद्या प्रचारिणी सभा कार्यकारिणी पदाधिकारी, सदस्य, विद्यार्थी एवं शहर के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में राज्यपाल बागडे ने 99 पीएचडी धारकों को उपाधि एवं स्नातक एवं स्नातकोत्तर में 47 उत्कृष्ट विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल से नवाजा एवं 2025 डिग्रियों को अवार्ड की। 62 पीएचडी उपाधि, 35 गोल्ड मेडल पर बेटियों ने कब्जा किया।

# हाईकोर्ट ने टीएसपी एरिया में नगर पालिका बनाने को हरी झंडी दी

**जोधपुर,** (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने उदयपुर और बांसवाड़ा के टीएसपी के क्षेत्रों में नगर पालिकाओं के गठन और विस्तार के तहत उन गांवों को शामिल करने की राज्य सरकार की अधिसूचना को सही ठहराया है। जस्टिस डॉ. पुष्पेंद्र सिंह भाटी और जस्टिस संजीत पुरोहित की खंडपीठ ने बलीचा ग्राम पंचायत और अन्य की याचिकाओं का खारिज करते हुए यह फैसला सुनाया।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जब तक संसद से एमईएसए (म्युनिसिपैलिटी एक्सटेंशन टू शेड्यूल्ड एरिया) कानून नहीं बन जाता, तब तक इन क्षेत्रों में प्रशासन "हाइब्रिड गवर्नेंस मॉडल" (मिश्रित व्यवस्था) के तहत चलेगा। खंडपीठ ने 14 याचिकाओं का निपटारा करते हुए स्पष्ट किया कि टीएसपी क्षेत्रों में नगर पालिका अधिनियम लागू करने में कोई संवैधानिक बाधा नहीं है। दरअसल, राज्य सरकार ने उदयपुर के बलीचा, ऋषभदेव, सेमारी और बांसवाड़ा के घाटोल, परतापुर सहित कई गांवों को नगर पालिका क्षेत्र घोषित किया था। ग्राम पंचायत बलीचा की सरपंच लक्ष्मी बाई गमेती और अन्य याचिकाकर्ताओं ने इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। याचिकाकर्ताओं के वकील ने तर्क दिया कि संविधान के अनुच्छेद 243-जेडसी के तहत टीएसपी क्षेत्रों में नगर पालिका कानून लागू नहीं होता। उन्होंने दलील दी कि पेसा एक्ट की तरह नगर पालिकाओं के लिए संसद ने कोई कानून नहीं बनाया है, इसलिए राज्य सरकार इन क्षेत्रों में नगर पालिका गठित नहीं कर सकती। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि इससे आदिवासियों की जमीन छिन जाएगी और पेसा एक्ट का उल्लंघन होगा।

कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि केवल इस आधार पर कि कोई क्षेत्र अनुसूचित क्षेत्र है, वहां राज्य के सामान्य कानून (जैसे म्युनिसिपैलिटी एक्ट, 2009) लागू होने से नहीं रोके जा सकते। जब तक राज्यपाल 5 वीं अनुसूची के तहत किसी कानून को विशेष रूप से रोकने की अधिसूचना जारी नहीं करते, तब तक विकास और शहरीकरण के लिए म्युनिसिपैलिटी एक्ट लागू रहेगा। कोर्ट ने इस बात पर गंभीर चिंता जताई कि 2001 में प्रस्तावित एमईएसए बिल आज तक संसद से पास नहीं हुआ है। कोर्ट ने कहा कि इस 'संवैधानिक वैक्यूम' को भरा जाना जरूरी है। आदेश की प्रति केंद्र सरकार को भेजने का निर्देश दिया गया है ताकि जल्द से जल्द कानून बनाया जा सके।

मुझे हमेशा से कप्तानी में मजा आता है। मैंने अपने प्रदेश की टीम की कप्तानी की है और चैलेंजर ट्रॉफी में भी। मुझे लगता है कि कप्तानी की अतिरिक्त जिम्मेदारी के साथ मैं सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाती हूं - जेमिमा रोडिग्स

भारतीय महिला क्रिकेटर, देश की कप्तानी पर बोलते हुए।

# खेल जगत

## आज का खिलाड़ी

### श्रेयस अय्यर



भारतीय टीम के उपकप्तान श्रेयस अय्यर न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए खेलने के लिए फिट है। श्रेयस अय्यर का रीहैब खत्म हो गया है। सेंट्रल आफ एक्सीलेंस के मुखिया वीवीएस लक्ष्मण ने मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर को ईमेल के जरिए सूचित किया कि अय्यर का रीहैब पूर्ण हुआ।अय्यर ने अपने रिहैबिलिटेशन के आखिरी दौर के लिए सीओई में 10 दिन बिताए। उन्होंने 3 महीने बाद पहली बार विजय हजारी ट्रॉफी में खेलते हुए अपना पहला प्रतिस्पर्धी मैच खेला। उस मैच में अय्यर ने शानदार प्रदर्शन दिखाया।

**क्या आप जानते हैं ?...** क्रिस गेल के नाम वनडे में सबसे तेज दोहरा शतक लगाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने 2014-15 में कैनबरा में जिम्बाब्वे के खिलाफ सिर्फ 138 गेंदों में दोहरा शतक बनाया था।

# पी.वी. सिंधु, सात्विक-चिराग की विजयी शुरुआत





कुआलालम्पुर, 7 जनवरी। चार महीने की चोट के बाद वापसी कर रही पीवी सिंधु ने मलेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के महिला सिंगल्स के पहले राउंड का मैच चीनी ताइपे की कम रैंकिंग वाली सुंग शुओ युन के खिलाफ 21-13, 22-20 से जीता। यह मैच 51 मिनट तक चला। सिंधु को मैच में जमने में समय लगा, पहले गेम में वह 1-6 से पीछे थीं क्योंकि उन्हें अपनी लय खोजने और परिस्थितियों के अनुकूल ढलने में मुश्किल हो रही थी। हालांकि, एक बार जब उन्हें अपनी रेंज मिल गई, तो स्मैश और पंच क्लियर शॉट लगने लगे। 1-6 से पीछे होने के बाद, सिंधु ने बढ़त बनाते हुए 11-9 की बढ़त ले ली, और मिड-गेम इंटरवल में दो अंकों की बढ़त बना ली।

उस बिंदु के बाद सिंधु ने पीछे मुड़कर नहीं देखा, क्योंकि सिंधु ने रैलियों पर हावी होना शुरू कर दिया और सुंग को कोई वास्तविक नियंत्रण नहीं दिया। दुनिया में 31वें नंबर की चीनी ताइपे की शटलर को रैलियों को फ्लैट रखने में मुश्किल हो रही थी - एक ऐसा तरीका जिससे वह प्रतिस्पर्धी बनी रह सकती थीं और उन पर आने वाले आक्रामक शॉट्स की बौछार से बच सकती थीं। आखिरकार सुंग को सिंधु की कमजोरियों का पता चलने लगा, हालांकि जितनी देर में उन्हें पता चला, वह शायद उन्हें पसंद नहीं आया होगा। जब सिंधु दूसरे गेम में 14-9 से आगे थीं, तो ऐसा लग रहा था कि वह आसानी से सीधे गेम में जीत हासिल कर लेंगी। हालांकि, सुंग ने अपना लेवल बढ़ाया, गैप कम किया और आखिरकार 20-20 से बराबरी कर ली।

उस स्टेज पर, सिंधु ने खुद को संभालने और मैच खत्म करने के लिए अपने बड़े अनुभव का इस्तेमाल किया, और सीधे गेम में जीत हासिल की। यह सिंधु के लिए एक बहुमूल्य वर्कआउट साबित हुआ, जो चार महीने से ज़्यादा समय तक प्रतियोगी बैडमिंटन न खेलने के बावजूद काफी शार्प दिखीं। सिंधु को अगले राउंड में और भी कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा जब वह आठवीं सीड टोमोका मियाज़ाकी, जो पूर्व जूनियर वर्ल्ड नंबर वन हैं, से भिड़ेंगी। इस बीच, तीसरी सीड सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने चीनी ताइपे के ली झे-हुई और यांग पो-ह्सुआन पर 21-13, 21-15 की शानदार जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की।

गायत्री गोपीचंद और ट्रीसा जॉली इंडोनेशिया की फेब्रिआना द्विपूजी कुसुमा और मेलिसा ट्रायस पुस्पितासारी के खिलाफ तीन गेम के कड़े मुकाबले के बाद महिला डबल्स से बाहर हो गईं। पहला गेम 9-21 से हारने के बाद, भारतीय जोड़ी ने वापसी करते हुए दूसरा गेम 23-21 से जीता, लेकिन निर्णायक गेम में 19-21 से हार गईं, यह मैच एक घंटे से ज़्यादा चला।

भारत का महिला डबल्स अभियान तब खत्म हो गया जब ऋतुपर्णा पांडा और श्वेतापर्णा पांडा मलेशिया की दूसरी सीड पर्ली टैन और थिनाह मुरलीधरन से सीधे गेम में 9-21, 11-21 से हार गईं। मिक्स्ड डबल्स में, ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो को प्रेस्ली स्मिथ और जेनी गाई ने तीन गेम के करीबी मुकाबले में 15-21, 21-18, 15-21 से हरा दिया।

# 14 फरवरी से शुरू होगा आईएसएल



नई दिल्ली, 7 जनवरी। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम की फीफा रैंकिंग 142 औरभारतीय महिला टीमकी फीफा रैंकिंग 67 है। भारतीय फुटबॉल टीम अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग के लिहाज से संभवत: अब तक के सबसे निचले स्तर पर है। ऐसे में क्लब फुटबॉल के बंद होने के सवाल पर खिलाड़ियों ने सोशल मीडिया के जरिए अपील की और आखिरकार सरकार को उनकी मदद के लिए आगे आना पड़ा। सरकार की मदद के बाद भारतीय फुटबॉल को आखिरकार एक नई शुरुआत की तारीख मिल गई है। अदालत के मामलों और प्रशासनिक गतिरोध से उत्पन्न महीनों की अनिश्चितता के बाद, भारतीय सुपर लीग 14 फरवरी से अपने 2026 सीज़न की शुरुआत कर सकेगी। भारतीय फुटबाल प्रेमी फिलहाल इससे राहत की सांस ले सकते हैं। यह समझौता खेल मंत्रालय, अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ और सभी 14 भाग लेने वाले क्लबों के प्रतिनिधियों की एक उच्च-स्तरीय बैठक के बाद हुआ।

# आईसीसी महिला टी-20 विश्वकप 2026 क्वालीफायर का शेड्यूल कन्फर्म

दुबई, 7 जनवरी। आईसीसी महिला टी 20 विश्व कप क्वालीफायर 2026 के पूरे फिक्स्चर, जिसमें सुपर सिक्स स्टेज भी शामिल है, कन्फर्म हो गए हैं। नेपाल में 18 जनवरी से 1 फरवरी तक होने वाले टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली 10 टीमें जून-जुलाई में इंग्लैंड और वेल्स में होने वाले आईसीसी महिला टी 20 विश्व कप 2026 के लिए चार क्वालिफिकेशन स्पॉट के लिए मुकाबला करेंगी।

वार्म-अप मैच 14 और 16 जनवरी को तीन जगहों पर होंगे - त्रिभुवन यूनिवर्सिटी क्रिकेट ग्राउंड, अपर मुलपानी क्रिकेट ग्राउंड और लोअर मुलपानी क्रिकेट ग्राउंड। 18 जनवरी से ग्रुप स्टेज शुरू होने के बाद त्रिभुवन यूनिवर्सिटी क्रिकेट ग्राउंड और अपर मुलपानी क्रिकेट ग्राउंड में ही कॉम्पिटिटिव मैच खेले जाएंगे। सुबह के मैचों (9 बजे लोकल टाइम) में नेपाल का मुकाबला थाईलैंड से होगा, जबकि बांग्लादेश का सामना यूएसए से होगा। दोपहर (1 बजे लोकल टाइम) में जिम्बाब्वे का मुकाबला नीदरलैंड्स से और आयरलैंड का मुकाबला पापुआ न्यू गिनी से होगा। स्कॉटलैंड और नामीबिया अपने पहले मैच 20 जनवरी को खेलेंगे, ग्रुप स्टेज के दौरान हर दूसरे दिन चार मैच होंगे, जो 26 जनवरी को खत्म होगा। ग्रुप ए और ग्रुप बी की टॉप तीन टीमें सुपर सिक्स में जाएंगी। ये मैच, जिनसे चार क्वालिफाई करने वाले देशों का फैसला होगा, 28, 30 जनवरी और 1 फरवरी को होंगे।

# वैभव और एरोन के तूफानी शतक, भारत अंडर-19 टीम ने बनाये 393/7





बेनोनी (दक्षिण अफ्रीका), 7 जनवरी। वैभव सूर्यवंशी (127) और एरोन जॉर्ज (118) शानदार शतकीय पारियों और उनके बीच 227 रनों की ओपनिंग साझेदारी के दम पर भारतीय अंडर-19टीम ने बुधवार को तीसरे यूथ वनडे में दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 394 रनों का लक्ष्य दिया।

आज यहां दक्षिण अफ्रीका की अंडर-19 टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वैभव सूर्यवंशी और एरोन जॉर्ज की भारतीय सलामी जोड़ी ने विस्फोटक शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 227 रन जोड़े। इस दौरान वैभव सूर्यवंशी ने 23 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। वैभव ने सातवां ओवर कर रहे माइकल क्रुइस्काम्प की पहली चार गेंदों पर दो चौके और दो छक्के लगाये और इसके बाद एक रन लेकर इस ओवर में कुल 21 रन जोड़े। वैभव ने 63 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। उन्होंने अपने शतक को पूरा करने के लिए आठ छक्के और छह चौके लगाये। 27वें ओवर में एन सोनी ने वैभव सूर्यवंशी को आउट किया। वैभव सूर्यवंशी ने 74 गेंदों में 10 छक्के और नौ चौके लगाते हुए 127 रनों की पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये वेदांत त्रिवेदी ने एरोन जॉर्ज के साथ तेजी से रन बनाने का सिलसिला जारी रखा। इसी दौरान एरोन ने अपना शतक पूरा किया। 35वें ओवर में माइकल क्रुइस्काम्प ने वेदांत त्रिवेदी (34) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद भारतीय बल्लेबाज दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजी आक्रमण के आगे खुल कर नहीं खेल सके और विकेट गंवाते रहे। हरवंश पंगालिया (दो) रनआउट हुये। अभिज्ञान कुंडु (21), कनिष्क चौहान (10) और अमब्रिश आठ रन बनाकर पवेलियन लौट गये, लेकिन मोहम्मद एनान (नाबाद 28) और हेनिल पटेल (नाबाद 19) ने अंतिम ओवरों में तेजी से रन बटोरते हुए भारत को निर्धारित 50 ओवरों में सात विकेट पर 393 रनों का विशाल स्कोर तक पहुंचा दिया। दक्षिण अफ्रीका के लिए एन सोनी ने तीन विकेट लिये। जेसन राउल्स को दो विकेट मिले। माइकल क्रुइस्काम्प ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

# आईसीसी भारत में विश्वकप खेलने को लेकर चिंताओं पर बात करने के लिए तैयार : बीसीबी

ढाका, 7 जनवरी। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने कहा है कि आईसीसी ने भारत और श्रीलंका में होने वाले आगामी पुरुष टी20 विश्व कप में बांग्लादेश की पूर्ण और बिना किसी रुकावट के भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए बोर्ड के साथ इस मसले पर क़रीब से काम करने की इच्छा व्यक्त की है।

बीती शाम सुरक्षा कारणों से टी20 विश्व कप में बंगलादेश के मुक़ाबले भारत से बाहर स्थानांतरित करने के मसले पर बीसीबी की आईसीसी के साथ हुई वर्चुअल बैठक के बाद क्रिकेट बोर्ड ने अपना बयान जारी किया है। हालांकि बयान में यह नहीं बताया गया है कि बंगलादेश भारत में खेलेगा या नहीं।

बीसीबी के बयान में कहा गया है, ''बोर्ड ने आगामी विश्व कप के मद्देनजर भारत में बंगलादेश की टीम की सुरक्षा को लेकर जो चिंता व्यक्त की थी और साथ ही बंगलादेश के मुक़ाबले भारत से बाहर स्थानांतरित करने का जो आग्रह किया था उसके जवाब में आईसीसी की ओर से प्रतिक्रिया मिली है। अपने संदेश में आईसीसी ने टूर्नामेंट में बिना किसी रुकावट के बांग्लादेश की पूर्ण भागीदारी सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है। आईसीसी ने बोर्ड के साथ इस मसले पर क़रीब से काम करने की इच्छा व्यक्त की है और इस बात का आश्वासन दिया है कि सुरक्षा से संबंधी बोर्ड के सुझावों का स्वागत किया जाएगा और इवेंट से संबंधित विस्तृत सुरक्षा योजना बनाते समय पर इन पर गंभीरतापूर्वक विचार किया जाएगा।''

ईएसपीएन क्रिकइंफो ने बताया था कि मंगलवार की बैठक में आईसीसी ने बंगलादेश के मुक़ाबले भारत से बाहर स्थानांतरित करने के आग्रह को अस्वीकार दिया था और यह कहा था कि अगर बंगलादेश भारत में अपने मुक़ाबले नहीं खेलेगा तो उन्हें अपने अंक गंवाने पड़ेंगे। आगामी टी20 विश्व कप में बंगलादेश ग्रुप सी में है और उन्हें अपने पहले तीन मुक़ाबले कोलकाता में खेलने हैं। उन्हें 7 फरवरी को वेस्टइंडीज, 9 फरवरी को इटली और 14 फरवरी को इंग्लैंड के ख़िलाफ खेलना है जबकि 17 फरवरी को उन्हें मुंबई में नेपाल के ख़िलाफ मुक़ाबला खेलना है।

हालांकि बीसीबी ने ऐसी किसी भी चेतावनी मिलने से इनकार किया। बीसीबी ने कहा, ''मीडिया में प्रकाशित कुछ रिपोर्ट्स का भी बीसीबी ने संज्ञान लिया है जिसमें यह बताया गया है कि बोर्ड को आईसीसी से अल्टीमेटम मिला है। बीसीबी यह स्पष्ट करना चाहता है कि यह दावे पूरी तरह से निराधार हैं और यह आईसीसी द्वारा मिले संदेश से मेल नहीं खाते हैं। आईसीसी टी20 विश्व कप में टीम की सुचारू और निर्बाध रूप से भागेदारी सुनिश्चित करने के लिए बोर्ड, आईसीसी और इवेंट से संबंधित ऑथोरिटी से सहयोगात्मक और पेशेवर बातचीत जारी रखेगा ताकि इसका व्यवहारिक समाधान तलाशा जा सके।'' भारत में बांग्लादेश के न खेलने का मामला बीसीसीआई के निर्देश पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) द्वारा मुस्तफ़िज़ुर रहमान को रिलीज किए जाने के बाद सामने आया था।

# गॉफ, हैरिसन ने अमेरिका को सेमीफाइनल में पहुंचाया

पर्थ, 7 जनवरी। कोको गॉफ और क्रिश्चियन हैरिसन ने बुधवार को पर्थ में यूनाइटेड कप मिक्स्ड डबल्स में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए संयुक्त राज्य अमेरिका को मिक्स्ड टीमों के टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचाया। प्रेरित स्टेफानोस सितसिपास और मारिया सकारी के खिलाफ एक सेट से पिछड़ने के बाद, गॉफ और हैरिसन ने अपना लगातार तीसरा लाइव मिक्स्ड मैच 4-6, 6-4 10-8 से जीता, अपने तीसरे मैच प्वाइंट पर देश की पिछले चार सालों में तीसरा यूनाइटेड कप खिताब जीतने की उम्मीदों को जिंदा रखा।

संयुक्त राज्य अमेरिका अब सिडनी जाएगा और पोलैंड-ऑस्ट्रेलिया क्वार्टर फाइनल के विजेता से खेलेगा। पर्थ में आज के दूसरे क्वार्टर फाइनल में स्विट्जरलैंड अर्जेंटीना से खेलेगा। एक उतार-चढ़ाव भरे क्वार्टर फाइनल में, गॉफ ने सकारी पर 6-3, 6-2 से जीत के साथ अमेरिकियों को शुरुआती बढ़त दिलाई। लेकिन सितसिपास ने वर्ल्ड नंबर 9 टेलर फ्रिट्ज पर 6-4, 7-5 से जीत हासिल करके जवाब दिया - 18 महीने से अधिक समय में यह उनकी पहली टॉप 10 जीत थी।

18 महीने से अधिक समय में अपनी पहली टॉप 10 जीत हासिल करते हुए, 27 वर्षीय पूर्व वर्ल्ड नंबर 3 ने शानदार सर्विस के दम पर 6-4, 7-5 से जीत हासिल की, जिससे कोको गॉफ की मारिया सकारी पर पहले की जीत के बाद टाई बराबर हो गया। पहले सेट में 84 प्रतिशत फर्स्ट सर्व को खेलने से ठीक खिलाड़ी आक्रामक मूड में आ गया। उसने दूसरे सेट में 4-5 पर सेट पॉइंट बचाने के लिए एक ऐस मारा और अगले गेम में फ्रिट्ज को हराकर जीत पक्की की।

# स्टोक्स के दाहिने एडक्टर की मांसपेशी में खिंचाव

सिडनी, 7 जनवरी। इंग्लैंड को एक और चोट का झटका लगा जब कप्तान बेन स्टोक्स सिडनी टेस्ट के चौथे दिन बुधवार को सुबह के सत्र में मैदान से लंगड़ाते हुए बाहर चले गए। ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के 127वें ओवर में, जो स्टोक्स का 28वां ओवर था, ओवर की चौथी गेंद फेंकने के बाद स्टोक्स ने अपनी कमर पकड़ ली। वह धीरे-धीरे चल रहे थे और फिर आखिरकार मैदान से बाहर चले गए। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने सोशल मीडिया पोस्ट पर पुष्टि की है कि उनके दाहिने एडक्टर मांसपेशी में खिंचाव का आकलन किया जा रहा है। पहली पारी में इंग्लैंड ऑस्ट्रेलिया से पीछे है और सीरीज में पहले ही 3-1 से पीछे है, ऐसे में इंग्लैंड अपने कप्तान की फिटनेस को लेकर चिंतित होगा क्योंकि वे टेस्ट मैच बचाने की कोशिश करेंगे, अगर जीत हासिल करने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। यह पुष्टि हो गई है कि चोट के बावजूद, उनसे इंग्लैंड के लिए दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने की उम्मीद है। इंग्लैंड का डाउन अंडर का दौरा चोटों से प्रभावित रहा है। मार्क वुड और जोफ्रा आर्चर क्रमश: ब्रिस्बेन और एडिलेड टेस्ट के बाद एशेज से बाहर हो गए थे, जबकि गस एटकिंसन को मेलबर्न में हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी, जिससे वह सिडनी टेस्ट से बाहर हो गए।



# जेकब बेथेल के नाबाद शतक के बावजूद इंग्लैंड मुश्किल में

सिडनी, 7 जनवरी। ब्राइडन कार्स और जॉश टंग (तीन-तीन विकेट) के दम पर इंग्लैंड ने एशेज के पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में चौथे दिन बुधवार को ऑस्ट्रेलिया को 567 के विशाल स्कोर पर समेटने के बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने करते हुए दिन का खेल समाप्त होने के समय के 302 के स्कोर पर आठ विकेट गंवा कर संकट में फंस गई है। जेकब बेथेल (नाबाद142) और मैथ्यू पॉट्स बिना खाता खोले क्रीज पर मौजूद थे। आज यहां ऑस्ट्रेलिया ने कल के सात विकेट पर 518 के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। जॉश टंग ने सुबह के सत्र में शतकवीर कप्तान स्टीव स्मिथ को आउटकर इंग्लैंड को आठवीं सफलता दिलाई। स्टीव स्मिथ ने 220 गेंदों में 16 चौके और एक छक्का लगाते हुए 138 रन बनाये। इसके बाद टंग ने मिचेल स्टार्क (पांच) को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। 134वें ओवर में विल जैक्स ने स्कॉट बोलैंड (शून्य) को आउटकर 567 के स्कोर पर ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी का अंत कर दिया। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया को 183 रनों की मजबूत बढ़त हासिल हो गई। ब्राइडन कार्स और जॉश टंग ने तीन-तीन विकेट लिये। बेन स्टोक्स को दो विकेट मिले। जेकब बेथेल और विल जैक्स ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड को पहले ही ओवर में मिचेल स्टार्क ने जैक क्रॉली (एक) को पगबाधा आउटकर ऑस्ट्रेलिया को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये जेकब बेथेल ने बेन डकेट के साथ मोर्चा संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 81 रनों की साझेदारी हुई। 20वें ओवर में माइकल नीसर ने बेन डकेट को बोल्ड कर इस साझेदारी का अंत किया। बेन डकेट ने 55 गेंदों में छह चौके लगाते हुए 42 रन बनाये।

32वें ओवर में स्टॉक बोलैंड ने जो रूट (एक) को पगबाधा आउट कर इंग्लैंड को तीसरा झटका दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये हैरी ब्रूक ने जेकब बेथेल के साथ चौथे विकेट के लिए 102 रन जोड़े। 52वें ओवर में बो वेब्स्टर ने हैरी ब्रूक (42) और इसी ओवर की तीसरी गेंद पर विल जैक्स (शून्य) को आउटकर इंग्लैंड को संकट में डाल दिया। इसके बाद जेमी स्मिथ (26), बेन स्टोक्स (एक) और ब्राइडन कार्स (16) बनाकर आउट हुये। दिन का खेल का समाप्त होने के समय इंग्लैंड ने 302 रनों के स्कोर पर आठ विकेट गंवा दिये। जेकब बेथेल (नाबाद142) और मैथ्यू पॉट्स बिना खाता खोले क्रीज पर मौजूद थे। इंग्लैंड अभी 119 रनों के मामूली स्कोर आगे है। ऐसे में उस पर हार का संकट मंडरा रहा है।

# केआईबीजी पेंचक सिलाट में राजा दास ने जीते दो स्वर्ण पदक



दीव, 7 जनवरी। खेलो इंडिया बीच गेम्स की तुग्गल स्पर्धा के फाइनल में राजा दास ने स्थानीय पसंदीदा और गत चैंपियन प्रसन्ना बेंद्रे को हराकर प्रतियोगिता के शुरुआती दो स्वर्ण पदक जीते। पश्चिम बंगाल के इस खिलाड़ी ने वर्षों से राष्ट्रीय स्तर पर लगातार पदक जीते हैं और मंगलवार को दीव के घोघला बीच पर आयोजित खेलो इंडिया बीच गेम्स 2026 में तुग्गल स्पर्धा में गत चैंपियन और स्थानीय पसंदीदा प्रसन्ना बेंद्रे को हराकर प्रतियोगिता के शुरुआती दो स्वर्ण पदकों में से एक अपने नाम किया। दीव में जीता गया यह स्वर्ण पदक राजा के उतार-चढ़ाव भरे करियर का एक और अहम पड़ाव है। 2025 के खेलो इंडिया बीच गेम्स और गोवा में आयोजित 22वें नेशनल गेम्स में रजत पदक जीतने वाले राजा ने खुद को देश के सबसे निरंतर प्रदर्शन करने वाले आर्टिस्टिक पेंचक सिलाट खिलाड़ियों में स्थापित किया है। उन्होंने 2023, 2024 और 2025 में राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीते हैं। राजा के लिए दीव का यह स्वर्ण पदक आगामी सीनियर नेशनल चैंपियनशिप की आदर्श तैयारी है, जो 2027 राष्ट्रीय खेल और अंतरराष्ट्रीय सत्र के लिए क्वालिफायर होगी। उन्होंने कहा, अब मेरा लक्ष्य अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत के लिए पदक जीतना है।

## बांग्लादेश भारत न जाने पर अडिग, आईसीसी को मनाएंगे

ढाका, 7 जनवरी। बंगलादेश सरकार के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने बुधवार को कहा कि वह आईसीसी टी20 विश्व कप के लिए बंगलादेश के वेन्यू को बदलने के लिए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को मनाने की पूरी कोशिश करेंगे, और इस बात पर ज़ोर दिया कि खेल की गवर्निंग बॉडी बंगलादेश की चिंताओं की गंभीरता को समझने में नाकाम रही है। क्रिकबज ने पहले बताया था कि आईसीसी से बोर्ड को एक पत्र मिलने के बाद स्थिति का आकलन करने के लिए नजरुल के बीसीबी निदेशकों से मिलने की उम्मीद थी, जिसके बाद बांग्लादेश ने औपचारिक रूप से वेन्यू बदलने का अनुरोध किया था। बीसीबी ने आईसीसी को सूचित किया था कि मुस्तफ़िज़ुर रहमान से जुड़े हालिया विवाद के बाद बंगलादेश भारत की यात्रा करने में असमर्थ है।

# जैकब डफी को पहली बार टी-20 वर्ल्ड कप के लिए चुना गया



वेलिंगटन, 7 जनवरी। जैकब डफी को आईसीसी पुरुष 20 वर्ल्ड कप के लिए न्यूजीलैंड की टी20 टीम में शामिल किया गया है, जो अगले महीने शुरू होने वाला है। यह इस पेसर का पहला वर्ल्ड कप होगा और उन्हें 2025 में शानदार प्रदर्शन के बाद इस बड़े इवेंट के लिए चुना गया है, जिसमें उन्होंने कैलेंडर वर्ष में 81 अंतरराष्ट्रीय विकेट लिए थे। मिशेल सेंटनर एक अनुभवी टीम की कप्तानी करेंगे। टिम रॉबिन्सन, बेवन जैकब्स और ज़ैकरी फाउल्क्स 15 सदस्यीय टीम में जगह नहीं बना पाए हैं। काइल जैमीसन को न्यूजीलैंड के लिए ट्रैवलिंग रिजर्व के तौर पर नामित किया गया है। डफी के अलावा, तेज गेंदबाजी आक्रमण में लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, एडम मिल्ने शामिल हैं, जबकि जेम्स नीशम भी गेंदबाजी कर सकते हैं। सेंटनर के साथ ईश सोढ़ी भी हैं, जिन्होंने एक दशक पहले भारत में इसी टूर्नामेंट में खेला था।

बल्लेबाजी के मोर्चे पर, विस्फोटक फिन एलन के साथ टिम सीफर्ट हैं जो न्यूजीलैंड के लिए विकेटकीपिंग करेंगे। डेवोन कॉनवे, मार्क चैपमैन, ग्लेन फिलिप्स और रचिन रवींद्र बाकी बल्लेबाजी क्रम बनाते हैं। इस बात की बहुत अधिक संभावना है कि हेनरी और फर्ग्यूसन के पार्टनर टूर्नामेंट के दौरान बच्चे को जन्म देने वाले हैं, जिसके कारण दोनों को शॉर्ट-टर्म पैटरनिटी लीव दी गई है, इसलिए जैमीसन टूर्नामेंट में खेल सकते हैं।

हेड कोच रॉब वाल्टर ने कहा, ''वर्ल्ड कप खास होते हैं और भारत से बेहतर जगह कोई नहीं है, जो आधुनिक खेल का दिल है। मैं इस टीम के कौशल और अनुभव से बहुत खुश हूं और मुझे लगता है कि हमारे पास एक ऐसा ग्रुप है जो न्यूजीलैंड को गौरवान्वित कर सकता है। हमारे पास बल्लेबाजी में काफी पावर और स्किल है, क्वालिटी गेंदबाज हैं जो परिस्थितियों के अनुसार ढल सकते हैं, साथ ही पांच ऑलराउंडर हैं जो सभी कुछ अलग लाते हैं। यह एक अनुभवी ग्रुप है और खिलाड़ी उपमहाद्वीप में खेलने के लिए नए नहीं हैं, जो मूल्यवान होगा।

**न्यूजीलैंड की वर्ल्ड कप टीम :** मिशेल सेंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, डेरिल मिशेल, एडम मिल्ने, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), ईश सोढ़ी

**ट्रैवलिंग रिज़र्व :** काइल जैमीसन, न्यूजीलैंड को ग्रुप डी में अफगानिस्तान, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका और यूएई के साथ रखा गया है। वे 8 फरवरी को चेन्नई में अफगानिस्तान के खिलाफ अपना टूर्नामेंट शुरू करेंगे, जिसके दो दिन बाद उसी जगह पर यूएई के खिलाफ खेलेंगे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बड़ा मुकाबला 14 फरवरी को अहमदाबाद में होगा, जिसके बाद वे 17 फरवरी को चेन्नई में कनाडा के खिलाफ अपने ग्रुप स्टेज के मैच खत्म करेंगे।

# चिन्सन जॉनसन ने प्रतियोगी एथलेटिक्स से लिया संन्यास



नई दिल्ली, 7 जनवरी। भारतीय ओलंपियन जिन्सन जॉनसन ने 15 साल के अपने करियर के बाद बुधवार को प्रतियोगी एथलेटिक्स से संन्यास ले लिया। जॉनसन ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट में कहा, एक सपने देखने वाले लड़के से, यह सफर कोलकाता से शुरू हुआ और हांगझोऊ 2023 में एशियन गेम्स के पोडियम तक पहुंचा। थैंक यू एथलेटिक्स। कुछ सफर मीटर और सेकंड में मापे जाते हैं। कुछ आंसू, बलिदान, विश्वास और उन लोगों में मापे जाते हैं जिन्होंने आपको कभी गिरने नहीं दिया।

जिन्सन जॉनसन ने रियो 2016 ओलंपिक में पुरुषों की 800 मीटर के लिए क्वालिफाई किया था, लेकिन अपनी हीट में पांचवें स्थान पर रहे और सेमीफाइनल में जगह बनाने से चूक गए। रियो 2016 में उनकी भागीदारी ने उन्हें 1980 में श्रीराम सिंह के बाद ओलंपिक में 800 मीटर के लिए क्वालिफाई करने वाला पहला भारतीय पुरुष धावक बनाया। चोटों और कोविड होने के कारण वह टोक्यो 2020 ओलंपिक में हिस्सा नहीं ले पाए। उन्होंने जकार्ता में 2018 एशियन गेम्स में 1500 मीटर में स्वर्ण पदक और 800 मीटर में रजत पदक जीता। उन्होंने हांगझोऊ में 2023 एशियन गेम्स में 1500 मीटर में कांस्य पदक जीता। जॉनसन ने 2015 और 2017 में एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में क्रमश: रजत और कांस्य पदक भी जीते। उन्होंने 2019 में आईएसटीएएफ बर्लिन मीट में 3:35.24 के समय के साथ 1500 मीटर का रिकॉर्ड बनाया था।

# हुरकाज, स्वियाटेक ने पोलैंड को क्वार्टर फाइनल में पहुंचाया

सिडनी, 7 जनवरी। ह्यूबर्ट हुरकाज ने बुधवार को टैलन ग्रीक्सपूर को 6-3, 7-6(4) से हराकर पोलैंड को यूनाइटेड कप के क्वार्टर-फ़ाइनल में पहुंचा दिया। इगा स्वियाटेक ने सुज़ान लैमेंस को 6-3, 6-2 से हराकर मैच अपने नाम कर लिया।

आज के मैच से पहले, पोलैंड को मिक्स्ड-टीम इवेंट में आखिरी आठ में अपनी जगह पक्की करने के लिए एक मैच जीतना था। हुरकाज ने ज़्यादा समय बर्बाद नहीं किया, और जबरदस्त सर्विंग परफ़ॉर्मेंस दी, जिसमें उन्होंने 20 एस मारे और उन्हें एक भी ब्रेक पॉइंट का सामना नहीं करना पड़ा।

इस टूर्नामेंट से पहले, हुरकाज ने जून 2025 से कोई मुकाबला नहीं खेला था क्योंकि घुटने की चोट के लिए सर्जरी की ज़रूरत थी। लेकिन एटीपी रैंकिंग में पहले नंबर 6 पर रहने वाली खिलाड़ी ने नए सीजन में वर्ल्ड नंबर 3 एलेक्जेंडर ज्वेरेव और ग्रीक्सपूर के खिलाफ सीधे सेटों में जीत हासिल करके अच्छा प्रदर्शन किया है। इसके बाद स्वियाटेक ने बिना देर किए स्कोर 2-0 कर दिया।

# बेथेल सिडनी एशेज में शतक लगाकर कपिल देव क्लब में हुए शामिल



सिडनी, 7 जनवरी। इंग्लैंड के ऑलराउंडर जैकब बेथेल बुधवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें एशेज टेस्ट में अपने करियर का पहला फर्स्ट-क्लास शतक बनाकर कपिल देव के विशिष्ट क्लब में शामिल हो गये है।

जैकब बेथेल के पांचवें एशेज टेस्ट मैच के चौथे दिन सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। इस क्लब में कपिल देव जैसे दिग्गज खिलाड़ी हैं, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला फर्स्ट-क्लास और लिस्ट-ए शतक एक ही मैच में लगाया था। बेथेल यह कारनामा करने वाले केवल पांचवें क्रिकेटर बन गए और एशेज में ऐसा करने वाले दूसरे इंग्लिश खिलाड़ी हैं, जो एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। इस सूची में कपिल देव, मार्लोन सैमुअल्स, मेहदी हसन मिराज और कर्टिस कैम्फर शामिल हैं। इस उपलब्धि ने 22 साल के इस खिलाड़ी की दुर्लभ बहुमुखी प्रतिभा को उजागर किया, जिनके शुरुआती अंतरराष्ट्रीय करियर में पहले ही सभी प्रारुपों में महत्वपूर्ण योगदान शामिल हैं।

बेथेल के शतक का एशेज के संदर्भ में भी काफी ऐतिहासिक महत्व था। 22 साल और 76 दिन की उम्र में, वह दूसरे विश्व युद्ध के बाद के दौर में एशेज में शतक बनाने वाले सबसे कम उम्र के इंग्लैंड बल्लेबाजों में से एक बन गए, यह कारनामा सिर्फ डेविड गोवर और एलिस्टर कुक ने उनसे कम उम्र में किया था। बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने शानदार अंदाज में अपना शतक पूरा किया। उन्होंने ब्यू वेबस्टर की गेंद पर आगे बढ़कर मिड-विकेट के ऊपर से क्लीन शॉट लगाकर चार रन बनाए, फिर अपना हेलमेट उतारा और जोरदार तालियों के बीच अपना बल्ला उठाया। स्टैंड में मौजूद उनके परिवार ने भी इस पल को साझा किया।

इस पारी ने ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड की लंबी प्रतिद्वंद्विता में उनका नाम और पक्का कर दिया, क्योंकि वह 1989 में जैक रसेल के बाद टेस्ट मैच में अपना पहला फर्स्ट-क्लास शतक लगाने वाले पहले इंग्लैंड खिलाड़ी बने और एशेज के इतिहास में ऐसा करने वाले कुल आठवें खिलाड़ी है। इस तरह बेथेल हेनरी वुड, जैक रसेल, स्टुअर्ट ब्रॉड और गस एटकिंसन के बाद टेस्ट मैच में अपना पहला फर्स्ट-क्लास शतक बनाने वाले इंग्लैंड के मौजूदा बल्लेबाज बन गए। उनकी पारी बहुत अहम साबित हुई क्योंकि ऑस्ट्रेलिया के विरोध के बावजूद इंग्लैंड ने मामूली बढ़त बना ली, जिससे एशेज की कहानी में एक नया और शांत अध्याय जुड़ा और इंग्लैंड के मध्यमक्रम में एक संभावित लंबे समय के खिलाड़ी की झलक मिली।

# कांग्रेस वीबी-जी राम जी पर दुष्प्रचार कर रही है- भजनलाल

## मुख्यमंत्री ने प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि अब ग्रामीण क्षेत्रों में स्थाई व गुणवत्तापूर्ण सम्पत्तियों का निर्माण हो सकेगा

जयपुर, 7 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को सीएमओ में प्रेस ब्रीफिंग के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा लाया गया विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) गारंटी अधिनियम, 2025 ग्रामीण रोजगार और आजीविका सुनिश्चित करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि वीबी-जी राम जी कानून से ग्रामीण क्षेत्रों में स्थाई और गुणवत्तापूर्ण संपत्तियों का निर्माण हो सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मनरेगा को ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की गारंटी देने के उद्देश्य से लाया गया था, लेकिन कांग्रेस सरकार के कमजोर प्रशासन और भ्रष्टाचार के कारण यह अपने लक्ष्य को पूर्ण रूप से प्राप्त नहीं कर सका। इसमें जनता के पैसे का सही उपयोग नहीं हो पा रहा था। इनमें अस्थायी सड़कों, अधूरी जल संरचनाओं और बिना योजना के मिट्टी के कार्य करवाए जाते थे जिनकी कोई दीर्घकालिक उपयोगिता नहीं थी। वहीं, नए वीबी-जी राम जी अधिनियम-2025 में इन सभी



*मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को सीएमओ में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने कांग्रेस पर वीबी-जी राम जी पर दुष्प्रचार करने का आरोप लगाया।*

कमियों को दूर किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिनियम के तहत मजदूरी का भुगतान हर सप्ताह करना अनिवार्य होगा और दो सप्ताह से अधिक देरी होने पर स्वतः मुआवजा मिलेगा। प्रशासनिक व्यय की सीमा को बढ़ाकर 9 प्रतिशत किया गया है, ताकि पर्याप्त स्टाफ, तकनीकी विशेषज्ञता, प्रशिक्षण और प्रभावी निगरानी सुनिश्चित हो सके।

शर्मा ने कहा कि कांग्रेस इस ऐतिहासिक सुधार को लेकर भ्रम

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि मनरेगा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की गारंटी के उद्देश्य से लाया गया था, पर, कांग्रेस सरकार के कमज़ोर प्रशासन व भ्रष्टाचार के कारण यह अपने लक्ष्य को पूर्ण रूप से प्राप्त नहीं कर सका।**

फैलाने का प्रयास कर रही है जबकि यह सहकारी संघवाद का मॉडल है, जिसमें राज्यों की 40 प्रतिशत भागीदारी से जवाबदेही बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के भ्रामक और दुष्प्रचारपूर्ण आरोपों को बेनकाब करना आपकी और हमारी जिम्मेदारी है। साथ ही, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जनहित में लाए गए वीबी-जी राम जी अधिनियम-2025 की खूबियों को जनता तक पहुंचाना होगा।

# वैनेज़ुएला से आ रहे रुसी टैंकर पर अमेरिका ने कब्जा किया

मॉस्को/ वॉशिंगटन डीसी, 07 जनवरी। वैनेज़ुएला से जुड़ा एक तेल टैंकर अमेरिकी कोस्ट गार्ड को चकमा देकर फरार हो गया था। इसे पकड़ने के लिए अमेरिका अटलांटिक महासागर में पिछले दो हफ्ते से ऑपरेशन चला रहा था। इस बीच यूएस सेना ने कहा कि उन्होंने रूसी ध्वज वाले तेल टैंकर को जब्त कर लिया है। इसे बचाने के लिए रूस ने अपनी पनडुब्बी भेजी थी। अमेरिका ने जिस टैंकर को पकड़ा है उसका नाम बेला-1 है।

न्यूज एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक उत्तरी अटलांटिक महासागर में जहां यूएस आर्मी ने इस टैंकर को जब्त किया वहां रूस की एक पनडुब्बी और वॉरशिप भी देखे गए। यूएस यूरोपीय कमान ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, प्रतिबंधों के उल्लंघन के कारण बेला 1 को जब्त कर लिया गया। यह गृह सुरक्षा विभाग और अमेरिकी सैन्य कर्मियों का एक संयुक्त अभियान था। अमेरिका पिछले महीने से ही उस टैंकर का पीछा कर रहा था, जब उसने वैनेज़ुएला के आसपास अमेरिकी नाकाबंदी से बचने की कोशिश की थी।

अमेरिकी कोस्ट गार्ड ने पिछले महीने पहली बार इस टैंकर को रोकने की कोशिश की थी, लेकिन उसने जहाज पर चढ़ने से इनकार कर दिया। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, तब से यह रूसी ध्वज के तहत रजिस्टर्ड है।

# महाराष्ट्र कांग्रेस-भाजपा गठबंधन बना और टूटा

## अंबरनाथ नगर परिषद में शिंदे की शिवसेना के खिलाफ भाजपा, कांग्रेस अजित पवार व एआईएमआईए ने गठबंधन किया था

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 जनवरी। महाराष्ट्र में एक चौंकाने वाला राजनीतिक तालमेल हुआ और खत्म भी हो गया। एकनाथ शिंदे की शिवसेना को दर किनारे करने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के साथ गठबंधन कर लिया था।

यह अप्रत्याशित गठबंधन तब हुआ है, जब भाजपा ने एक अन्य नगर निगम में एआईएमआईएम के साथ भी स्थानीय स्तर पर गठबंधन किया, जिसके परिणामस्वरूप भाजपा के खिलाफ राजनीतिक अवसरवाद के आरोप लगे और तीव्र प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं।

जहां नेताओं का कहना है कि यह कदम रणनीतिक और सिर्फ स्थानीय निकायों तक सीमित हैं, वहीं ये नये गठबंधन राज्य में महत्वपूर्ण चुनावों से पहले विचारधारा, सुविधा और गठबंधन राजनीति पर फिर से बहस को हवा दे रहे हैं।

महाराष्ट्र में नगर निगम चुनाव 15 जनवरी को होने हैं।

लेकिन महाराष्ट्र कांग्रेस ने ऐसे किसी भी गठबंधन से इंकार किया और अंबरनाथ ब्लॉक प्रमुख प्रदीप पाटिल और उनके सभी चुने हुए पार्षदों को "पार्टी अनुशासन का उल्लंघन" करने के आरोप में निलंबित कर दिया।

वरिष्ठ भाजपा नेता और मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस ने कहा कि यह गठबंधन अस्वीकार्य है और इसे रद्द कर दिया जाएगा। फड़नवीस ने एक टीवी चैनल को दिये गये इंटरव्यू में कहा, "अगर किसी स्थानीय नेता ने यह निर्णय अपने स्तर पर लिया है, तो यह

- **लेकिन कांग्रेस ने इस पर सख्त नाराज़गी जताई और अंबरनाथ के पार्टी अध्यक्ष प्रदीप पाटिल और 12 पार्षदों को निलंबित कर दिया।**
- **महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस ने भी अंबरनाथ भाजपा इकाई को कड़ी फटकार लगाई और ऐसे किसी भी गठबंधन को खत्म करने का आदेश दिया।**
- **इस प्रकार राजनीति में अवसरवाद को खुल कर प्रदर्शित करने वाले गठबंधन ड्रामा का पटाक्षेप हुआ।**

अनुशासन के दृष्टिकोण से गलत है और कार्रवाई की जाएगी।" उन्होंने कहा, "अगर ऐसा गठबंधन बनाया गया है, तो इसे रद्द करने का आदेश जारी कर दिया गया है।"

भाजपा, कांग्रेस और अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी ने मिलकर "अंबरनाथ विकास अघाडी" नामक गठबंधन बनाया। इस गठबंधन में 14 भाजपा पार्षद, 12 कांग्रेस पार्षद, एनसीपी (अजित पवार गुट) के चार सदस्य और एक स्वतंत्र पार्षद शामिल थे। नगरपालिका अध्यक्ष के शामिल हो जाने से गठबंधन की सदस्य संख्या बढ़कर 32 हो गई, जिससे भाजपा को नगर पालिका में आरामदायक बहुमत मिल गया।

इस गठबंधन के समर्थन से, भाजपा नेता तेजश्री करांजुले अंबरनाथ नगरपालिका परिषद के अध्यक्ष (महापौर) चुन लिये गये। यह परिणाम खासतौर पर इसलिये महत्वपूर्ण है, क्योंकि चुनाव परिणामों के बाद शिवसेना (शिंदे गुट) सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी थी। फिर भी, उस संख्यात्मक लाभ के बावजूद, शिंदे गुट को चुनाव बाद के राजनीतिक दाँव-पेच के द्वारा सत्ता से बाहर कर दिया गया।

स्थानीय भाजपा नेतृत्व ने इस निर्णय के बचाव के लिये, पहले इसे विकास और स्वच्छ शासन से जोड़ा था। स्थानीय भाजपा नेता गुलाबराव करांजुले पाटिल ने कहा कि यह गठबंधन अंबरनाथ को एक भय और भ्रष्टाचारमुक्त शहर बनाने के लिए व्यापक हित में किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिवसेना (शिंदे गुट) के कार्यकाल में, गंभीर भ्रष्टाचार के मामले सामने आए थे और दो पूर्व नगरपालिका अध्यक्षों को तो जेल हो गई।

अंबरनाथ प्रकरण ने महायुति गठबंधन में बढ़ते तनावों को स्पष्ट रूप से उजागर किया है। अंबरनाथ में भाजपा-कांग्रेस गठबंधन का असर केवल एक नगरपालिका परिषद तक सीमित नहीं है। इससे महाराष्ट्र में गठबंधन राजनीति के भविष्य पर गंभीर सवाल उठे हैं: क्या आगामी नगर निगम और नागरिक चुनावों में भी इसी तरह के अप्रत्याशित गठबंधन उभरेंगे? क्या सत्ता के गणित और चुनाव बाद की रणनीतियों के सामने वैचारिक नारों की कोई प्रासंगिकता नहीं रही है?

# अमेरिका की ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

की और अपहृत राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की रिहाई की मांग की। एर्दोगान ने कहा कि इस कदम ने अंतरराष्ट्रीय कानून और कूटनीति के स्थापित मानदंडों को नष्ट कर दिया है।

तुर्की के राष्ट्रपति का बयान एक महत्वपूर्ण घटना है। तुर्की नाटो सैन्य गठबंधन का सदस्य है और यहां तक कि वहां अमेरिका के प्रमुख सैन्य अड्डे भी हैं।

चीन ने भी वैनेज़ुएला पर अमेरिकी सशस्त्र कब्जे की कडी आलोचना की है। चीन ने इस कदम को अवैध और गलत बताया है। उसने अमेरिकी कार्रवाई को पलटने की मांग की है।

वैनेज़ुएला की स्वतंत्रता खत्म होने और मादुरो का अपहरण विशेष रूप से चीन के लिए बहुत चुभने वाला है, क्योंकि उसने दशकों तक इस देश के साथ संबंध विकसित किए थे, ताकि वह क्षेत्र में अपनी पकड़ बना सके। वैनेज़ुएला ने कई कदम उठाकर अमेरिकी तेल कंपनियों को निष्कासित किया और रूस और चीन की कंपनियों को देश के तेल क्षेत्र में प्रवेश करने की अनुमति दी।

अब अमेरिकी कंपनियों के लिए यह एक खुला मैदान होगा। ट्रंप ने खुले तौर पर कहा है कि वैनेज़ुएला ने उन अमेरिकी तेल कंपनियों की संपत्ति का जबरन अधिग्रहण किया था, जो पहले इस देश में काम कर रही थीं। अब उन कंपनियों को मुआवजा दिया जाएगा।

# सचिन पायलट केरल में कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त

नई दिल्ली, 07 जनवरी। आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए कांग्रेस पार्टी ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने तत्काल प्रभाव से असम, केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी और पश्चिम बंगाल के लिए पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है। इन पर्यवेक्षकों की जिम्मेदारी संबंधित राज्यों में संगठनात्मक समन्वय, चुनावी रणनीति की निगरानी, उम्मीदवार चयन प्रक्रिया और स्थानीय नेतृत्व के साथ तालमेल सुनिश्चित करना होगा।

पार्टी नेतृत्व ने इन राज्यों में चुनावी प्रबंधन बेहतर बनाने के उद्देश्य से वरिष्ठ और अनुभवी नेताओं को मैदान में उतारा है। पार्टी की ओर से जारी सूची के अनुसार, असम में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और बंधु तिर्के को वरिष्ठ पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। ये नेता राज्य में चुनाव प्रचार और रणनीति की देखरेख करेंगे।

केरल में पार्टी ने युवा और अनुभवी नेताओं के मिश्रण पर भरोसा जताया है। यहां सचिन पायलट, के.जे. जॉर्ज, इमरान प्रतापगढ़ी और कन्हैया कुमार को वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। तमिलनाडु और पुडुचेरी के लिए मुकुल वासनिक, उत्तम कुमार रेड्डी और काजी मोहम्मद निजामुद्दीन को जिम्मेदारी मिली है।

पश्चिम बंगाल में चुनावी गतिविधियों की निगरानी के लिए सुदीप रॉय बर्मन और शकील अहमद खान को नियुक्त किया गया है। इन नियुक्तियों के जरिए कांग्रेस ने स्पष्ट संकेत दिया है कि पार्टी आगामी विधानसभा चुनावों में पूरी मजबूती और रणनीतिक तैयारी के साथ मैदान में उतरने जा रही है।

# झारखंड ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

हाथी का आतंक बाबरिया गांव तक सीमित नहीं रहा। बड़ा पासीया गांव में भी हाथी के हमले में एक ग्रामीण की मौत हो गई। वहीं लांपाईसाई गांव में एक अन्य ग्रामीण को हाथी ने रौंदकर मार डाला। इन दोनों गांवों में मृतकों की पहचान समाचार लिखे जाने तक नहीं हो पाई थी।

# 'ऑपरेशन वैनेज़ुएला ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

राष्ट्रपति निवास के परिसर में ज़बरदस्त मुठभेड़ हुई, जिसकी सुरक्षा वैनेज़ुएला और क्यूबा के सुरक्षा कर्मी कर रहे थे।

वैनेज़ुएला के अटॉर्नी जनरल ने अब घोषणा की है कि राष्ट्रपति और उनकी पत्नी का अपहरण और ज़बरन उठाकर ले जाना "अंतरराष्ट्रीय अपहरण" और "युद्ध अपराध" है। उन्होंने दोनों की तत्काल रिहाई की मांग की है।

अमेरिका ने अब यह स्वीकार किया है कि हमले में शामिल कई सैन्य कर्मी घायल हुए हैं, हालांकि दावा किया गया है कि उनमें से अधिकतर ड्यूटी पर लौट आए हैं। फिर भी, अगर बाद में यह सामने आए कि कई अमेरिकी सैनिक भी मारे गए हैं, तो इसमें कोई हैरानी नहीं होगी। वैनेज़ुएला की राजधानी पर पूरा हमला देश की सेना और सुरक्षा बलों तथा हमलावर अमेरिकी सेना के बीच एक भयानक लड़ाई थी। अमेरिका ने बताया है कि इस अभियान में जहाज़ों और अन्य वाहनों के अलावा, कम से कम 150 विमान शामिल थे।

हमला करने वाले अमेरिकियों और वैनेज़ुएला की सेनाओं के बीच हवा में डॉगफाइट भी हुई। काफी हद तक यह पता था कि अमेरिका देश पर हमला करने वाला है, इसलिए वैनेज़ुएला की सेनाएं पूरी तरह चौकन्नी थीं।

यह अब भी एक पहेली है कि ज्यादा लोग हताहत क्यों नहीं हुए। कुछ सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इतनी बड़ी कार्रवाई में, खासकर इतने घनी आबादी वाले शहर में, इससे कहीं

- **इस मंतव्य की पूर्ति के लिए अमेरिका वैनेज़ुएला में बड़ा कमज़ोर राष्ट्रपति चाहता है, जो उसके आदेशों के अनुसार चले। पर, अभी ऐसा होता नज़र नहीं आ रहा।**

अधिक मौतें और आम नागरिकों को नुकसान होना चाहिए था। कार्यवाहक वैनेज़ुएला राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने देश और जनता की रक्षा करते हुए मारे गए "बहादुर पुरुषों और महिलाओं" के लिए सात दिन के शोक की घोषणा की है। लोगों को अपने संबोधन में उन्होंने सख़्त अमेरिका-विरोधी रुख अपनाया और कहा कि अब देश समझता है कि अपने लोगों की शांति और जान की रक्षा के लिए क्या करना पड़ता है।

दूसरी ओर, अमेरिका ने अपना लहजा और सख़्त करते हुए वैनेज़ुएला से मांग की है कि वह रूसी और चीनी कंपनियों को देश से बाहर निकाले और लगभग 5 करोड़ बैरल तेल अमेरिका को सौंपे, ताकि उसे वैश्विक बाज़ारों में बेचा जा सके। इससे होने वाली आय का लाभ अमेरिका को होगा और बचा हुआ कुछ हिस्सा मूल देश को मिलेगा।

हालांकि, अमेरिका वैनेज़ुएला में एक बेहद आज्ञाकारी राष्ट्रपति भी चाहता है, जो नए अमेरिकी आकाओं के आदेशों पर चले।

# 'गड़बड़ी...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

पूरी चयन प्रक्रिया को निरस्त नहीं किया जा सकता। एसआई भर्ती में ऐसा कोई ठोस साक्ष्य नहीं मिला, जिससे साबित हो की पूरी भर्ती प्रक्रिया ही दूषित थी। यह भर्ती एक विस्तृत और बहुस्तरीय प्रक्रिया के तहत आयोजित हुई थी, जिसमें लिखित परीक्षा, साक्षात्कार और फिजिकल परीक्षा शामिल थीं। यदि कुछ अभ्यर्थियों के मामले में अनियमिता सामने आई है तो उनके मामले में अलग से कार्रवाई की जा सकती है, लेकिन इससे बड़ी संख्या में ईमानदार दूसरे अभ्यर्थियों के भविष्य से खिलवाड़ नहीं किया जा सकता। इसके साथ ही, मामले में राज्य सरकार की ओर से अपनी बहस पूरी कर ली गई है। अदालत मामले में गुरुवार को चयनित अभ्यर्थियों के वकीलों की बहस सुनेगी।

# ट्रंप के वैनेज़ुएला एक्ट पर भारतीय प्रतिक्रिया ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय कानून के स्थापित सिद्धांतों के एकतरफा उल्लंघन पर चुप नहीं रह सकता। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ऐसी कार्रवाइयों को बिना चुनौती छोड़ा गया तो वह नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था को कमज़ोर करेंगी, जिस पर भारत खुद निर्भर करता है।

कई टिप्पणीकारों ने 2022 में यूक्रेन पर रूस के हमले के समय भारत की प्रतिक्रिया से इसकी तुलना की, तब भी नई दिल्ली ने खुली निंदा से बचते हुए संवाद और कूटनीति पर जोर दिया था। टेलीग्राफ ने वेनेज़ुएला पर भारत के बयान को देरी से आया और टालमटोल वाला बयान बताया और कहा कि एक बार फिर भारत बड़े देशों द्वारा अंतरराष्ट्रीय मानकों को तोड़े जाने पर नैतिक रुख लेने से बचता दिखा। राज्यसभा सांसद मनोज झा ने और तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि भारत की विदेश नीति की भाषा से नैतिक ताकत गायब होती जा रही है। वेनेज़ुएला के तेल के खिलाफ कार्रवाई को कोई भी बहाना सही नहीं ठहरा सकता। इतिहास इस सतर्क भाषा को माफ नहीं करेगा। उन्होंने आज़ादी के बाद के शुरुआती दशकों की भारत की मुखर कूटनीति से इसकी तुलना की। वाम दलों ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी। माकपा, भाकपा, भाकपा (माले) लिबरेशन, आरएसपी और ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक ने संयुक्त बयान में इसे "अमेरिकी आक्रामकता" और वेनेज़ुएला के चुने हुए नेतृत्व के अपहरण की संज्ञा दी। उन्होंने भारत सरकार से हमले का विरोध करने वाले देशों के साथ खड़े होने और संयुक्त राष्ट्र चार्टर की बिना किसी हिचकिचाहट के रक्षा करने की मांग की।

यह हिचक क्यों है? विश्लेषकों का कहना है कि भारत का अमेरिका के साथ रणनीतिक जुड़ाव गहराता जा रहा है। अमेरिका अब भारत का सबसे बड़ा रक्षा साझेदार, प्रमुख तकनीकी आपूर्तिकर्ता और चीन के मुकाबले एक अहम संतुलनकारी शक्ति है। अमेरिकी रणनीतिकार जॉन सिटिलाइड्स ने कहा कि भारत रणनीतिक स्वायत्तता को महत्व देता है, लेकिन यह भी जानता है कि वेनेज़ुएला अभियान वॉशिंगटन के "नेशनल प्राइमेसी" सिद्धांत के तहत किया गया था, जिसमें साझेदार देशों की असहमति को पसंद नहीं किया जाता।

कुछ विशेषज्ञ आर्थिक पहलू पर भी जोर देते हैं। "द हिंदू" की कूटनीतिक संपादक सुहासिनी हैदर के अनुसार, भारत-अमेरिका व्यापार वार्ताएं इस समय संवेदनशील दौर में हैं और यूक्रेन, गाज़ा से लेकर ईरान तक कई मुद्दों पर भारत ने ऐसे समय संतुलित बयान दिए हैं, जब अमेरिकी हित सीधे जुड़े रहे हैं।

फिर भी, इस रवैये पर दोबारा सोचने की मांग उठ रही है। नीति विशेषज्ञ ज़ोरावर दौलत सिंह ने चेताया कि इस तरह के अस्पष्ट बयान आगे चलकर भारत के अपने पड़ोस में भी आम प्रतिक्रिया बन सकते हैं, जिससे प्रतिरोधक क्षमता और रणनीतिक स्पष्टता कमजोर होगी। रणनीतिक मामलों के विश्लेषक ब्रह्मा चेलानी ने कहा कि भारत ने भले ही एकतरफा सैन्य कार्रवाई पर असहजता जताई हो, लेकिन संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 2(4) का हवाला न देने से ग्लोबल साउथ के नेता के रूप में उसके दावे को नुकसान पहुंच सकता है।

हालांकि सभी लोग ऐसा नहीं मानते कि भारत ने गलती की है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सरकार के विवेक का बचाव करते हुए कहा कि वैश्विक मानदंडों के कमज़ोर होते दौर में भाषणबाज़ी नहीं, बल्कि कूटनीति ही भारत का मार्गदर्शन करे। "भारत न तो छोटा देश है और न ही साम्राज्य", उन्होंने कहा, "उसे इस खतरनाक दौर में सावधानी से आगे बढ़ना होगा।"

यह बहस भारत की विदेश नीति के भीतर गहरे तनाव को उजागर करती है- अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी और संप्रभुता, गैर-हस्तक्षेप तथा अंतरराष्ट्रीय कानून की रक्षा करने की उसकी ऐतिहासिक भूमिका के बीच संतुलन कैसे बने। वेनेज़ुएला इस सवाल की ताज़ा परीक्षा बन गया है कि क्या भारत अब भी उस पतली रेखा पर चल सकता है, या रणनीतिक मजबूरियां उसकी आवाज़ को धीरे-धीरे सीमित करती जा रही हैं।

# 'मध्य प्रदेश ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

प्रतिशत है। इसका मतलब है कि राज्य में 36.7 प्रतिशत ग्रामीण पेयजल नमूने असुरक्षित पाए गए, जिनमें बैक्टीरियाई या रासायनिक प्रदूषण था। ये नमूने सितंबर-अक्टूबर 2024 के दौरान मध्य प्रदेश के 15,000 से अधिक ग्रामीण परिवारों से एकत्र किए गए थे। इलाज और सुरक्षा से संबंधित स्थानों पर स्थिति और भी ज्यादा गंभीर है। सरकारी अस्पतालों में, केवल 12 प्रतिशत पानी के नमूने माइक्रोबायलॉजिकल सुरक्षा परीक्षणों में पास हुए, जबकि राष्ट्रीय औसत 83.1 है। मध्य प्रदेश के लगभग 88 प्रतिशत अस्पतालों में मरीजों को असुरक्षित पेयजल दिया जा रहा है।

# ट्रंप की "ग्रीनलैंड" पर ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

कहना है कि प्रशासन वहां अमेरिकी प्रभाव बढ़ाने के लिए कूटनीतिक, आर्थिक और रणनीतिक, सभी रास्तों पर विचार कर रहा है। लेकिन सैन्य बल का खुला ज़िक्र डेनमार्क और ग्रीनलैंड के लिए एक लाल रेखा पार करने जैसा है। इससे पहले जिसे लोग ट्रंप की अजीब सनक मानकर टाल रहे थे, वह अब एक गंभीर गठबंधन विवाद बन गया है।

डेनमार्क की प्रतिक्रिया बिल्कुल साफ है। प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन ने चेतावनी दी कि ग्रीनलैंड के खिलाफ किसी भी अमेरिकी सैन्य कार्रवाई प्रभावी रुप से नाटो को नष्ट कर देगी और इस सुरक्षा ढांचे को खत्म कर देगी, जिसने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से ट्रांसअटलांटिक सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखा है। यूरोपीय नेताओं ने भी एकजुट होकर बयान जारी किए और कहा कि ग्रीनलैंड डेनमार्क के साम्राज्य का हिस्सा है और इसलिए वह नाटो की सामूहिक रक्षा प्रतिबद्धताओं के तहत आता है। उन्होंने कहा कि बलपूर्वक उसकी स्थिति बदलने की कोई भी कोशिश अंतरराष्ट्रीय कानून और गठबंधन के नियमों का उल्लंघन होगी।

भड़काऊ भाषा के बावजूद, ग्रीनलैंड के खिलाफ अमेरिकी सैन्य कार्रवाई की संभावना बेहद कम है।

पहली बात, ग्रीनलैंड नाटो का क्षेत्र है। गठबंधन के किसी सदस्य देश पर अमेरिका का हमला अभूतपूर्व होगा और इससे नाटो अंदर से ही टूट जाएगा, जो अमेरिका की वैश्विक ताकत को बढ़ाने के बजाय कमज़ोर करेगा।

- **ट्रंप के सोच से वाकिफ, विशेषज्ञों की राय है कि यह ट्रंप के काम करने का स्टाइल है कि वे ऐसी ऊल-जुलूल वक्तव्यबाजी केवल लोगों की प्रतिक्रिया जानने के लिए करते हैं तथा सामरिक बहस का फोकस बदलते हैं। उनका मंतव्य युद्ध नहीं, बल्कि केवल, "मैसेज" देना होता है।**

दूसरा, अंतरराष्ट्रीय कानून ऐसे किसी कदम की अनुमति नहीं देता। ग्रीनलैंड की विदेश और रक्षा नीति डेनमार्क के नियंत्रण में है और संयुक्त राष्ट्र चार्टर साफ तौर पर बलपूर्वक किसी क्षेत्र पर कब्जे को प्रतिबंधित करता है।

तीसरा, खुद ग्रीनलैंड इसका विरोध करता है। वहां की निर्वाचित सरकार ने अमेरिकी अधिग्रहण के विचार को खारिज कर दिया है और द्वीप की जनता भारी बहुमत से डेनमार्क के भीतर स्वशासन बनाए रखने के पक्ष में है, न कि अमेरिका में शामिल होने के।

चौथा, अमेरिका की घरेलू राजनीति भी सीमा तय करती है। कांग्रेस ने ग्रीनलैंड को लेकर नाटो सहयोगियों से टकराव में कोई खास इच्छा नहीं दिखाई है, और वरिष्ठ सांसदों ने सार्वजनिक रुप से सैन्य कार्रवाई के विचार को हल्के में लिया है। इससे साफ है कि यह बयानबाज़ी ज़मीनी कार्रवाई में बदलने वाली नहीं है।

इसलिए विश्लेषकों का मानना है कि ट्रंप की भाषा युद्ध की तैयारी नहीं, बल्कि रणनीतिक संकेत है, जो उनकी उस मोलभाव शैली के अनुरूप है, जिसमें वे ज्यादा से ज्यादा मांगें रखकर दबाव बनाते हैं, प्रतिक्रियाएं परखते हैं और बहस की दिशा बदलते हैं। व्यावहारिक रूप से, अमेरिका द्वारा क्षेत्रीय अधिग्रहण के बजाय सैन्य ठिकानों के अधिकार बढ़ाने, ढांचागत और खनिज निवेश करने या सुरक्षा सहयोग मज़बूत करने की कहीं ज़्यादा संभावना है।

डेनमार्क और ग्रीनलैंड में अधिकारी वाशिंगटन से तुरंत बातचीत की कोशिश कर रहे हैं, ताकि तनाव कम किया जा सके और ग्रीनलैंड की स्थिति व आकांक्षाओं को लेकर, जैसा वे कहते हैं, अमेरिका की बुनियादी गलतफहमी दूर की जा सके। नॉर्डिक देशों ने भी यही रुख अपनाया है और कहा है कि आर्कटिक सुरक्षा को दबाव से नहीं, सहयोग से मज़बूत किया जाना चाहिए।

इस तरह ट्रंप की टिप्पणियों ने बयानबाज़ी तेज़ कर दी है और गठबंधन के विश्वास को हिला दिया है, लेकिन ये किसी वास्तविक सैन्य खतरे का संकेत नहीं हैं। इसके बजाय उन्होंने विश्वास का एक राजनयिक संकट पैदा कर दिया है, जो दिखाता है कि रणनीतिक दिखावा कितनी आसानी से पहले से ही अस्थिर भू-राजनीतिक माहौल में अस्थिर करने वाले खतरनाक टकराव में बदल सकता है।

# "एक हफ्ते में 5 लाख रूपये का जुर्माना भरे, उसके बाद ही कुलगुरू के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई होगी"

## राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान यूनिवर्सिटी के कुलगुरू के नियुक्ति के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिए

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 7 जनवरी। राजस्थान विश्वविद्यालय कुलगुरू पद पर प्रोफेसर अल्पना कटेजा की नियुक्ति के खिलाफ दायर याचिका पर राजस्थान हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान न्यायाधीश समीर जैन ने पाया कि याचिकाकर्ता ने कई महत्वपूर्ण तथ्यों को अदालत के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया, जिन्हें कि इस मामले की सुनवाई के पूर्व साझा किया जाना अत्यन्त महत्वपूर्ण था। इसलिए अदालत ने याचिकाकर्ता पर दंडात्मक कार्यवाही करते हुए आदेश दिये हैं कि न केवल सभी तथ्यों को स्पष्टता से उद्धृत करें, बल्कि एक हफ्ते की भीतर पांच लाख रूपये का जुर्माना भी भरें। अदालत ने कहा कि इस मामले में सुनवाई जुर्माना भरे जाने के बाद ही शुरू की जायेगी और अगर जुर्माना नहीं भरा गया तो याचिका रद्द कर दी जावेगी।

इस मामले में राजस्थान यूनिवर्सिटी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता ए.के. शर्मा पैरवी के लिये पेश हुए थे, वहीं राजस्थान विश्वविद्यालय के कुलगरू की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आर.एन. माथुर और उनके सहायक अधिवक्ता सार्थक रस्तोगी पैरवी के लिए पेश हुए थे। राज्यपाल की ओर से इस मामले में महाधिवक्ता पैरवी के लिए अदालत में उपस्थित थे।

- **अदालत का कहना था कि याचिकाकर्ता ने कहीं अहम तथ्य रिट याचिका दायर करने से पूर्व उजागर नहीं किये जिससे प्रतीत होता है कि याचिकाकर्ता ने साफ मंशा से याचिका दायर नहीं की।**

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता सविता सिहाग ने अदालत को बताया था कि राजस्थान विश्वविद्यालय के कुलपति के पद पर नियुक्ति के लिए 1 अगस्त 2023 को विज्ञापन जारी किया गया था, जिसमें प्रोफेसर अल्पना कटेजा ने आवेदन किया था। याचिकाकर्ता का आरोप है कि आवेदन करते समय अल्पना कटेजा ने अपने खिलाफ लंबित आपराधिक मुकदमों की जानकारी नहीं दी, जो कि नियमों की अवहेलना है। इसी अवहेलना के कारण कुलगुरू पद से उनको हटाया जाना चाहिए।

वहीं, कुलगुरू की ओर से दायर जवाब में स्पष्ट कहा गया कि स्वयं याचिकाकर्ता ने कई तथ्यों को उजागर नहीं किया, जो उनकी याचिका खारिज करवाने के लिए पर्याप्त है। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता ने अपने शपथ पत्र में यह नहीं बताया कि उन्होंने राजस्थान यूनिवर्सिटी के खिलाफ 2022 से 2025 के बीच करीब 36 मामले पहले ही दायर कर रखे हैं, जो अन्य अदालतों में लम्बित हैं।

सुनवाई के दौरान यह भी बताया कि याचिकाकर्ता ने चार आपराधिक मामले दायर किये हैं, जिनमें 440 लोगों पर आरोप लगाए गये थे जिनमें राजस्थान यूनिवर्सिटी के कुलगुरू, अन्य अध्यापक और सलेक्शन कमेटी के सदस्य शामिल थे।

मामले पर जिरह के दौरान यह तथ्य भी सामने आया कि याचिकाकर्ता को वर्ष 2021 में निचली अदालत ने एक आपराधिक मामले में दोषी पाया था। याचिकाकर्ता पर 2016 से एक आपराधिक मामला लम्बित है, और वह अन्य एफ.आई. आर. में आरोपी है।

कुलगुरू की ओर से यह भी बताया कि याचिकाकर्ता घुसपैठ करने और किसी की सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोप में एक मामले में दोषी पाया गया था, वह उसकी अपील में हिरासत से बाहर आया हुआ है।

जिरह के दौरान कुलगुरू की ओर से अदालत को कहा गया कि ये तथ्य दर्शाते हैं कि याचिकाकर्ता ने सभी तथ्यों को छुपाते हुए, कुत्सित इरादों के साथ यह याचिका दायर की है, इसलिए उसे खारिज कर देना चाहिए।

कुलगुरू की ओर से यह भी बताया गया कि जिस आपराधिक मामले की जानकारी अपने आवेदन पत्र में नहीं बताने का आरोप लगाया गया है, वह बेबुनियाद है, क्योंकि उक्त मामले में निचली अदालत ने मामले को खारिज कर दिया था। जिरह के दौरान यह तथ्य भी सामने आया कि निचली अदालत के आदेश के खिलाफ याचिकाकर्ता ने संशोधन करने व दोबारा मामले की सुनवाई करने के लिए आवेदन दायर किया था, परन्तु इस मामले में कुलगुरू को अदालत से अभी तक नोटिस जारी नहीं किये गये हैं, जो कि कोर्ट के रिकॉर्ड से स्पष्ट होता है। कुलगुरू की ओर से कहा गया कानूनी रूप से यह नहीं कहा जा सकता कि उन्हें किसी भी आपराधिक मामले की जानकारी है, जब तक अदालत उन्हें जवाब-तलब नहीं करे।

अदालत ने सभी तथ्यों को सुनने के बाद, याचिकाकर्ता पर 5 लाख रु. का जुर्माना लगाने के आदेश दिए।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908